



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 39]

नं दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 27, 1975 (आश्विन 5, 1897)

No. 39]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 27, 1975 (ASVINA 5, 1897)

इस भाग में मिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011 दिनांक 23 अगस्त 1975

सं. पी० 1859-प्रशासन-I—श्री वी० एन० वैद्यनाथन, सहा० योजना अधिकारी, आकाशवाणी महानिदेशालय, ने 7 अगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद का कार्यभार संभाल लिया।

प्र० ना० मुखर्जी
अवर सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

तक, जो भी पहले हों, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

पी० एन० मुखर्जी
अवर सचिव
(प्रशासन प्रभारी)
संघ लोक सेवा आयोग

मंत्रिमंडल सचिवालय
(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 26 अगस्त 1975

नई दिल्ली-110011, दिनांक 28 अगस्त 1975

सं. ए० 32014/1/75-प्रशासन-III—इस कार्यालय की समसंब्यक अधिसूचना दिनांक 12 जून, 1975 के आंशिक संशोधन से संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संबंध के स्थायी सहायक श्री एस० पी० माथुर को राष्ट्रपति द्वारा 2 जून, 1975 से 29 अगस्त, 1975 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों

सं. पी० एफ०/एस०-243/73-प्रशासन-I—निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुलिस निरीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त पश्चिम बंगाल राज्य पुलिस के अधिकारी श्री एस० कें० चौधरी को दिनांक 30 जून, 1975 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो कलकत्ता में अपने कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है। वह दिनांक 1 जुलाई, 1975 से 100 दिन की सेवा निवृत्ति-पूर्व स्वीकृत छुट्टी व्यतीत करेंगे।

दिनांक 1 सितम्बर 1975

सं० के०-11/71-प्रशासन-5—दिल्ली पुलिस में प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री बी० आर० आहजा, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो ने दिनांक 13 अगस्त, 1975 के पूर्वाह्न में केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो में पुलिस उप-अधीक्षक के पद का कार्यभार त्याग दिया।

गुलजारी लाल अग्रवाल,
प्रशासन अधिकारी (स्थान),
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो।

केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला

नई दिल्ली 110022, दिनांक 21 अगस्त 1975

सं० 1-9/70/5717—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, और महानिदेशक, विजेष पुलिस स्थापना, नई दिल्ली की केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला के वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक श्री जी० डी० गुप्ता को दिनांक 1 अगस्त, 1975 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, नई दिल्ली की केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला में तदर्थ रूप से कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (जोव विज्ञान) के पद पर सहर्वं नियुक्त करते हैं।

जी० एल० अग्रवाल
प्रशासन अधिकारी (इ०)

कृते निदेशक केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 21 अगस्त 75

सं० 1-9/70/सी० एफ० एस० एल०/5718—उनके सहायक निदेशक नियुक्त होने के फलस्वरूप राज्य न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला रोहतक (हरियाणा) में श्री एम० बी० राव को कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी के पद से 31 जुलाई, 1975 उपरान्तान्ह में केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो नई दिल्ली के कार्यालय से भार मुक्त करते हैं।

जी० एल० अग्रवाल
प्रशासन अधिकारी (इ०)

केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

गृह मंत्रालय

महानिदेशक का कार्यालय

केन्द्रीय ग्रौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली 110003, दिनांक 25 अगस्त 1975

सं० ई० 38013(3)/3/75-प्रशासन-I—भिलाई को स्थानान्तरित होने पर, श्री ए० एस० शेखावत, ने दिनांक 2 जुलाई, 1975 के अपराह्न से केन्द्रीय ग्रौद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, दुर्गापुर स्टील प्लांट दुर्गापुर, के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई० 38013(3)/3/75-प्रशासन-I—भिलाई से स्थानान्तरित होने पर, श्री जैड० एम० सागर ने दिनांक 6 अगस्त, 1975 पूर्वाह्न से केन्द्रीय ग्रौद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, बोकारो स्टील

लिमिटेड, बोकारो स्टील मिटी, के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-31013(2)/5/74-प्रशासन-I—राष्ट्रपति, निरीक्षक पी० एन० देव को दिनांक 8 अगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय ग्रौद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, भारत कोर्किंग कोल निं०, ब्रितिया, का स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं, जिन्होंने उसी दिनांक से पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 28 अगस्त 1975

सं० ई०-38013(3)/8/75-प्रशासन-I—कलकत्ता को स्थानान्तरित होने पर, श्री के० पी० नायक, सहायक कमांडेंट, ने दिनांक 16 अगस्त, 1975 के अपराह्न से केन्द्रीय ग्रौद्योगिक सुरक्षा बल, दुर्गापुर स्टील प्लांट, दुर्गापुर, के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-31013(2)/5/74-प्रशासन-I—राष्ट्रपति, निरीक्षण के० एस० मिन्हास, को दिनांक 8 अगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक, केन्द्रीय ग्रौद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, राष्ट्रीय उर्वरक लिमिटेड, भटिणा, का स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं, जिन्होंने उसी दिनांक में पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

एल० एस० बिष्ट
महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली 110011, दिनांक 26 अगस्त 1975

सं० 10/6/75-ए० डी०-I—इस कार्यालय की अधिकारीय सं० 10/6/75-ए० डी०-I दिनांक 14 फरवरी, 1975 की अनुवृत्ति में राष्ट्रपति भारत के महापंजीकार के कार्यालय में उपनिदेशक (ग्रांकड़ों प्रक्रिया) के पद पर श्री एस० एन० चतुर्वेदी की तत्काल नियुक्ति को दिनांक 17 अगस्त, 1975 से 19 नवम्बर, 1975 तक सहर्वं बढ़ाते हैं।

बद्रीनाथ,
भारत के उपमहापंजीकार
एवं पदेन उप-मन्त्रिव

सरदार बलदाम भाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी

हैदराबाद, दिनांक 26 अगस्त 1975

सं० 41/8/75-स्थापना—श्री जनकराज, आई० पी० एस० (1966) ने अन्धप्रदेश पुलिस सेवा संवर्ग से स्थानान्तरित होकर, सरदार बलदाम भाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद में दिनांक 20 अगस्त, 1975 अपराह्न से सहायक निदेशक का कार्यभार सम्भाल लिया।

एस० एम० डायज
निदेशक

वित्त मंत्रालय
(आधिकारिक कार्य विभाग)
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय
नासिक रोड, दिनांक 9 अगस्त 1975

सं० 736/ए०—दिनांक 28 फरवरी, 1975 की अधिसूचना सं० 3495/ए के क्रम में श्री रंगनाथ लक्ष्मण गोखले भंडार अधिकारी के पद पर तवर्य नियुक्ति उन्हीं शर्तों के साथ 30 सितम्बर, 1975 तक अवधि। इसके पहले उक्त पद की पूर्ति नियमित रूप से हो जाये तब तक आगे बढ़ाई जाती है।

वि० ज० जोशी
महाप्रबन्धक
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग
कार्यालय, महालेखाकार पश्चिमी बंगाल

कलकत्ता-1, दिनांक 18 मार्च 1975

सं० एडमिन-१/1038-XII/4968—महालेखाकार पश्चिमी बंगाल ने निम्नलिखित स्थायी सेक्शन अधिकारी को अस्थायी लेखाकार अधिकारी के पद पर जिस तारीख को वे पद धारण करते हैं, अगला आदेश जारी होने तक बहाल करने की कृपा की है।

सर्वश्री:—

- (1) भूतनाथ दास
- (2) सुबोध कुमार चक्रवर्ती
- (3) हिमाषु कुमार राय चौधरी
- (4) निखिल रंजन सेन गुप्ता

इन की पारस्परिक वरिष्ठता बाद में अंकित की जायेगी।

दिनांक 8 अप्रैल 1975

सं० एडमिन-१/1038-XIII/140—महालेखाकार, पश्चिमी बंगाल ने श्री रविन्द्र नाथ दत्ता स्थायी सेक्शन अफिसर को अस्थायी लेखा अधिकारी के पद पर 8 अप्रैल, 1975 या उनके पद धारण करने की तारीख से अगला आदेश जारी होने तक बहाल करने की कृपा की है।

अधिकारी की पारस्परिक वरिष्ठता बाद में अंकित की जाएगी।

दिनांक 4 जुलाई 1975

सं० एडमिन-१/1038-XIII/1284—महालेखाकार पश्चिमी बंगाल ने सर्वश्री नेपाल दास राय और अमलेन्दु भट्टाचार्य स्थायी सेक्शन अफिसर को अस्थायी लेखा अधिकारी के पद पर जिस तारीख से वे पद धारण करते हैं, अगला आदेश जारी होने तक बहाल करने की कृपा की है।

सर्वश्री नेपाल दास राय और अमलेन्दु भट्टाचार्य अपने वर्तमान पद भार से मुक्त होने पर उप वरिष्ठ लेखाकार पश्चिमी बंगाल

(प्रशासन) लेखाकार कार्यालय केन्द्र पश्चिमी बंगाल के समक्ष खाली लेखाकार अधिकारी के पद धारण करने के लिए उपस्थित होंगे।

इन अधिकारियों की पारस्परिक वरिष्ठता बाद में अंकित की जाएगी।

दिनांक 1 अगस्त 1975

सं० एडमिन-१/1038-XIII/1719—महालेखाकार पश्चिमी बंगाल ने सर्वश्री पी० के० घोष दस्तीदार और ए० के० भटा स्थायी सेक्शन अफिसर को अस्थायी लेखा अधिकारी के पद पर 1 अगस्त 1975 या जिस तारीख को क्रमशः महालेखाकार पश्चिमी बंगाल (राज्य महालेखाकार पश्चिमी बंगाल केन्द्र में पद भार धारण करने की तारीख) यादेश जारी होने तक बहाल करने की कृपा की है।

सर्वश्री पी० के० घोष दस्तीदार और ए० के० भटा अपने वर्तमान पद से भार मुक्त होने पर उप वरिष्ठ लेखाकार पश्चिमी बंगाल (प्रशासन) और उप लेखाकार पश्चिमी बंगाल (प्रशासन) केन्द्र के समक्ष रिक्त स्थान का पदभार महण करने के लिए जो य० सहा लेखा अधिकारी के बदली महा लेखाकार पश्चिमी बंगाल के कारण हुआ है उपस्थित होंगे।

घनम्याम दास
उप वरिष्ठ महालेखाकार
पश्चिमी बंगाल

कार्यालय, मुख्य लेखा परीक्षक, दक्षिण रेलवे

मद्रास-3, दिनांक 27 अगस्त 1975

सं० ए०/पी० सी०/एम० एस०/10968—दक्षिण रेलवे के मुख्य परीक्षक के कार्यालय में अपने रेलवे लेखा परीक्षा सेवा के स्थायी सदस्य श्री एम० सुब्रह्मण्यम को 19 जुलाई 1975 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर स्थानापन रूप से पदोन्नत किया जाता है।

इस मामले में की गयी पदोन्नति के बल तवर्य रूप से है और वह सर्वोच्च व्यायालय के अंतिम आवेदनों पर अवश्यक रूप से होगी।

के० पी० जोसफ
मुख्य लेखा परीक्षक

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियों सेवा
महानिदेशालय आर्डनेन्स फैक्टरियों
कलकत्ता, दिनांक 21 अगस्त 1975

सं० 30/75/जी०—राष्ट्रपति जी इस निदेशालय की डी० ए० डी० जी० ए० एफ०/उप-प्रबन्धक की श्रेणी में पुष्टिकरण करने वाली दिनांक 17 अप्रैल 1972 की गजट अधिसूचना सं० 15/72/जी० से निम्नलिखित उपवन्ध सहर्ष काटते हैं।

“उपरोक्त आदेशित पुष्टीकरण अन्तःकालीन है और न्यायालयों में विचाराधीन पड़े संगत मामलों में निर्णय के अधीन है।”

सं० 31/75/जी० 4—राष्ट्रपति जी, इस निदेशालय की सीनियर डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०/प्रबन्धक की श्रेणी में पुष्टीकरण करने वाली दिनांक 14 अगस्त 1972 की गजट अधिसूचना सं० 43/72/जी० से निम्नलिखित उपबन्ध सहर्ष काटते हैं:—

“उपरोक्त पुष्टीकरण के आदेश अन्तःकालीन हैं तथा विधि न्यायालयों में निर्णयार्थ पड़े संबंधित मामलों में निर्णय के अधीन होंगे।”

सं० 32/75-जी०—राष्ट्रपति जी, इस निदेशालय की डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०/उप-प्रबन्धक की श्रेणी में पुष्टीकरण करने वाली दिनांक 28 अगस्त 1973 की गजट अधिसूचना संख्या 41/73-जी० से निम्नलिखित उपबन्ध सहर्ष काटते हैं:—

“उपरोक्त आदेशित पुष्टीकरण अस्थायी हैं तथा वरिष्ठता के बारे में न्यायालय/सरकार के न्यायालय विचाराधीन संबंधित मामलों में निर्णय के अधीन होंगे।”

सं० 33/75/जी०—राष्ट्रपति जी, इस निदेशालय की सीनियर डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०/प्रबन्धक की श्रेणी में पुष्टीकरण करने वाली दिनांक 8 फरवरी 1974 की गजट अधिसूचना सं० 6/74/74-जी० से निम्नलिखित उपबन्ध सहर्ष काटते हैं:—

“उपरोक्त आदेशित पुष्टीकरण प्रावधानिक हैं तथा वरिष्ठता के संबंध में विधि न्यायालय/सरकार के विचाराधीन संबंधित मामले में निर्णय के अधीन होंगे।”

एम० पी० आर० पिलाय
सहायक महानिदेशक आर्डनन्स फैक्ट्रिया

वाणिज्य मत्त्वालय

मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय
आयात तथा निर्यात व्यापार नियन्त्रण
नई दिल्ली, दिनांक 26 अगस्त 1975

स्थापना

सं० 6/258/54-प्रशा० (जी०)/9721—सेवा निवर्तन आयु प्राप्त करने पर, संयुक्त मुख्य नियन्त्रक आयात-निर्यात के कार्यालय, मद्रास में श्री वाई० जी० पार्थसारथी ने 31 जुलाई, 1975 के अपराह्न से उप-मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

बी० डी० कुमार
मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात

नई दिल्ली, दिनांक 26 अगस्त 1975

सं० 6/1038/74-प्रशासन-(जी०)/9694 — मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात इसके द्वारा कर्मचारी शिक्षा के लिए केन्द्रीय बोर्ड (भ्रम संव्यालय द्वारा प्रायोजित) में शिक्षा अधिकारी

श्री बाबूराव कुलकर्णी को संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में 1 अगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक नियन्त्रक, आयात-निर्यात श्रेणी-2 के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. नियन्त्रक, आयात-निर्यात के रूप में श्री बाबूराव कुलकर्णी नियमों के अनुसार 650-30-740-35-810 दक्षता रोध-35-880-40-1000 दक्षता रोध-40-1200 के वेतनमान में वेतन प्राप्त करेंगे।

सं० 6/1059/74-प्रशासन (जी०)/9688—मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात इस के द्वारा सूचना और प्रसारण मत्त्वालय में सहायक संपादक, श्री एस० श्रीवास्तव को संयुक्त मुख्य नियन्त्रक आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में 6 अगस्त 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक नियन्त्रक आयात-निर्यात श्रेणी-2 के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. नियन्त्रक, आयात-निर्यात के रूप में श्री एस० श्रीवास्तव नियमों के अनुसार 650-30-740-35-810-दक्षता रोध-35-880-40-1000-दक्षता रोध-40-1200 के वेतनमान में वेतन प्राप्त होंगे।

ए० टी० मुख्य
उप-मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात
हृते मुख्य नियन्त्रक आयात-निर्यात

— — —

वस्त्र आयुक्त कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 26 अगस्त 1975

सं० ई० एस० टी०-1-2 (452)—वस्त्र आयुक्त कार्यालय, बम्बई के सलाहकार (कपास) श्री एम० मदुरे नायगम को, 1 अगस्त 1975 के पूर्वाह्न से अपने पदभार से मुक्त कर दिया गया जिससे कि वे प्रतिनियुक्त होकर, हस्तकरण निर्यात संबंधित परिषद, मद्रास में सचिव के रूप में हुई उनकी नियुक्ति को ग्रहण कर सकें।

राजेन्द्र पाल कपूर
वस्त्र आयुक्त

पूति विभाग

पूति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 22 अगस्त 1975

सं० प्र०-1/1 (1014)—महानिदेशक, पूति तथा निपटान एवं व्यापारा पूति निदेशक (वस्त्र) के कार्यालय में अधीक्षक श्री के० एस० मेनन को दिनांक 1 अगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेश जारी होने तक उसी कार्यालय में सहायक निदेशक (येड-II) के पद पर तदर्थ प्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री के० एस० मेनन की सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी तथा श्री एम० कुप्पुस्वामी द्वारा उच्च न्यायालय, दिल्ली में दायर दीवानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के अधीन होगा ।

सं० प्र०-1/1 (1027) —महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में अवार अधीकारी श्री जगदीश सिंह को दिनांक 7 अगस्त 1975 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्थ रूप से तदर्थं आधार पर नियुक्त करते हैं ।

2. श्री जगदीश सिंह की सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के रूप में नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी तथा श्री एम० कुप्पुस्वामी द्वारा उच्च न्यायालय दिल्ली में दायर दीवानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के अधीन होगी ।

सं० प्र०-1/1 (1028) —महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा निदेशक, पूर्ति तथा निपटान कलकत्ता के कार्यालय में अधीक्षक श्री ए० एन० मिद्दा को 12 अगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर तदर्थं आधार पर स्थानापन्थ रूप से नियुक्त करते हैं ।

2. श्री मिद्दा की सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी तथा श्री एम० कुप्पुस्वामी द्वारा उच्च न्यायालय, दिल्ली में दायर दीवानी याचिका संख्या 739/71 के निर्णय के अधीन होगी ।

दिनांक 27 अगस्त 1975

सं० प्र०-1/1 (949) —श्री एच० एस० भसीन ने पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय से स्थानान्तरण होने पर दिनांक 25 जुलाई, 1975 के अपराह्न से कलकत्ता में सहायक निदेशक (सूचना सुधार) (ग्रेड-I) का पदभार छोड़ दिया और 26 जुलाई, 1975 (पूर्वाह्न) से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (सांचियकी) (ग्रेड-I) का पदभार सम्भाल लिया ।

के० एस० कोहसी
उप निदेशक (प्रशासन)
नई महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली-110001, दिनांक 28 अगस्त 1975

सं० प्र०-1/1 (386) —राष्ट्रपति, स्थायी उप निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा, श्रेणी-I के ग्रेड-II) और पूर्ति स्थायी निपटान महानिदेशालय में स्थानापन्थ निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा, श्रेणी-I के ग्रेड-I) श्री एम० एस० कुण्डामूर्ति को उनके द्वारा दिए गए नोटिस की तीन मास की अवधि समाप्त होने पर एफ० आर० 56 (के) के अधीन दिनांक 21 अगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से सेवा से निवृत्त होने की अनुमति प्रदान करते हैं ।

के० एस० कोहली
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात प्रौर खान मन्त्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700013, दिनांक 22 अगस्त 1975

सं० 40/51/सी०/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री एस० पी० मलिक को सहायक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/-रुपए के वेतनमान में तदर्थं आधार पर आगे आवेदा होने तक, 14 जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है ।

सं० 40/59/सी०/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री जे० जे० अश्वर्गी को सहायक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में तदर्थं आधार पर आगे आवेदा होने तक, 30 जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है ।

दिनांक 23 अगस्त 1975

सं० 2222(एच० जी०)/19ए०—श्री हर्ष गुप्ता को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थायी क्षमता में, आगे आवेदा होने तक, 17 मई, 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है ।

सं० 2222 (के० एस०)/19ए०—श्री कार्णी शिवाजी को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थायी क्षमता में, आगे आवेदा होने तक, 21 मई, 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है ।

सं० 2222(एम० आई०)/19ए०—नागार्जुण रसरकार के भूविज्ञान एवं खनन विभाग से परावर्तन पर श्री मुहम्मद इकबाल ने सहायक भूवैज्ञानिक के पद का कार्यभार भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में उसी क्षमता में 23 अक्टूबर 1974 के पूर्वाह्न से ग्रहण किया है ।

सं० 2222 (य० पी० जी०)/19ए०—श्री उदय प्रकाश गुप्ता को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमास के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थायी क्षमता में, आगे आवेदा होने तक, 26 मई, 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है ।

सं० 2222 (वी० एस० एम०)/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक श्री वी० श्रीनिवास मूर्धी को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में उसी विभाग में

बेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के बेतनमान में अस्थायी क्षमता में, आगे आदेश होने तक, 16 मई, 1975 के अपराह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

श्री० के० एस० वरदन
महानिदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 अगस्त 1975

सं० 4 (50)/75-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एस० रविदास को 15 जुलाई, 1975 से अप्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, खरसाड़ में अस्थायी आधार पर कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5 (102)/70-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री बालाराम राय को 15 जुलाई, 1975 से अप्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, खरसाड़ में अस्थायी आधार पर कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4 (105)/75-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एच० टी० कारदे को 11 अगस्त, 1975 से अप्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, बम्बई में अस्थायी आधार पर कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 अगस्त 1975

सं० 5/31/67-एस०-एक—श्री एस० के० मित्र, तदर्थ कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, खरसाड़ ने उसी केन्द्र पर प्रसारण निष्पादक के अराजपत्रित पद पर अपना परावर्तन होने के फलस्वरूप 30 जून, 1975 के अपराह्न में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० 5 (35)/67-एस०-एक—श्री ए० एन० चट्टोपाध्याय तदर्थ कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, खरसाड़ ने उसी केन्द्र पर प्रसारण निष्पादक के अराजपत्रित पद पर अपना परावर्तन होने के फलस्वरूप 30 जून, 1975 के पूर्वाह्न में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० 5 (67)/67-एस०-एक—श्री ए० सी० महाजन, तदर्थ कार्यक्रम निष्पादक, रेडियो कश्मीर, श्रीनगर, की उसी केन्द्र पर प्रसारण निष्पादक के अराजपत्रित पद पर पदावनति होने पर उन्होंने 1 जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न को अपने पद का कार्यभार छोड़ा।

सं० 5 (92)/67-एस०-एक—श्री मोतिया श्रहमद तदर्थ कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, पटना ने विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, पटना में प्रसारण निष्पादक के अराजपत्रित पद पर अपना परावर्तन होने के फलस्वरूप पहली जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० 6 (8)/62-एस०-एक—श्री सी० पांचोली, तदर्थ कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, अहमदाबाद ने उसी केन्द्र पर प्रसारण निष्पादक के अराजपत्रित पद पर अपना परावर्तन होने के फलस्वरूप 30 जून 1975 के अपराह्न में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० 6/64/63-एस०-एक—श्री पी० एल० सरीन, तदर्थ कार्यक्रम निष्पादक, रेडियो कश्मीर, जम्मू ने उसी केन्द्र पर प्रसारण निष्पादक के अराजपत्रित पद पर अपना परावर्तन होने के फलस्वरूप 30 जून, 1975 के अपराह्न में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० 6 (80)/63-एस०-एक—श्री डी० गुहस्वामी तदर्थ कार्यक्रम निष्पादक, दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, नई दिल्ली ने उसी केन्द्र पर प्रसारण निष्पादक के अराजपत्रित पद पर अपना परावर्तन होने के फलस्वरूप 29 जूलाई, 1975 के पूर्वाह्न में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० 6/83/63-एस०-एक—श्री एम० वी० शेषाचल, तदर्थ कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, बंगलौर ने उसी केन्द्र पर प्रसारण निष्पादक के अराजपत्रित पद पर अपना परावर्तन होने के फलस्वरूप पहली जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० 6 (85)/63-एस०-एक—श्री आर० एस० अव्यर तदर्थ कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, निचुर ने प्रसारण निष्पादक के अराजपत्रित पद पर अपना परावर्तन होने के फलस्वरूप पहली जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया और वह आकाशवाणी, कालीकट में स्थानान्तरित किए गए।

सं० 4/101/75-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री मानबीर सिंह को 23 जुलाई, 1975 से अप्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, गोहाटी में, अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 6/108/63-एस०-एक—श्री के० आर० डाल्वी तदर्थ कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, अहमदाबाद ने उसी केन्द्र पर प्रसारण निष्पादक के अराजपत्रित पद पर अपना परावर्तन होने के फलस्वरूप पहली जुलाई, 1975 से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० 6 (111)/63-एस०-एक—श्री एस० वी० अव्यर, तदर्थ कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, पांडिचेरी ने आकाशवाणी कोइम्बातूर में प्रसारण निष्पादक के अराजपत्रित पद पर अपना परावर्तन होने के फलस्वरूप 30 जून, 1975 के अपराह्न में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० 6/112/63-एस०-एक—श्री वी० आर० म्हासके, तदर्थ कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, बम्बई ने उसी केन्द्र पर प्रसारण निष्पादक के अराजपत्रित पद पर अपना परावर्तन होने के फलस्वरूप पहली जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० 6 (120)/63-एस०-एक—श्री एस० बी० कार तदर्थ कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, गोहाटी ने उसी केन्द्र पर प्रसारण निष्पादक के अराजपत्रित पद पर अपना परावर्तन होने के फलस्वरूप पहली जुलाई, 1975 के पूर्वाह्नि में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 1 सितम्बर 1975

सं० 5 (65)/67-एस०-एक—श्री जे० के० जोशी तदर्थ कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, नई दिल्ली ने उसी केन्द्र पर प्रसारण निष्पादक के अराजपत्रित पद पर अपना परावर्तन होने के फलस्वरूप पहली जुलाई, 1975 के पूर्वाह्नि में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० 6 (61)/63-एस० एक—श्री आर० डी० भाटिया, तदर्थ कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, उदयपुर की उसी केन्द्र पर प्रसारण निष्पादक के अराजपत्रित पद पर पदावनति होने पर उन्होंने 30 जून, 1975 के अपराह्न से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

शान्ति लाल
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 29 अगस्त 1975

सं० 2/71/60—एस०-दो—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री जी० रामसिंग्ह, लेखापाल, विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, भद्रास को दिनांक 18 अगस्त, 1975 (पूर्वाह्नि) से अप्रेतर आदेशों तक, दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, भद्रास में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से पूर्णतः तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

आर० के० खट्टर
उप निदेशक
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 अगस्त 1975

सं० 36-3/75-सी० एच० एस० 1—अपने तबादले के फलस्वरूप केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० ओ० ग्रेड-1 के अधिकारी डा० एस० पी० अग्रवाल ने 28 फरवरी 1975 के अपराह्न से विलिंगडन प्रस्ताल, नई दिल्ली में उप चिकित्सा अधीक्षक के पद का कार्यभार संभाल लिया और 27 जून, 1975 के अपराह्न से उसी पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 18/29 अगस्त 1975

सं० 36-3/75-सी० एच० एस० 1—केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० ओ० ग्रेड-1 के अधिकारी डा० आर० एस० नैयर के सेवा निवृत्त हो जाने के फलस्वरूप केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० ओ० ग्रेड-1 के अधिकारी डा० एस० पी० अग्रवाल, जो विलिंगडन प्रस्ताल नई दिल्ली में चिकित्सा अधीक्षक के पद पर

कार्य कर रहे थे, ने 1 जुलाई, 1975 (पूर्वाह्नि) से विलिंगडन प्रस्ताल नई दिल्ली में उप चिकित्सा अधीक्षक के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 28 अगस्त 1975

सं० 48-13/75-सी० एच० एस० 1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने एतद्वारा डा० एम० नरसिंहा मूर्ति को 18 जुलाई, 1975 के पूर्वाह्नि से जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसन्धान संस्थान, पांडिचेरी में तदर्थ आधार पर कनिष्ठ चिकित्सा अभिकारी (नगर स्वास्थ्य केन्द्र) के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 3 सितम्बर 1975

सं० 34-18/75-सी० एच० एस० 1—अपने तबादले के फलस्वरूप डा० अमृतलाल गोयल ने 10 जुलाई 1975 के पूर्वाह्नि को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली, के अन्तर्गत कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा 11 जुलाई 1975 के पूर्वाह्नि से आगामी आदेशों तक उसी पद पर और उन्हीं शर्तों पर विलिंगडन प्रस्ताल, नई दिल्ली, में कार्यभार संभाल लिया।

रवीन्द्रनाथ तिवारी
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 29 अगस्त 1975

सं० 26-18/74-एडमिन 1—राष्ट्रपति ने श्री एन० एल० कालरा को 21 फरवरी, 1972 से राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान नई दिल्ली में कीट विज्ञानी के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

सं० 15-5/74-एडमिन-1—राष्ट्रपति ने डा० डी० पी० सेन मजूमदार को 23 जून, 1973 से मानसिक रोग प्रस्ताल, रांची, में मनोविज्ञान के एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

सं० 15-7/73-एडमिन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री पी० के० चक्रवर्ती को 1 जनवरी, 1975 के पूर्वाह्नि से तदर्थ आधार पर तथा आगामी आदेशों तक मानसिक रोग चिकित्सालय, रांची में विलिंगडन मनोवैज्ञानिक के पद पर नियुक्त किया है।

सं० 13-1/75-एडमिन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (कुमारी) उमिल कपूर को 16 अगस्त, 1975 के पूर्वाह्नि से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के अन्तर्गत दन्त चिकित्सक के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० 16-13/75-एडमिन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री के० मिश्र को 22 अगस्त, 1972 से केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा व्यूरो, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी (सफाई) के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

सं० 19-4/75- एडमिन०-I—राष्ट्रपति ने डा० (कु०) विमला सूष्ठ को 14 सितम्बर, 1973 से जवाहरलाल स्नातकीतर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में दन्त चिकित्सक के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल
उप निदेशक प्रशासन

कृषि और सिंचाई मंत्रालय
(ग्रामीण विकास विभाग)
विषयन और निरीक्षण निदेशालय
(प्रधान शास्त्र कार्यालय)
नागपुर, दिनांक 11 अगस्त 1975

सं० का० 2/8/75- वि० II—भारत के राजपत्र में प्रकाशित भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग), विदेश व्यापार मंत्रालय, वित्त मंत्रालय (केन्द्रीय राजस्व), बाणिज्य मंत्रालय की अधिकृतानामों सं० 125-126-127 वि० 15-9-62, सं० 1131, 1132 दि० 7-8-65, सं० 2907 दि० 5-3-71, सं० 3601-क, 3601-ख, 3601-ग, दि० 1-10-71, सं० 12 दि० 9-6-45, सं० 1 कैम्प दि० 5-1-48, सं० 6 दि० 5-2-49, सं० 64 दि० 17-6-61, सं० 1133, 1134, 1135 दि० 7-8-65, सं० 3099 दि० 3-11-73, सं० 1127, दि० 21-4-73, सं० 1130, दि० 7-8-65, सं० 448 दि० 14-3-64 के लिए मैं एतद् बारादृशी ए० जी० देशपांडे, सहायक विषयन अधिकारी को इस अधिकृतान के प्रकाशन की तारीख से काली मिर्च, मिर्च, इलायची, सौंठ, हल्दी, धनिया, सौंफ मेथी, करी पाउडर, तेन्तु के पत्ते और आलू (खाने का) जिनका श्रेणी-करण कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिक्कन) अधिनियम 1937 (1937 का 1) के खण्ड 3 के अधीन सूतीकृत संबंध पद्धों के श्रेणीकरण और चिक्कन नियमों के उपबंधों के अनुसार किया जा चुका है, के सम्बन्ध में श्रेणीकरण प्रमाण पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करता है।

ए० के० मुख्यमन्त्री
कृषि विषयन सलाहकार, भारत सरकार

भाषा परमाणु अनुसंधान केन्द्र
(कार्यालय प्रभाग)

बम्बई- 400085, दिनांक 24 जुलाई 1975

सं० पी० ए० 79(9)/75-आर-4—भाषा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक यहां के एक स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक और अस्थाई सहायक श्री बामन गंगाधर तिलक को 7 जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिये इसी अनुसंधान केन्द्र में तदर्थे रूप में सहायक कार्यालय अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पी० उच्चीकृष्णन
उप स्थापना अधिकारी (भ)

परमाणु ऊर्जा विभाग

नाभिकीय इंधन समिक्षा

हैदराबाद-500040, दिनांक 7 अगस्त 1975

सं० ना०ई०स०/प्रशा०/ 22/13 (1)/1052—विशेष कार्य-अधिकारी, नाभिकीय इंधन समिक्षा, वरिष्ठ आगुलिपिक श्री सी० एच० वी० एस० एन०शर्मा को 29 जुलाई, 1975 से 31 अक्टूबर 1975 की अविधि अथवा आगामी आदेशों तक के लिए, जो भी पहले घटित हो, नाभिकीय इंधन समिक्षा, हैदराबाद, में स्थानापन्न रूप से सहायक कार्यालय अधिकारी नियुक्त करते हैं।

ए० पी० महामौर्ति,
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भातर मौसम विज्ञान विभाग

नई विल्सी-3, दिनांक 1 सितम्बर 1975

सं० ई० (1) 06949—वेधशालाओं के महानिदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के निदेशक के अधीन मौसम कार्यालय, विशाखापटनम के व्यवसायिक सहायक श्री ए० कृष्णामूर्ती को 1 अगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से 4 अक्टूबर, 1975 तक पैसंठ दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री ए० कृष्णामूर्ति, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के निदेशक के अधीन, मौसम कार्यालय, विशाखापटनम में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 06950—वेधशालाओं के महानिदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के निदेशक के अधीन बन्दरगाह मौसम कार्यालय, के विशाखापटनम, व्यवसायिक सहायक श्री ए० सवानु सुभामनिया प्रथयर की 1 अगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से 30 सितम्बर, 1975 तक पैसंठ दिन की अवधि के लिये स्थानापन्न रूप से सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री ए० ए० ए० अभ्यर प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के निदेशक के अधीन बन्दरगाह मौसम कार्यालय, विशाखापटनम में ही तैनात रहेंगे।

ए० प्रा० आर० ए० मनियम
मौसम विशेषज्ञ
हाते केशशास्त्राओं के महानिदेशक

कार्यालय, महानिदेशक नागर विमानन

नई विल्सी, दिनांक 29 अगस्त 1975

सं० ए० 32013/8/74-ई०ए०—राष्ट्रपति ने श्री ए० के० कपूर, सहायक निदेशक विमान सुरक्षा को 28 जुलाई, 1975 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक महानिदेशक नागर विमानन के कार्यालय में नियमित आधार पर उपनिवेशक वैभानिक निरीक्षण के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 32013/8/74- ई० एस०—राष्ट्रपति ने श्री एस० पी० मार्य बरिल विमान निरीक्षक को 28 जुलाई, 1975 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक नियमित आधार पर नियंत्रक वैमानिक निरीक्षण, नई दिल्ली के पद पर नियुक्त किया है।

ह० ल० कौहली
उप निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा
बम्बई, दिनांक 27 अगस्त 1975

सं० 1/370/75-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा नई दिल्ली शाखा के स्थायी पर्यवेक्षक, श्री बी० के० सूरी को एक अल्पकालीन रिक्त स्थान पर 10-6-75 से लेकर 23-6-75 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

एम० एस० कृष्णस्वामी
प्रशासन अधिकारी
कृते महानिदेशक

केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला
नई दिल्ली-12, दिनांक 25 अगस्त 1975
रसायन सिव्वन्दी

सं० 9/1975—स्थानान्तर होने पर श्री एन० कमालउद्दीन, सहायक रसायन परीक्षक, सीमाशुल्क गृह प्रयोगशाला, कलकत्ता ने दिनांक 11 अगस्त, 1975 (पू०) से सीमाशुल्क गृह प्रयोगशाला, कोकीन में उसी क्षमता से कार्यभार संभाल लिया है।

ब० सा० रामनाथन
मुख्य रसायनक, केन्द्रीय राजस्व

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 26 अगस्त 1975

सं० क-19012/471/74-प्रशा० 5—इस आयोग की अधिकृत सूचना सं० क-19012/471/74-प्रशा० 5, दिनांक 12 जून, 1975 के क्रम में ध्येयक, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा श्री एस० एल० आहलुवालिया को विशेष अधिकारी (प्रलेखन) के पद पर स्थानापन होने के लिए केन्द्रीय जल तथा विद्युत अनुसंधान केन्द्र, पूना में ८०-८५०-३०-७४०-३५-८१०८० रो०-३५-८८०-४०-१०००-८० रो०-४०-१२०० के वेतनमान में पुनः ३०-११-१९७५ तक की अवधि के लिए अधिकारी जब तक पद नियमित रूप से भरे जाएं जो भी पहले हो, पूर्णतः अस्थाई एवं तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

के० पी० बी० मेनम

अवर सचिव
कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

2-256GI/75

मध्य रेलवे
(कार्मिक शाखा)
प्रधान कार्यालय बम्बई, वी०टी०, दिनांक 28 अगस्त 1975

सं० एच० पी० बी०/220/ जी०/II/ एल०—निस्तंत्रित स्थानापन्न सहायक विद्युत इंजीनियरों (श्रेणी-II) को उनके सामने दिखाई गई तारीख से उसी पद पर स्थायी किया गया है:—

क्रम सं०	नाम	श्रेणी II में स्थायीकरण की तिथि
1.	श्री पी० ई० फेराओ	7 नवम्बर, 1972
2.	श्री एस० एन० कसरेकर	28 मार्च, 1974
3.	श्री आर० बी० टिपणीस	28 मार्च, 1974
4.	श्री आर० एन० जोशी	1 जनवरी, 1975

ब० डी० मेहरा
महाप्रबन्धक

कम्पनी कार्य विभाग

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और जहागिरदार एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 30 अगस्त 1975

सं० 2128/560/75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर जहागिरदार एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कन्ज अल्लाह एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 30 अगस्त 1975

सं० 2146/560/75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कन्ज अल्लाह एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

प्रबोध
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
कर्नाटक

कम्पनी अधिनियम 1956 और त्रिपुरा स्टील री-रोलिंग मिल एवं फाउंड्री प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

शिलांग, दिनांक 11 अगस्त 1975

सं० 1284/560/1936—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि त्रिपुरा स्टील री-रोलिंग मिल एवं फाउंड्री प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और एमलगेमेटेड ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

शिलांग, दिनांक 27 अगस्त 1975

सं० 919/560/2184—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि एमलगेमेटेड ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और निर्माला टी कम्पनी लिमिटेड के विषय में।

शिलांग, दिनांक 28 अगस्त 1975

सं० 293/560/2208—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि निर्माला टी कम्पनी लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और गोस्वामी नईनांग कोल एवं ट्रांसपोर्ट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

शिलांग, दिनांक 30 अगस्त 1975

सं० 1016/560/2254—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि गोस्वामी नईनांग कोल एवं ट्रांसपोर्ट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

एस० पी० वाणिष्ठ, रजिस्टर आफ कम्पनीज असम, मेघालय, मणीपुर, त्रिपुरा, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, शिलांग।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं बी० पी० हृंजीनियरिंग बर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 26 अगस्त 1975

सं० 15642/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी

जाती है कि बी० पी० हृंजीनियरिंग बर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं काम्प्युटर एड मिस्ट्रीम्स लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 26 अगस्त 1975

सं० 15780/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि काम्प्युटर एड मिस्ट्रीम्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

एस० नारायणन कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम, 1956 और काश्मीर फिल्मस लिमिटेड सूरज नगर, तालाब तिलो, जम्मू तथा (जे० और के०) के विषय में।

श्रीनगर, दिनांक 28 अगस्त 1975

सं० पी० सी०/255/1525—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर काश्मीर फिल्मस लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

जे० एन० कोल कम्पनियों का रजिस्ट्रार जम्मू और कश्मीर

कम्पनी अधिनियम, 1956 आफ मेसर्स अमृतसर राधास्वामी बैंक लिमिटेड (इन लिक्वीडेशन) के विषय में।

कानपुर, दिनांक 29 अगस्त 1975

सं० 8632/2017-एल० सी०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (4) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर मेसर्स अमृतसर राधास्वामी बैंक लिमिटेड (इन लिक्वीडेशन) का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 आफ मेसर्स दयालबाग होजियरी मिल्स लिमिटेड (इन लिक्वीडेशन) के विषय में।

कानपुर, दिनांक 29 अगस्त 1975

सं० 8635/1830-एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (4) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर

मेसर्सं दयालबाग होजयरी मिल्स लिमिटेड (इन लिक्वीडेशन) का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 आफ दयालबाग टैनेरीज प्राइवेट लिमिटेड (इन लिक्वीडेशन) के विषय में।

कानपुर, दिनांक 29 अगस्त 1975

सं० 8638/1953-एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (4) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर दयालबाग टैनेरीज प्राइवेट लिमिटेड (इन लिक्वीडेशन) का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 आफ बौदा इलेक्ट्रिक सप्लाई कम्पनी लिमिटेड (इन लिक्वीडेशन) के विषय में।

कानपुर, दिनांक 29 अगस्त 1975

सं० 8640/1456-एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप-धारा (4) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर बौदा इलेक्ट्रिक सप्लाई कम्पनी लिमिटेड (इन लिक्वीडेशन) का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० सी० बासु
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, उत्तर प्रदेश

कम्पनी अधिनियम 1956 और ताईजाक मेटल प्रेसिंग कं० लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 30 अगस्त 1975

सं० 28590/560/(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि ताईजाक मेटल प्रेसिंग कं० लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और भारत आयरन एण्ड स्टील कं० लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 30 अगस्त 1975

सं० 8869/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर भारत आयरन एण्ड स्टील कं० लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० सी० नाथ
कम्पनियों का रजिस्ट्रार सहायक
पश्चिम बंगाल

कटक, दिनांक 25 अगस्त 1975

सं० जे० आर० क्य० 11/75 — 1425—एतद्वारा सूचना दी जाती है कि निर्धारित दिनांक में कम्पनी आईन और व्यवस्था के अनुसार रजिस्टर से काट दी गयी और विघटित हो गई उद्योगित कम्पनियों का कागजात और पदालाप भारत के राजपत्र में प्रकाशन से तीन महीनों के बाद नष्ट कर दिया जाएगा।

क्रम सं० कम्पनियों का नाम

किस आईन में
रजिस्ट्रेशन हुई
किस तारीख में
रजिस्ट्रेशन हुई
किस तारीख में
काट दी गयी थी
विघटित हो
गई।

1	2	3	4	5	6
1.	उड़ीसा इन्डस्ट्रीयल डेवेलपमेंट कम्पनी लिमिटेड	19/3	10-1-47	3-4-54	90
2.	उड़ीसा ट्रेडर्स सिप्पिकेट लिमिटेड	19/3	26-4-47	3-4-54	98
3.	चिलका स्टीम एण्ड नैवीगेशन कम्पनी लिमिटेड	19/3	14-11-47	18-5-54	114
4.	सी मैन कम्पनी लिमिटेड	19/3	14-11-47	17-2-54	115
5.	इन्डियन लीक टोबैको डेवेलपमेंट कम्पनी लिमिटेड	19/3	1-5-49	13-7-54	178
6.	किशोर ट्रांसपोर्ट एण्ड इलेक्ट्रीकल लिमिटेड	19/3	3-2-49	30-4-54	128
7.	इण्डियन फूड एण्ड फॉटोलाईजर्स लिमिटेड	19/3	25-8-49	22-1-54	182
8.	रुसेलकिंडा इलेक्ट्रिक सप्लाई कम्पनी लिमिटेड	19/3	11-10-49	7-9-54	184

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
9.	पुरी ट्रेडिंग कम्पनी लिमिटेड	19/3	13-10-50	25-6-54	212
10.	कौशल जेन बीविंग फैक्ट्री लिमिटेड	19/3	19-12-44	5-7-54	251
			30-10-51		
11.	उत्कल ट्रेडिंग लिमिटेड	19/3	24-4-51	30-4-54	252
12.	गुह निर्माण कम्पनी लिमिटेड	19/3	10-6-51	18-1-54	253
13.	ईस्ट इण्डिया मैच कम्पनी लिमिटेड	19/3	1-4-41	3-4-54	277
			4-5-53		
14.	मायुर गंज बस सर्विस लिमिटेड	19/3	18-1-47	10-6-54	278
			5-5-53		

एस० एन० गहा
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
उड़ीसा

संगठन एवं प्रबंधक सेवा निदेशालय (आयकर)

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त 1975

सं० 9/7/74- सं० एवं प्र० सेवा निदेशालय/2494—श्री
के० एन० धर आयकर अधिकारी (श्रेणी-II) ने आयकर आयुक्त
कार्यालय दिल्ली-1 से अपना स्थानान्तरण होने पर संगठन एवं प्रबंधक
सेवा निदेशालय (आयकर) नई दिल्ली में दिनांक 1 अगस्त, 1975 के
पूर्वाह्न से अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद का कार्यभार संभाला।

एच० डी० बहल
निदेशक

खण्ड-I में सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान की विज्ञप्ति
सं० 13-11-74-प्रबंध, दिनांक 29 मार्च, 1975 में प्रकाशित
श्रेणी-II आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा
1975, की विज्ञप्ति के पैरा 2 के साथ निम्नलिखित शब्द जोड़े
जाएंगे :—

“अनुसूचित जाती और अनुसूचित आदिन जाती के
उम्मीदवारों के लिए रिक्तियों का आरक्षण उस रीति से किया
जाएगा जो कि भारत सरकार द्वारा निश्चित की जाएगी।”

सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान

(परीक्षा स्कंध)

नई दिल्ली-110022, दिनांक 4 अक्टूबर 1975
सं० 13-11-74-प्रबंध—भारत के राजपक्ष, भाग-III,

मदन लाल
निदेशक (परीक्षा)

प्रस्तुप आई० टी० ०८०००८०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 सितम्बर 1975

निर्देश सं० ए० पी०/1190—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3761 दिसम्बर
1974 में लिखा है तथा जो राहों में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नवांशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री ज्ञान मित्र, सुपुत्र श्री हर प्रकाश एजेन्ट श्री हर प्रकाश,
उर्मल कुमारी, बीना कुमारी, निवासी रहों। (अन्तरक)

2. श्री इकबाल सिंह, सुपुत्र नरंजन सिंह, गांव बोलीना,
माफेत हरचरण सिंह, माफेत स्काई लार्क होटल, जालन्धर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3761 दिसम्बर,
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 5 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्रेरूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 सितम्बर 1975

निर्दश सं० 1191—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1487 दिसम्बर 1974 में तथा जो खानपुर, राजपूतान में लिखा है स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शाहकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, इपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः:—

1. श्री जसविन्द्र सिंह सुपुत्र दुकुम सिंह, गांव मयावाल, तहसील नकोदर। (अन्तरक)

2. श्री सवर्ण सिंह सुपुत्र इन्दर सिंह गांव मयावाल तहसील नकोदर। (अन्तरिती)

4. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रायित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमूसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1487, दिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शाहकोट में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 5 सितम्बर, 1975

मोहर:

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 1192—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' वहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विष्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 1504 दिसम्बर
1974 में लिखा है तथा जो खानपुर राजपूतान में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय शाहकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1974 में
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गुरचरण सिंह सुपुत्र हुक्म सिंह, गंव डल्लोबाल,
तहसील नकोदर। (अन्तरक)

2. श्री अर्जीत सिंह सुपुत्र इन्दर सिंह, सुपुत्र टैहला सिंह गंव
मयाबाल तहसील नकोदर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुपि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्यक्ति नहीं

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 1504 दिसम्बर,
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी शाहकोट में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 5 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्र० र० आ० ई० टी० ए० ए० स०

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

शायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 1193—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० १६०१ कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० १६०१, दिसम्बर 1974 में है तथा जो मलसियां में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शाहकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख दिसम्बर, 1974 को बूर्बोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(घ) ऐसी किसी आय या किसी ज्ञन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम, को धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अचार्तः:—

1. श्री राम सिंह सपुत्र इशर सिंह गांव मलसिया तहसील
नकोदर। (अन्तरक)

2. श्री विलबाग सिंह, सपुत्र बुलकार सिंह, बकशीश सिंह
सपुत्र दसोंदा सिंह, गांव मलसिया, तहसील शाहकोट।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० २ में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति, जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ज्ञानेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किमे जा सकेंगे।

उल्लेखन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० १६०१ दिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शाहकोट में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : ५ सितम्बर, 1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 5 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 1194—यह: मुझे रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उन्नित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1555 दिसम्बर
1974 में है तथा जो खानपुर राजपूतान में स्थित है (और इसमें
उपावन्ध अनुसूची में शीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, शाहकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या 'उक्त
अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
नाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग की
उपावन्ध (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
3-256GI/75

1. श्री हरभजन सिंह, सुपुत्र हकम सिंह, सुपुत्र के सर सिंह,
गांव गयोवाल, तहसील, नकोदर। (अन्तरक)

2. श्री साधु सिंह सुपुत्र इन्द्र सिंह, सुपुत्र टहल सिंह, गयोवाल
रखान, तहसील नकोदर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानला है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति हारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाय लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में प्रयोगरि-
भावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1555 दिसम्बर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शाहकोट में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 5 सितम्बर 1975
मोहर :

प्रॅलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 मित्स्वर 1975

निर्देश सं० ए० पी० 1196—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8279 दिसम्बर, 1974 में है तथा जो बोलीना जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1974 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जनन सिंह सपुत्र दलीप सिंह, गांधी बोलीना, तहसील जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री करनेन्द्र सिंह सपुत्र भरन्जन सिंह मांव बोलीना द्वारा हरचरण सिंह, सकाईलारक होटल, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे से अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पयोक्ताः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8279 दिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 5 सितम्बर 1975

मोहर :

प्रृष्ठप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 सितम्बर 1975

निर्देश सं० ए० पी० 1197—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 खे
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8096 दिसम्बर
1974 में है तथा जो मोहल्ला कृष्णपुरा जालन्धर में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरेक
(अन्तरेकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

प्रतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मोहिन्द्र सिंह सपुत्र प्रभु द्याल, कृष्ण नगर दिल्ली
जी० एफ० ट्र० केवल सिंह, हीरा सिंह 18 अकबर रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सतीश कुमार, मानक चंद, किशन गोपाल सुपुत्र
बद्रीनाथ मोहल्ला कृष्ण पुर, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, अद्वी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8096 दिसम्बर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्रम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
भर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 5 सितम्बर 1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रज्ञन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 सितम्बर 1975

निदेश सं० 1198—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8146 दिसम्बर, 1974 में है तथा जो बोलीना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

ग्रन्तः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्यातः:—

1. श्री चनन सिंह सुपुत्र दलीप सिंह, गांव बोलीना।
(अन्तरक)

2. श्री इकवाल सिंह सुपुत्र जरन्जन मिह गांव बोलीना द्वारा हरचरण सिंह, सकाईलार्क होटल, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रज्ञन के लिए एतत्कारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के श्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्य होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8146 दिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सकाम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रज्ञन रेज, जालन्धर।

तारीख : 5 सितम्बर 1975

मोहर :

प्रलूप श्राई० श्री० एन० एस०—
प्रायकर श्राधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 5 सितम्बर 1975

निदेश सं० ए० पी०-1199—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार,
प्रायकर श्राधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त श्राधनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8210 दिसम्बर
1974 में है तथा जो बोलीना में स्थित है (और इसमें उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी
के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्राधनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
श्राधनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर श्राधनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त श्राधनियम
या धनकर श्राधनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त श्राधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त श्राधनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चानन सिंह सुपुत्र श्री दलीप सिंह, गांव बोलीना,
तहसील जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री इकबाल सिंह सुपुत्र श्री निरन्जन सिंह गांव बोलीना
मार्फत हरचरण सिंह, स्काईलार्क होटल, जालन्धर।
(अन्तरिती)

2. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-
बद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
श्राधनियम के अध्याय 20-क में परि-
भासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8210 दिसम्बर 1974
को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 5 सितम्बर 1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 5 सितम्बर 1975

निर्देश सं० ए० पी०-1200—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार, आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8399 दिसम्बर 1974 में है तथा जो बाजार शेखा, जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भी पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

और/वा

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या ग्रन्तकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती निर्मला रानी पत्नी रोमेश चन्द्र, पुष्पा रानी पत्नी कुलभूषण राय सुपुत्र श्री केश राम। बाजार चठत, जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री किशन चन्द्र सुपुत्र श्री राम दिसामन आफ जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8399 दिसम्बर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्रम अधिकारी,
सहायक आपकर ग्राम्यकर (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 5 सितम्बर 1975

मोहर :

प्रश्नप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आधा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 सितम्बर 1975

निर्देश सं० ए० पी० 1201—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 7969 दिसम्बर 1974 में है तथा जो पत्तर कलां में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखि उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत 'उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन पा अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षितयों, अर्थात् :—

1. श्री बत्ता सिंह सुपुत्र श्री कर्म सिंह, मांब पत्तर कलां तहसील जालन्धर। (ग्रन्तरक)

2. श्री हरजीत सिंह सुपुत्र आनन सिंह, मांब पत्तर कलां, तहसील जालन्धर। (ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अक्षितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त अक्षितयों में से किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपचारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के यथा परिभाषित है, वही भर्च होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 7969 दिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 5 सितम्बर, 1975
मोहर :

प्रकृत आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 सितम्बर 1975

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1202—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
'और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8013 दिसम्बर
1974 में है तथा जो बोलीना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से त्रुटि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
प्रशील निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चानन सिंह सुपुत्र श्री दलीप सिंह बोलीना, जिला
जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री इकबाल सिंह सुपुत्र श्री नरन्जन सिंह मार्फत श्री
हरचरण सिंह मार्फत स्काईलार्क होटल, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए
कार्यालयीय शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8013 दिसम्बर,
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 5 सितम्बर 1975।

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 सितम्बर 1975

निर्देश सं० ए० पी० 1203—यतः सुने रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 8319 दिसम्बर
1974 है तथा जो बस्ती बाबा खेल जालन्धर में स्थित है (और
इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
सुने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

4—256GI/75

1. श्री हरविन्द्र सिंह लायलपुरी सुपुत्र हरविन्द्र सिंह लायल-
पुरी गजिन्द्रपाल सिंह अलाईस गजिन्द्र सिंह सुपुत्र करम सिंह
307/329 सेन्ट्रल टाउन जालन्धर, । (अन्तरक)

2. श्री जोगिन्द्र पाल जैन सुपुत्र देमराज जैन, 387 आदर्श
नगर, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिचालित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 8319 दिसम्बर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 6 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 सितम्बर 1975

निर्देश सं० ए० पी० 1204—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 940 अप्रैल 1975 में है तथा जो बस्ती बाबा खेल जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचते में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हरविन्द्र सिंह लायलपुरी, सुपुत्र श्री हरविन्द्र सिंह लायलपुरी, गजिन्दपाल सिंह अलाईस गजिन्द्र सिंह सुपुत्र कर्म सिंह 307/329 सेन्ट्रल टाउन, जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री जोगिन्द्र पाल जैन सुपुत्र श्री देस राज जैन, 387 आदर्श नगर, जालन्धर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में श्चि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 940 अप्रैल, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 5 सितम्बर, 1975

मोदूरः

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 सितम्बर 1975

निर्देश नं० ए० पी० 1205—यतः मृमे रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8608 जनवरी, 1975 में है तथा जो गांव मकासूदपुर में स्थित है (और इसके उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती जगीर कौर पत्नी सोहन सिंह गांव चकलिन्दा, तहसील जालन्धर। (अन्तरक)

2. मैसर्स अगरवाल ककर प्राइवेट लिमिटेड, एस-147 इन्डस्ट्रियल एरिया, जालन्धर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति, जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8608 जनवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख: 5 सितम्बर, 1975

मोहर:

प्र० रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 सितम्बर 1975

निर्देश नं० 1206—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार;
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 8555 जनवरी
1975 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन जनवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्त-
रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'आयकर अधिनियम', 1961 (1961 का 43) के
अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य
आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री तेजा सिंह सुपुत्र राम सिंह, सुपुत्र मान सिंह 99 विजय
नगर। (अन्तरक)

2. श्रीमती सतविन्द्र कौर पत्नी ठाकर सिंह 145 डब्ल्यू०
वी०, जालन्धर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्वों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 8555 जनवरी
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 5 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 सितम्बर 1975

निर्देश नं० ए० पी० 1166—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें डसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेखनं० 3458 दिसम्बर 1974 में है तथा जो तलबन में स्थित है (और इसमें उपायद्रु अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवित्यों, अर्थात्:—

1. श्री महंगा राम, दास राम सुपुत्र श्री रक्षा राम गांव तलबन तहसील फिल्लौर। (अन्तरक)

2. श्रीमती पच विधवा लक्ष्मण सिंह व श्रीमती ज्ञान कौर विधवा सुच्चा सिंह, निवासी गांव तलबन तहसील फिल्लौर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेखनं० 3458 दिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 5 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्रस्तु आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 सितम्बर 1975

निर्देश नं० ए० पी० 1167—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3428 दिसम्बर 1974 में है तथा जो उपल खालसा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/पा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपषागा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्ति:—

1. बतन सिंह सुपुत्र अतर सिंह, निवासी उपल खालसा तहसील फिल्लौर। (अन्तरक)

2. श्री हरजीत सिंह, हरबन्स सिंह सुपुत्र श्री किशन सिंह, सोडी सिंह सुपुत्र बक्शीश सिंह सुपुत्र किशन सिंह, निवासी उपल खालसा, तहसील फिल्लौर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वार्थीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3428 दिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर में लिखा है;

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 5 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 सितम्बर 1975

निर्देश नं० ए० पी० 1168—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 8167 दिसम्बर 1974 में है तथा जो सिध में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्र अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बचन सिंह, बलकार सिंह, दर्शन सिंह, सुपुत्र श्रीमती कपूर कौर, श्रीमती महिन्द्र कौर विधवा सरदार लाल सिंह गांव मिथ तहसील जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री चानन सिंह, सुपुत्र श्री दूरगाम मिह गांव मिथ, तहसील जालन्धर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में स्वच रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वींधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 8167 दिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्रम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 5 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 सितम्बर 1975

निर्देश सं० ए० पी० 1169—अतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8032 दिसम्बर 1974 में है तथा जो दादा कालोनी, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्म अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री धर्म पाल, सत पाल, प्यारा लाल सुपुत्र दीवान चन्द निवासी जालन्धर। (अन्तरक)

2. मैसर्ज वसन्त इन्डस्ट्रीज, इन्डस्ट्रियल एरिया, जालन्धर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8032 दिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 5 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 सितम्बर, 1975

निर्देश सं० ए० पी० 1139—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है उक्त सम्पत्ति में अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8136 से 40 दिसम्बर 1974 में है तथा जो जी० टी० रोड, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित महीने किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-प की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

5—256GI/75

1. श्रीमती ई० एल० सोन्धी विधवा जी० जी० सोन्धी, आफ जालन्धर 37 वजीर हसन रोड, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)। (अन्तरक)

2. श्री देस राज सुपुत्र श्री कृष्ण चन्द, भगत विलिंग जालन्धर, एन० के०-214, अजीत पुरा, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. (1) मैसर्स हरि सिंह एंड कम्पनी, ट्रैकल एजेंट, (2) मैसर्स जानकी सन्जटेलीवीजियन कम्पनी, (3) न्यू स्टार डीलर रेडी मेड, (4) श्री डा० शम्भू कम्पनी, जी० टी० रोड जालन्धर। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भवन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8136 से 8140 दिसम्बर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 3 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्रॅलप ग्राई० टी० एन० एस० —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ग (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर कार्यालय

जालन्धर, दिनांक 3 सितम्बर, 1975

निर्वेश सं० ए० पी० नं० 1140—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 8136 दिसम्बर 1974 में है तथा जो जी० टी० रोड, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1974 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आविष्यों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, लिपाते में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-वा की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्ति :—

1. श्री ई० एल० सोन्थी, विधवा श्री जी० डी० सोन्थी मार्फत प्यारा लाल सोन्थी सुपुत्र रायजादा भक्त राम सोन्थी 37 वजीर हुमैन रोड, लखनऊ (पू०पी०)। (अन्तरक)

2. श्री देस राज सुपुत्र श्री किशन चन्द, एन० के० 214 अर्जन चुरा, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. (1) मैसर्स हरी सिंह व कम्पनी, ट्रैवल एजेंट, जी० टी० रोड, जालन्धर, (2) मैसर्ज जानकी सन्ज टैलीविजन कम्पनी जी० टी० रोड, जालन्धर, (3) न्यू स्टार डीलर्स, जी० टी० रोड, जालन्धर, (4) डी० डी० शर्मा लार्टर्ड एकाउन्टेंट्स, जालन्धर। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

व्यक्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भवन जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 8136 दिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 3 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर कार्यालय

जालन्धर, दिनांक 3 सितम्बर, 1975

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1141—यत मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वा० यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायी सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- म० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8136 से 8140 दिसम्बर, 1974 है तथा जो जी० टी० रोड, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(घ) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री प्यारा लाल सोंधी सुपुत्र श्री रायजादा भगत राम सोंधी, 37 बजीर हसन सड़क, लखनऊ। (अन्तरक)

2. श्री देस राज सुपुत्र श्री किशन चन्द, एन० के० 214, अजीत पुरा, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. (1) मैसर्ज हरी सिंह और कम्पनी, ट्रैवल एजेंट, (2) मैसर्ज जानकी सन्ज टैलीविजन कम्पनी, (3) न्यू स्टार डीलर्ज इन रेडी बेड, (4) डी० शर्मा एण्ड कम्पनी, चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट्स जी० टी० रोड, जालन्धर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजीन के लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावजूद समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायी सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8136 से 8140 दिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 3 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर कार्यालय

जालन्धर, दिनांक 3 सितम्बर, 1975

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1142—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8138 है तथा जो जी० टी० रोड, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रथजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की आवत्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी धारा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

1. श्री रिहाल सोन्ही सुपुत्र श्री गौतम सोन्ही, निवासी मजाघर नगर, (उत्तर प्रदेश) मार्फत जी० ए० प्यारा लाल सोन्ही सुपुत्र श्री भगत राम सोन्ही 37 बजीर नगर, हसन रोड, लखनऊ। (अन्तरक)

2. श्री देस राज सुपुत्र श्री किशन चन्द, 214 अंजीत पुरा, जालन्धर। (अन्तरित)

3. (1) मैसर्स हरीकिशन व कम्पनी, ट्रैवल एजेंट, जी० टी० रोड, (2) जानकी सन्ज टैलीविजन कम्पनी, (3) न्यू स्टार डीलर्ज इन रेडी मेड, जालन्धर, (4) डी० डी० शर्मा, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स जी० टी० रोड, जालन्धर। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भवत जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8138 दिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 3 सितम्बर, 1975

मोहर:

प्रखण्ड आई० टी० एन० एस०—

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 सितम्बर, 1975

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1143—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8139 दिसम्बर 1974 है तथा जो जी० टी० रोड जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायितव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किसाने में सुविधा के लिए।

असः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्षतः:—

1. प्यारे लाल सोंधी सुपुत्र श्री रायजादा भगत राम सोंधी 37 वजीर हसन रोड, लखनऊ। खुद और जी० टी० टू लेफ्टीनेंट कर्नल प्रताप अन्व सोंधी (अन्तरक)

2. श्री बलराज सोंधी, बासी सपूत्र निर्मला कौर और श्रीमती अन्जाना सोंधी विधवा श्री रवी सोंधी वर्गी। श्री मोहन लाल सुपुत्र श्री देसराज बासी अजीतपुरा, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. (1) मैसर्जं हरी सिंह एन्ड कॉम्पनी, ट्रैवल एजेंट, (2) मैसर्स जानकी सन्ज टैलीविजन कॉम्पनी, (3) न्यू स्टार डीलर्ज इन रेडी मेज, (4) डी० डी० शर्मा, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स, जी० टी० टू रोड, जालन्धर। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो कोई भी व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति पर हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-के परिणामित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8139 दिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 3 सितम्बर, 1975
मोहर :

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 सितम्बर, 1975

निर्देश सं० ए० पी० न० 1144—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8140 दिसम्बर 1974 में है तथा जो जी० टी० रोड, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाधान अनुसूची में और पूर्ण रूप से अणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के अधित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अवतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सतीष बाला सोन्दी विधवा रणजीत सोन्दी के बीर सोन्दी सुपुत्र रणजीत सोन्दी व मिस मीरा सोन्दी सुपुत्री रणजीत सोन्दी, 33 जोर बाग, नई विल्ली मार्फत श्री प्यारा लाल सुपुत्र रायजादा भष्ट राम सोन्दी, 37 वजीर दुसेन रोड, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)। (अन्तरक)

2. श्री सुदर्शन कुमार सुपुत्र देसराज सुपुत्र किंशन चन्द एन० के० 214, अजीतपुरा, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. (1) मैसर्स हरी सिंह व कम्पनी, ट्रैवल एजेन्ट, (2) जानकी सन्स टेलीविजन कम्पनी, (3) न्यू स्टार बीलरज रेडी मेड जालन्धर (4) जी० टी० शर्मा, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट, जी० टी० रोड, जालन्धर (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रब्लेमरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मधन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 8140 दिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,

सकाम प्राधिकरी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 3 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०————

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 सितम्बर, 1975

निर्देश सं० ए० पी०-1153—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 1465 मार्च
1975 में है तथा जो जैनपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय बलाचौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अक्षरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिष्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-प के
अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-प की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री धनु सुपुत्र श्री अनन्त राम निवासी चक्र गुरु, डाकखाना
समुद्रा, तहसील गढ़शंकर। (अन्तरक)

2. श्री जगीर सिंह, कपमीर सिंह, जगतार सिंह सुपुत्र, श्री
घोर सिंह निवासी जैनपुर, तहसील बलाचौर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए,
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

प्रत्यक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 1465 मार्च 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बलाचौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 3 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्रख्यात आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 सितम्बर, 1975

निर्देश सं० ए० पी० सं० 1154—यह: मुझे रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की बारा 269-ब के अधीन सकाम अधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 3813 दिसम्बर
1974 में है तथा जो सुजोन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नवांशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिसम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
क्षय-पाया या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत
उक्त अधिनियम के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः यह उक्त अधिनियम की बारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-ब की उपकारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिसंघों, अर्थात् ।—

1. श्री करम कीर पल्ली दलीप सिंह, सुपुत्र श्री वीर सिंह,
निवासी सुजान, तहसील, नवांशहर। (अन्तरक)

2. श्री सोहन सिंह सुपुत्र दलीप सिंह निवासी रुद्रकी तहसील
गढ़शंकर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिकारों में
सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय
20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 3813 दिसम्बर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 3 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 3 सितम्बर 1975

निर्देश सं० ए०पी० नं०-1155—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3767
दिसम्बर 1974 में है तथा जो भागों मजारा में स्थित है
और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवांशहर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के अधीन,
तारीख दिसम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथ आय गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की, धारा 269-ग के अनु-
सरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्यातः—

6-256GI/75

- (1) श्री उजागर सिंह सुपुत्र श्री रामा खुरद तहसील
नवांशहर निवासी भाए माजरा डाकखाना (अन्तरक)
2. श्री निर्मल सिंह, अवतार सिंह, तेजा सिंह सुपुत्र
किशन सिंह गांव भारगो (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जो जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

टप्पीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,
वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3767 दिसम्बर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर में लिखा है

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख: 3 सितम्बर 1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 3 सितम्बर 1975

निर्देश सं० ए०पी० नं०-1156—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूत न्लेख नं० 3831
दिसम्बर, 1974 में है जो विकर में स्थित है (और इससे
संपत्ति अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवांशहर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर
1974 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम',
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यदि 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती धनकौर पत्नी घुमन सिंह सुपुत्र बूटा सिंह,
निवासी बीका डाकघासा बंगा (अन्तरक)

2. श्री रेशम सिंह, सोहन सिंह, निर्मल सुपुत्र स्वर्णा
अलाइस सरना निवासी बीका तहसील नवांशहर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके
वारे में अधोहस्ताक्षरी जनता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परि-
भासित है, वही ग्रथ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकूत न्लेख नं० 3831 दिसम्बर,
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 3 सितम्बर 1975

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 3 सितम्बर 1975

निवेश सं० ए०पी०-1157—यतः मझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह,
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी संख्या जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3835 दिसम्बर
1974 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह से प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गोविन्द सिंह सुपुत्र श्री नन्द लाल निवासी डब्ल्यू०
बी० 83 बाजार पीर बोदला जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री अमरीक सिंह, पाल सिंह, हरबन्दा सिंह मोहिन्दर
सिंह, हरजीत सिंह, इन्द्र जीत सिंह, सुपुत्र गुलबीर सिंह
गांव मुड तहसील नकोदर जिला जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जैसा कि रजिस्ट्रीशन विलेख नं० 3835 दिसम्बर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख: 3 सितम्बर 1975
मोहर:

प्र॒र॒प आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 3 सितम्बर 1975

निदेश सं० ए०पी० नं०-1158—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7868
दिसम्बर, 1974 में है तथा जो नजातम नगर (जालन्धर)
में स्थित (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख दिसम्बर 1974

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाठा गया प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधिनियम
के अधीन धारा देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने
या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-हर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधितयों, अर्थात्:—

1. श्री मोहन सिंह सुपुत्र श्री रत्न सिंह प्लाट नं०
262 न्यू विजय नगर जालन्धर (अन्तरक)

2. महिन्द्र सिंह सुपुत्र हरि सिंह मकान नं० 487,
गली नं० 3, मुहूला कमलपुर निकट गवर्नरमेंट कालज
हुशारपुर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त समाप्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जाएंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

मकान जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7868 दिसम्बर
1974 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख: 3 सितम्बर, 1975
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 3 सितम्बर 1975

निदेश नं० ए०पी०-1159—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7867
दिसम्बर, 1974 में है तथा जो बस्ती दायनिश मेंदा जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख दिसम्बर 1974 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में
सुविधा के लिए ;

बतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री नानक सिंह सुपुत्र श्री लोदा सिंह वासी लम्हे
कपूरथला (अन्तरक)

2. श्री मनजीत सिंह, हर सुखदेव सिंह सुपुत्र मोहन
सिंह वासी बस्ती नाऊ जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7867 दिसम्बर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने किया है

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 3 सितम्बर, 1975

मोहर:

प्रख्य आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 3 सितम्बर 1975

निदेश सं० ए०पी० नं०-1160—यतः मुझे, रविन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7847
दिसम्बर 1974 में है तथा जो लाडो वाली रोड में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,
रजिस्ट्रीकृता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख दिसम्बर, 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मरम नन्द सुपुत्र धारू राम पतारा, तहसील
जालन्धर (अन्तरक)
2. श्री वमन राम सुपुत्र रखदा राम शेरपुर शेख तहसील
जालन्धर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में सूचित रखता है (वह व्यक्ति, जिनके
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्री विलेख नं० 7874 दिसम्बर
1974 को रजिस्ट्रीकृता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रविन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 3 सितम्बर 1975

मोहर:

प्रस्तुप आई० ई० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 सितम्बर, 1975

निदेश सं० ए०पी० न०-1161—यतः मुझे, रविन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7846 दिसम्बर, 1974 में है तथा जो लाडोवाली रोड जालन्धर में स्थित है (और इससे उपापद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1974

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गमर नन्द सुपुत्र श्री धारू राम वासी पतार तहसील जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री बमन लाल सुपुत्र श्री रक्खा राम वासी शेरपुर शेख (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिक्षेप में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में सूचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में फिरे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्री विलेख नं० 7846 दिसम्बर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रविन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख: 3 सितम्बर 1975

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एम०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 3 सितम्बर 1975

निदेश सं० ए०पी० न०-1162—यतः मुझे, रविन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्री विलेख नं० 7802 दिसम्बर, 1974 में है तथा जो पतारा कलां में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पल्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिस्में भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों अर्थात्:-

1. श्री वर्ता सिंह सुनुव श्री कमलिंग वासी पतारा कलां तहसील जालन्धर (अन्तरक)
2. श्री हरजीत सिंह सुनुव श्री ननन सिंह वासी पतारा कलां तहसील जालन्धर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ, करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्री विलेख नं० 7802 दिसम्बर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रविन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 3 सितम्बर 1975

मोहर:

प्रैरूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर कार्यालय

तारीख 3 सितम्बर 1975

निवेश सं० ए० पी० नं०-1163—यतः मुझे, रवीन्द्र
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और और और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्री विलेख नं० 3613 जनवरी 1975 में है तथा जो बस्ती शेख में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

7—256GI/75

1. श्री नेत सिंह सुपुत्र श्री कौशल सिंह काजी मण्डी
जालन्धर (अन्तरक)

2. मैसर्स रामा मैटल वर्क्स, नकोदर रोड, नारी
निकेतन, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हवार रखता है (वह व्यक्ति, जिसके
वारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ॥
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जलन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 3 सितम्बर 1975

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालन्धर कार्यालय

तारीख 3 सितम्बर 1975

निदेश सं० ए०पी०न०-1164—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 8661 जनवरी, 1975 में है तथा जो वस्ती शेख जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1008 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब्लेम 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री करतार सिंह सुपुत्र श्री राम सिंह वासी लम्हे तहसील कपूरथला (अन्तरक)

2. श्री अजीत सिंह सुपुत्र श्री पूर्ण सिंह, बलबन्त सिंह सुपुत्र श्री अमर सिंह 3/4 हिस्सा करतार सिंह सुपुत्र इन्द्र सिंह 1/4 हिस्सा वस्ती शेख जिला जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 8661 जनवरी 1975 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 3 सितम्बर 1975

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 3 सितम्बर 1975

निदेश सं० ए०पी०नं०-1165—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8315
दिसम्बर, 1974 में है तथा जो बस्ती मोख जालन्धर में
स्थित है (और इससे उपामद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख दिसम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्जात्:—

1. श्री करतार सिंह सुपुत्र श्री रमन सिंह गाँव लम्हे
जिला कपूरथला (अन्तरक)

2. श्री अजीत सिंह सुपुत्र श्री पूर्ण सिंह और बलबस्तु
सिंह इत्यादि सुपुत्र श्री अमर सिंह, बस्ती मोख जालन्धर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिपित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में ग्राह्यपरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8315 दिसम्बर,
1974 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 3 सितम्बर 1975

मोहर:

प्र० र० प्र० श्री ई० टी० ए० न० ए० स०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 3 सितम्बर 1975

निदेश सं० ए० पी० न०-1170—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन संभव प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8387 दिसम्बर, 1974 में है तथा जो दादा नगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, श्री, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नरेन्द्र कुमार पुरी सुपुत्र श्री खरेती लाल डबल्यू०एल०-88 वस्ती गुर्जा जालन्धर (अन्तरक)
2. श्री जगदीश लाल सुपुत्र श्री अमर दित्ता ई०आर० 178 पक्का बाग, जालन्धर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8387 दिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
संभव प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 3 सितम्बर 1975

मोहर:

प्रूप घाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर
तारीख 3 सितम्बर, 1975

- श्रीमती प्रकाश बन्ती पत्ती किशन चन्द पुराना रेलवे रोड जालन्धर (अन्तरक)
- श्री टैहल सिंह सुपुत्र जीवन सिंह अनंदर माई हीरांगेट, जालन्धर (अन्तरिती)
- जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है) वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानकारी है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

निवेश सं० ए० पी०-1171—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं 7885 दिसम्बर, 1974 में है तथा जो पुराना रेलवे रोड जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है:—

- प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्याय होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 7885 दिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।
रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 3 सितम्बर 1975

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख 3 सितम्बर 1975

निवेद नं० ए०पी० नं०-1172—यतः मेज्जे, रवीन्द्र कुमार, ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7977 दिसम्बर, 1974 में है तथा जो माडल टाउन जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बन्सी लाल सुपुत्र श्री राम लाल डल्लू० एफ० 145, आली मुहल्ला, जालन्धर (अन्तरक)
2. मैसर्स भाटिया कापरेटिव हाऊस बिल्डिंग सोसाइटी 222 आदर्श नगर, जालन्धर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है, (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किए अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7977 दिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी
सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख: 3 सितम्बर 1975
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 3 सितम्बर 1975

निदेश सं० ए०पी०न०-1173—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु
से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 7918
दिसम्बर, 1974 है तथा जो बस्ती मिठू जालन्धर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख दिसम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाष्ठत,
उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सामितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री दलीप सिंह मुपुत्र श्री सरन सिंह बस्ती मिठू
जालन्धर
(अन्तरक)

श्री केसरी दास मुपुत्र श्री बिहारी लाल 275 आदर्श
नगर, जालन्धर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति भूमि में हच्चि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके
बारे में अधोहस्ताक्षरी जनता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि, जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 7918 दिसम्बर,
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख: 3 सितम्बर 1975
मोहर:

प्रख्यात आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 सितम्बर 1975

निदेश सं० ए०पी०नं०-1174—यतः मुझे, रविन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7920 दिसम्बर, 1974 में है तथा जो बस्ती मिथू जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री दलीप सिंह सुपुत्र श्री सरन सिंह गांव बस्ती मिथू जालन्धर
(अन्तरक)

2. श्रीमती विनोद जैन पत्नी श्री विनोद कुमार, बिमला देवी जैन पत्नी श्री कपूर चन्द्र जैन, कमला जैन पत्नी सुरिन्द्र जैन मारफत गुगरान बाला ज्यूलस बाजार कलां जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति भूमि में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याद्वाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही बर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7920 दिसम्बर 1974 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रविन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 3 सितम्बर 1975

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 सितम्बर, 1975

निरेश सं० ए०पी०न०-११७५—यतः मेरे, रविन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7916 विसम्बर 1974 में है तथा जो बस्ती मिथ्यू जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाधान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख विसम्बर, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष अन्तरक (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में खिलाफ के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी ज्ञन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

8—256 GI/75

- श्री दलीप सिंह सुपुत्र श्री सरन सिंह बस्ती मिथ्यू जालन्धर (अन्तरक)
- श्री ज्ञान चन्द्र सुपुत्र श्री कीरत चन्द्र (प्रोफेसर) जालन्धर (अन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति भूमि में रुचि रखता है) (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-का में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7916 विसम्बर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी जालन्धर ने किया है।

रविन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख: 3 सितम्बर, 1975

मोहर:

प्रलेप ग्राही०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 सितम्बर, 1975

निदेश सं० ए० पी० नं० 1176:—यतः, मुझे, रविन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्री विलेख नं० 7917 दिसम्बर, 1974 है तथा जो बस्ती नक्त जालन्धर में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भूमि (भूमिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तित्वी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अक्षियों, इष्टतः—

1. श्रीदलीप सिंह सुपुत्र श्री सरन सिंह बूटा मण्डी जालन्धर। (अन्तरक)
2. श्री सोम नाथ सुपुत्र श्री केसरी दास जालन्धर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति भूमि में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की कामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7917 दिसम्बर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने किया।

रविन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 3 सितम्बर, 1975।

मोहरः

प्रृष्ठा आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज जालन्धर
जालन्धर, विमान 3 सितम्बर 1975

निरेश सं० ए० पी० नं० 1177:—यतः, मुझे, रविन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्री विलेख नं० 8386 दिसम्बर, 1974 है तथा जो दादा नगर जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाधा अनुसूची में प्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1974 को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्ट्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वावत उक्त अधिनियम, के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनके अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात्:—

1. श्री इम्द कुमार परी सुपुत्र श्री खरैती लाल उल्लू० एल० 88 ग्रामी गुजार, जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री सदेशी लाल सुपुत्र श्री प्रमर वित ई० बी० 178 पक्का बाग, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति भूमि में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को वह सूचना आरी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित भेज किये जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8386 दिसम्बर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर ने किया।

रविन्द्र कुमार,
सक्षम प्रधिकारी
उत्तापक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 3 सितम्बर, 1975।
मोहर:

प्र० र० आई० दी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 सितम्बर, 1975

निवेश सं० ए० पी० नं० 1178—यतः मुझे, रविन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्री विलेख नं० 7941 दिसम्बर,
1974 है तथा जो बस्ती में जालन्धर में स्थित है (और इससे उप-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1974
को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्णकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
लहेश से उक्त अनुसरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, उपरोक्त में सुविधा के लिए।

प्रतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :

1. श्री दिल बाग सिंह सुपुत्र श्री ऊबम सिंह जालन्धर।
(अन्तरक)
2. मैं ज० वर्क्स और बिल्डिंग प्राइवेट लि० नजदीक दीपक
सिनेमा लुधियाना
(अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह अवृक्ष, जिसके प्रभावों
में सम्पत्ति है)।
4. जो अवृक्ष भूमि में रुचि रखता है। (वह अवृक्ष, जिनके
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी अविक्षयों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि काव्य
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत अविक्षयों में से
किसी अवृक्ष द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अवृक्ष द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

लघुव्यक्तिगत :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि, जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 7941 दिसम्बर,
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने किया।

रविन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 3 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्रृष्ठ पा० ३० टी० एन० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
बारा 269-वा० (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 3 सितम्बर 1975

निदेश सं० ए० पी० नं० 1179:—यतः मुझे, रविन्द्र कुमार, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-वा० के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7919 दिसम्बर, 1974 है तथा जो इन्डस्ट्रीयल एरिया जलन्धर में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रकारण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ओर की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी ओर या किसी दूसरा या अन्य आस्तियों, जो जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, विविध में संविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-वा० के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की बारा 269-वा० की उपबारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिनियम, अर्थात्:—

1. श्री दलीप सिंह सुपुत्र श्री सुरेन सिंह बूटा मण्डी जलन्धर। (अन्तरक)
2. श्री देस राज जैन सुपुत्र श्री खुशी राम जैन द्वारा (मारफत) डॉस इंजीनियरिंग वर्क्स, इन्डस्ट्रीयल एरिया जलन्धर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
4. जो व्यक्ति भूमि में चाचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7919 दिसम्बर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी जलन्धर ने किया।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जलन्धर

तारीख: 3 सितम्बर, 1975

माहर:

प्रस्तुप आई०ट००एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 सितम्बर 1975

निर्वेश सं० ए० पी० नं० 1180—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्री विलेख नं० 8460 दिसम्बर 1974 है तथा जो सैंट्रल टाउन, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के सचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तुविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बात उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत:—

1. श्रीमती राजकुमारी पत्नी हर किशन लाल जालन्धर (प्रस्तरक)

2. श्री जगमेर सिंह सुपुत्र श्री खर्जीत सिंह जालन्धर (प्रस्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति भूमि में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिस्सद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी अल्पेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील में 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 8460 दिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 3 सितम्बर 1975
मोहर :

प्रेरूप आईटी०एन०एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 सितम्बर 1975

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1195—यतः मुझ, रवीन्द्र कुमार प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8530 जनवरी 1975 में लिखा है तथा जो 206/5 सेन्ट्रल टाउन जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1975 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कंप के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसेवृद्ध्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और / या

(घ) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्न लिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती राज कुमारी पत्नी श्री हरकृष्ण लाल आफ जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री सरकारी सिंह सपुत्र सरदार बलवन्त सिंह आफ जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर पूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8530 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 3 सितम्बर 1975

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 सितम्बर 1975

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1181—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 8204 दिसम्बर 1974 में लिखा है तथा जो फूलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से अण्डित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विसम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के चित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती प्रीतम कौर विधवा करतार सिंह निवासी फूलपुर तहसील जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री रामेश्वर सिंह सपुत्र कैप्टन कर्म सिंह निवासी 4 माडल टाउन जालन्धर (अन्तरिती)

4. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हवा रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो इकत्र अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 8204 दिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेज जालन्धर

तारीख : 3 सितम्बर 1975

मोहर :

प्रलेप आई० दी० एन० एस० —

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 सितम्बर 1975

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1182—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8341 दिसम्बर 1974 में है तथा जो टोजरी (जिला जालन्धर) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9—256G/75

1. श्री इन्द्रा गोलक नाथ, नीलम बिमला गोलक नाथ और निर्मल गोलक नाथ और निर्मल गोलक नाथ सपुत्री आई० सी० गोलक नाथ मार्फत सुभाष चन्द्र भट्टाचार्य सपुत्र एन० जी० भट्टाचार्य मिशन कम्पाउंड जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री प्यारा सिंह सपुत्र श्री लक्ष्मण सिंह ग्रायपुर रसूलपुर जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में सचिर रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयाद्वारा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एप्स्टोकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8341 दिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 3 सितम्बर 1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 सितम्बर 1975

निर्देश सं० ए० पी०-1183—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 2111 दिसम्बर 1974 में है तथा जो बालहाकमी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अर्जीत सिंह संपूत्र श्री हरनाम सिंह गांव बोपाराय कला० तहसील नकोदर (अन्तरक)

2. श्री राम लाल संपूत्र गुरवचन गिह गांव निधरा० तहसील नकोदर (अन्तरकी)

3. जैसा कि सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हन्ति रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति म हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा पाएंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 2111 दिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है।

अनुसूची

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 3 सितम्बर 1975
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 सितम्बर 1975

निर्देश सं० ए० पी०-1184—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 2131, दिसम्बर 1974 में है तथा जो हृकमी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्थ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ष के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ष को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अचान्ति :—

1. श्री अर्जीत सिंह सपुत्र श्री हरनाम सिंह बोधा राय कलां तहसील नकोदर (अन्तरक)

2. श्री जोगिन्द्र सपुत्र श्री गुरवचन सिंह गांव लंधरा तहसील नकोदर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में स्थित रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उप अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 2131 दिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 3 सितम्बर 1975
मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 सितम्बर 1975

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1185—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेखनं० 2115 दिसम्बर 1974 में है तथा जो अडरमान (नकोदर) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या 'उक्त अधिनियम या' धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोहन सिंह सपुत्र श्री सरैन सिंह अलाईस मुरैना सपुत्र दलु निवासी चक्र कलां तहसील नकोदर (अन्तरक)

2. श्री मेहर सिंह, डलबीर सिंह सपुत्र श्री गुरमुख सिंह सपुत्र चन्दा सिंह गांव अडरमान तहसील नकोदर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्थावीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2115 दिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 3 गिन्नम्बर 1975

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 सितम्बर 1975

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1186—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2099 दिसम्बर 1974 में है तथा जो नकोदर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से चर्चित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी पके कार्यालय, नकोदर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यदि 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सतवत्त सिंह सपुत्र नोनिहाल सिंह सपुत्र श्री तेजा सिंह निवासी द्वारा की तहसील नकोदर (अन्तरक)

2. श्री बलदेव सिंह, गुरमेज सिंह, अजमेर सिंह सपुत्र श्री दर्शन सिंह सुपुत्र आसा सिंह गांव बलोकी तहसील नकोदर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी, अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2099 दिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 3 सितम्बर 1975
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 सितम्बर 1975

निर्देश सं० ए० पी० 1187—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2140 दिसम्बर 1974 में है तथा जो रौली (नकोदर) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब उक्त अधिनियम की, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती प्रीतम कौर पत्नी स्वर्गीय हाकम सिंह गांव रौली तहसील नकोदर (अन्तरक)

2. श्री अमर सिंह, जागीर सिंह सपुत्र हाकम सिंह स्वर्ण कौर पत्नी गुरदित सिंह, महिन्द्र कौर पत्नी अमीर सिंह गांव बन्धाला तहसील अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2140 दिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 3 सितम्बर 1975

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 सितम्बर 1975

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1188—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1640 दिसम्बर 1974 में है तथा जो मारग्रां (मुकेरियां) में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुकेरियां में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जोगिन्द्र सिंह सपुत्र खजान सिंह गांव भारप्रां तहसील दूसूहा (अन्तरक)

2. श्री जोगिन्द्र सिंह, भूपिन्द्र सिंह, अमरीक सिंह, गुरमीत सिंह, सतविन्द्र जीत सिंह सपुत्र करतार सिंह सपुत्र बुद्ध सिंह निवासी बासी जैद तहसील मुलथा जिला काशीरथला (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हवा रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ:—

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1640 दिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुकेरियां में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 3 सितम्बर 1975

मोहर

प्रूप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 सितम्बर 1975

निदेश सं० 279/एकुर०-III/75-76/कल०—अतः मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० दाग 800, 804, 606, 755 है तथा जो मौजा टेंगरा, थाना, यादबपुर 24 परगणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-12-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हीरे किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बधने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती कालीदासी भौमिक स्वामी: रतन चन्द्र भौमिक, 8, मिल लेन, कल०-15 (अन्तरक)

2. श्री आनिमुर रहगान 9 ए०, बलाई दस स्ट्रीट, कल०-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 5.94 एकर जमीन जो मौजा टेंगरा, थाना-यादबपुर, 24 परगणा में दाग सं० 800, 804, 606 और 755, खतियान सं० 155 और 156 पर अवस्थित और जो सब-रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स, कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलील सं० I-7662/1974 के अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III,
54, रफीअहमद किंदवाई रोड, कल०-16

तारीख: 1-9-1975

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज 1, दिल्ली-1
 केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली
 नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1975

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्य०-१/एस०आर०-III/फ०-११/
 ६३२(15)/७४-७५—यतः, मुझे, सी० बी० गुप्ते

आयकर अधिनियम,
 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं 297 है, जो एम० ब्लाक (निवासी) ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 22-2-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्तें:—
 10—256GI/75

1. श्री जे० सी० भागी पुत्र थी अमीर चन्द्र निवासी टी० बी० क्लीनिक, अलवर (राजस्थान) (अन्तरक)

2. श्रीमती कुन्दनजीत पत्नी श्री के० एस० आजाद निवासी एस०-३१४ पंचशील पार्क, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फोहोर्ड जमीन का प्लाट क्षेत्रफल 400 वर्ग गज जो कि ब्लाक एम०-२९७ निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली के गांव बहारपुर दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व: सड़क

पश्चिम: सड़क

उत्तर: प्लाट नं० एम०-२९५

दक्षिण: प्लाट नं० एम०-२९९

सी० बी० गुप्ते,
 सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली,
 नई दिल्ली-1

तारीख: 6 सितम्बर 1975

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० पू०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1
केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1975

निवेश सं० आई०ए०सी०/एस्य०-१/एस०आर०-III/635
(28)-74-75—यतः मुझे, सी० बी० गुप्ते,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० एम० 168 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 27-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती अर्मीत कौर गढ़वाल, पत्नी श्री एच० बी०
एस० गढ़वाल निवासी 7/5 पंजाव एग्रीकलचरल यूनिवर्सिटी
लुधियाना (पंजाब) (अन्तरक)

2. श्री हरीश अग्रवाल पुत्र एल० शम्भु दयाल अग्रवाल
निवासी बी० 14 ग्रीन पार्क नई दिल्ली आजकल निवास
एम०-191 ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में इत्यत्य
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्यय 20-ए में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लाट जिसका नं० 168 ब्लाक एम थ्रेट-
फल 300 बर्गमज जो कि डी० एल० एफ० कालोनी ग्रेटर
कैलाश-II, नई दिल्ली में दिल्ली कारपोरेशन की सीमा में
चिराग दिल्ली रोड दिल्ली के गांधी बहारपुर में निम्न प्रकार से
घिरा है:—

पूर्व : सड़क

पश्चिम : प्लाट नं० 166

उत्तर : सर्विस लैन

दक्षिण : प्लाट नं० एम०-170

सी० बी० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 6 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्र॒र॒प आ॒ई० दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली-1
केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली ।
नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1975

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्य०-१/एस०आर०-III/फ०-11/633/(16)/74-75—यतः मुझे, सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास वारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस०-474 है, जो ब्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 22-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दियत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री मृशन पाल सोनी पुत्र श्री सत्य पाल सोनी द्वारा उसके अटानी उसकी मां श्रीमती सन्तोष एस० सोनी पत्नी श्री सत्य पाल सोनी निवासी एन०-99, कनाट सर्कंस नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री दयाल मोटवानी, श्री राज मोटवानी पुत्रगण स्व० श्री वीरोमल निवासी 9/6 साऊथ पटेल नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीकी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में व्याप्त परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फीहोल्ड प्लाट जिसका नं० 472 ब्लाक 'एस०' क्षेत्रफल 550 वर्गमीटर जो कि निवासी कालोनी ब्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली के गांव बहारपुर दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है—

पूर्व :— प्लाट नं० 474

पश्चिम :—प्लाट नं० 470

उत्तर :— सर्विस लैन

दक्षिण :— सड़क ।

सी० वी० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 6 सितम्बर 1975

मोहर :

प्रह्लाद ३० ई० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1975

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्य०/१/एस०आर०-III/23 जनवरी/11/74-75—यतः मुझे, सी० बी० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का बारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सी०-431, है, जो डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 24-1-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पांच ग्राम प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों, को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती ताजिन्दर कीर, पत्नी डा० दलीप शाह सिंह, निवासी डॉ०-93, पंचशील मार्ग, एन्कलेक्ष, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्रीमती नीलम सरना, पत्नी श्री कुलदीप सरना, निवासी 6, वाजीर बाग, श्रीनगर, काश्मीर (अन्तरिती)

3. श्रीमती रवी सवार्णप, पहली मंजिल का किराएदार

(2) मै० अमरीकन रेफरीजरेशन क०, गैरज तथा एक सर्वेन्ट मकान का किराएदार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यबाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि थाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में व्यापक रूप से व्याप्त हैं, वही प्रथा होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ढाई-मंजिला मकान जिसकी सं० सी०-431 है, और जो कि डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है, 325 वर्गगज जमीन (जिसके ऊपर यह मकान बना है) लीजहोल्ड अधिकार के साथ और पानी, बिजली और अन्य फिटिंग्स के साथ और जिसकी सीमाएं निम्न प्रकार लिखित हैं:—

उत्तर: सर्विस लेन

दक्षिण: सड़क तथा लान

पूर्व: मकान नं० सी-432

पश्चिम: सड़क

सी० बी० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 9 सितम्बर 1975

मोहर:

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1975

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्य०/१/एस०आर०-III/क०-11/
633 (16)/74-75—यतः, मुझे, सी० वी० गुप्ते
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० एस०-472 है, जो ग्रेटर कैलाश-
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्व
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 22-2-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शुशन पाल सोनी पुत्र श्री सत्य पाल सोनी द्वारा
उसके अटार्नी उसकी माँ श्रीमती सन्तोष एस० सोनी पत्नी
श्री सत्य पाल सोनी निवासी एन०-99, कनाट सर्कस नई
दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्री दयाल मोटवानी, श्री राज मोटवानी पुन्नगण
स्व० श्री बोरोमल निवासी 9/6 साऊथ पटेल नगर, नई
दिल्ली
(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाक में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित द्वारा, अधीक्षित द्वारा, अधीक्षित
में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फीहोर्ड प्लाट जिसका नं० 472 ब्लाक 'एस०' क्षेत्र-
फल 550 वर्ग गज जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-2,
नई दिल्ली के गांव बहारपुर दिल्ली में निम्न प्रकार से
स्थित है:—

पूर्व :—प्लाट नं० 474

पश्चिम :—प्लाट नं० 470

उत्तर :—सर्विस लेन

दक्षिण :—सड़क

सी० वी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 6 सितम्बर 1975

मोहरः

प्रूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज—5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अगस्त 1975

निदेश सं० आई०-5/238/74-75—यतः मुझे, जे० एम०
मेहरा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 7 से० 7 नं० 6 छेड़ा नगर है, जो छेड़ा नगर, चैम्बूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 12-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिस्ते भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शामजी खिमजी छेड़ा और रावजी खिमजी छेड़ा (अन्तरक)
2. द्वीन गार्डन को० ओप० हाऊसिंग सोसायटी लिमि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई उपनगर जिले में बान्द्रा सब रजिस्ट्रेशन जिले के अंतर्गत चैम्बूर, बूहत, बम्बई में अवस्थित 770.07 वर्ग मीटर (921 वर्ग गज) माप का वह समूचा भूखण्ड एवं भूभाग अथवा भू-स्थल जिसका सैक्टर 6 में प्लाट सं० 7 माप में 140 एकड़ भूमि 12½ गुण्ठा या उसके समकक्ष है (ईस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे द्वारा घिरा हुआ 7 एकड़ और 36 गुण्ठा को निकाल कर) जिसका सर्वक्षण सं० 320 है तथा जिसकी सीमाएं इस प्रकार घिरी हुई हैं, पूर्व में, या पूर्व की ओर सैक्टर सं० 6 की तीस फुट की प्रस्तावित भीतरी सड़क से, पश्चिम में या पश्चिम की ओर सैक्टर सं० 6 के प्लाट सं० 8 से, पूर्व दिशा में सैक्टर सं० 6 में प्रस्तावित 30 फुट की सड़क और दक्षिण में या दक्षिण की ओर सैक्टर सं० 6 का प्रस्तावित उद्यान और सैक्टर सं० 6 में 22 फुट की भीतरी सड़क।

जे० एम० मेहरा
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-5, बम्बई।

तारीख : 27-8-75

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—————

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधिकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1-2, दिल्ली-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 अगस्त 1975

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्य०/11/861/75-76—यतः,
मुझे, एस० एन० एस० अग्रवाल, आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० एम०-60 है, जो कीर्ति नगर, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावन्न अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 7-5-1975 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
आयका

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,'
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः यब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण, में, में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री भीशम चन्द्र कपुर, सुपुन्न मेर सी० जी० कपुर
ओ० बी० ई० निवासी एम-60, कीर्ति नगर, नई दिल्ली-15
(अन्तरक)

2. श्री डी० के० आर्या सुपुन्न श्री सुखदेव राज आर्या,
निवासी ए-3/27, मोती नगर, नई दिल्ली-15 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां पुरु करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताकरी के
पास लिखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फीहोल्ड प्लाट की भूमि पर एक मंजिला मकान बना
हुआ है जिसका प्लाट नं० 60, ब्लाक नं० 'एम' है क्षेत्रफल
200 वर्ग गज है तथा जोकि कीर्ति नगर कालौनी के नाम से
जानी जाती है, बसाए दारापुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली के
क्षेत्र में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व :— प्लाट नं० एम-59

पश्चिम :—प्लाट नं० एम-61

उत्तर :— 15' चौड़ी सड़क तथा पार्क

दक्षिण :— 30' चौड़ी सड़क

एस० एन० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 29 अगस्त 1975

मोहर :

प्रह्ल आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, तारीख 29 अगस्त, 1975

निर्देश सं० आई०ए०सी०एस्य०/II/850/75-76/3239—
यतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० डब्ल्य० जैड-56, प्लाट नं० 175 है, जो राजा गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-2-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से उसके दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रतिफल (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी एस० बाल सिंह, निवासी डब्ल्य० जैड-54, (प्लाट नं० 175), राजा गार्डन, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री दिवान सिंह, सुपुत्र श्री केसर सिंह, निवासी 346, रानी बाग, शाकुर बस्ती, दिल्ली, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जिसका नं० डब्ल्य० जैड-54, जिसमें दो अनिश्चित कमरे, एक लैटरीन, एक बाथ, प्लाट नं० 175 पर बना हुआ है, जिसका क्षेत्रफल 180 वर्ग गज है तथा जोकि राजा गार्डन कालौनी नाम से जानी जाती है, बसाए दारापुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली के क्षेत्र में मुन्यसीपल कारपोरेशन की सीमा के अन्तर्गत निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व — प्लाट नं० 176

पश्चिम — प्लाट नं० 174

उत्तर — सर्विस लेन

दक्षिण — सड़क

एस० एन० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 29 अगस्त, 1975

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1975

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/863/75-76—यह:
मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 84 (1/2 हिस्सा) है जो ईस्ट एवनयू रोड,
पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावन
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-2-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम'
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए :

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11—256 GI/75

1. श्रीमती प्रद्युम्न कौर सुपत्नी श्री राम सिंह निवासी
शाहबाद मरकन्दा, जिला अम्बाला (अन्तरक)

2. कुमारी नमरीता भाटिया (2) कु० पूनम भाटिया
सुपुत्रियां श्री सोम नाथ भाटिया निवासी 48-ए० जार बाग,
नई दिल्ली (अन्तरिती)

3. मैसर्ज लाहौर मोन्टसरी स्कूल 84, ईस्ट एवन्यू
रोड, पंजाबी बाग, दिल्ली (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो
'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आधा हिस्सा 1-1/2 मंजिले मकान का जो 271,
33 वर्ग गज फी होल्ड जमीन के टुकड़े पर बना है और
जिसका नं० 84, ईस्ट एवन्यू रोड, पंजाबी बाग, नई दिल्ली
है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है :—

उत्तर :—सड़क

दक्षिण :—सर्विस लेन

पूर्ब :—बना हुआ मकान

पश्चिम :—मकान नं० 86

एस० एन० एल० अग्रवाल,
सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-१

तारीख : 5 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

4 ए/14, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 5 सितम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए०सी०/एक्य०/II/862/75-76—
यतः, मुझे, सं० न० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 84 (1/2 हिस्सा) है, जो ईस्ट एवन्यू रोड, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-2-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 26) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जासा चाहूए था, छिपाने में सुविधा के लिए;—

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अन्तरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उधपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती प्रद्युम्न कौर सुप्तनी श्री राम सिंह निवासी शाहबाद मरकन्वा, जिला अग्रवाल (अन्तरक)

2. कु० नमरीता भाटिया (2) कुमारी पूनम भाटिया सुपुत्रिया श्री सोम नाथ भाटिया निवासी 48-ए० जोर बाग, नई दिल्ली (अन्तरिती)

3. मैसरैं लाहौर मोन्टसरी स्कूल 84, ईस्ट एवन्यू रोड, पंजाबी बाग, दिल्ली (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मैन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आधा हिस्सा 1-1/2 मंजिले मकान का जो 271.33 वर्ग गज फी होल्ड जमीन के टुकड़े पर बना है और जिसका नं० 84, ईस्ट एवन्यू रोड, पंजाबी बाग, नई दिल्ली है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है:—

उत्तर—सड़क

दक्षिण—सर्विस लेन

पूर्व—बना हुआ मकान

पश्चिम—मकान नं० 86।

सं० न० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 5 सितम्बर, 1975

मोहर:

प्र० श्री दत्त कुमार आत्माराम मानकर और अन्य (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, तारीख 29 अगस्त, 1975

निर्वश सं० अई०-१/१०५४-२३/जनवरी-१९७५—अतः,
मुझे, एन० के० शास्त्री आयकर अधिनियम,
१९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है), की धारा
२६९-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
२५,०००/- रु० से अधिक है।
और जिसकी सं० सर्वेन० २६/४०४ प्लाट नं० १ है, जो
एस० वर० रोड, बान्द्रा में स्थित है (और इससे उपावन्द
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार बम्बई में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन
१०-१-१९७५ को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का फँकड़ है प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या 'उक्त अधिनियम,'
या धनकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा २६९-ग के अन्त-
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा २६९-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- श्री दत्त कुमार आत्माराम मानकर और अन्य (अन्तरक)
- न्यू जागृत को० श्रोप० हाउसिंग सोसायटी (अन्तरिती)
- किराएदार (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय २०-क में यथा
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि या जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो बान्द्रा धोड़-
बन्दर रोड पर है जो रजिस्ट्रेशन जिला बृहत्तर बम्बई और
उपजिला बान्द्रा में है जो मापसे ८९२ वर्ग गज याने
७४५.७ वर्ग मीटर या उसके समकक्ष है अकृषि सर्वे
नं० ४०४ सर्वे नं० २६१ प्लाट नं० १ वहां पर बनी
इमारत सहित है जो अब न्यू जागृत अपार्टमेंट से जात है
और बम्बई महानगर पालिका एच०बा०डे नं० ६२०५ हिस्सा
नं० २२७ बारण किया हुआ स्वामी विवेकानन्द रोड
और निम्न प्रकार से चिरा हुआ है अर्थात् पश्चिम की
ओर से एस० वि० रोड, पूर्व की ओर से गोपाल मेन्शन
उत्तर की ओर से टाटा ब्लाक्स दक्षिण की ओर से मृत श्री
मण्डलसाल जे० भट की जायदाद।

एन० के० शास्त्री,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: २९-८-७५

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, तारीख 29 अगस्त, 1975

निदेश सं० आई०-१/1044-13/जनवरी—अतः मुझे, एन० के० शासी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० नं० 1980 भूलेश्वर डिवीजन है, जो नवी बाड़ी में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रहू प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बावत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ए के अनुसरण, में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ए की उपधारा 1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स कानजी मावजी शेटीया इस्टेट (अन्तरक)

2. श्री इस्माईल हसान मयत महमद फकीर मनीयार द्वारा। (अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीर्व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पेन्शन और टेक्स टेन्युअर जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो नवीवा डी स्ट्रीट पर स्थित है जो कोर्ट बम्बई से बाहर आया हुआ है बम्बई शहर के अन्तरिक आया हुआ है जो माप से 55.7 वर्गमीटर या उसके समकक्ष और गृहवायिक निवास गृह सहित है और आउट हाउस सहित वहां पर बनी इमारत जो श्री सवन से शात इमारत नं० 12 नवी बाड़ी दादी शेट अम्यारी लेन बम्बई में है और सी० एस० नू० 1980 भूलेश्वर डिवीजन के अंतर्गत पंजीकृत है और निम्न प्रकार से विरा हुआ है अर्थात् पूर्व की ओर से पहले राव बहादुर जनादेन बासुदेव जी की जायदाद व और अब जाधवजी जेठामाई की जायदाद और अपी मृत गोविन्दराव रामशंकर की आंशिक जायदाद उत्तर की ओर से अभिविनायक शामराव की जायदाद बाद में दामोदर रामचन्द्र की जायदाद वह मकान जो भूराजस्व संग्रह के पुस्तकों में नया नं० 658 नया सर्वेक्षण क्र० 285 और केडेस्ट्रेल सर्वेक्षण क्र० 1980 भूलेश्वर डिवीजन के अंतर्गत पंजीकृत है और करनिर्धारित महानगर पालिका बम्बई 7. (सी०) बाई नं० 4896 और 98 और स्ट्रीट नं० 12 के अंतर्गत पंजीकृत है।

एन० के० शासी,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, बम्बई।

तारीख: 29-8-75

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अगस्त 1975

निर्देश सं० अई०/१०६६-१०/जनवरी ७५—यतः,
मुझे, एन० के० शास्त्री,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० सी० एस० नं०-१ मांडवी डिवीजन है, जो
प्लाट नं० 116 और 126 प्रीन्सेस स्ट्रीट में स्थित है (और
इससे उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार, बम्बई में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
31-१-१९७५ को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती शरीफाबाई, सालेभाई महमद अली की पत्नी (अन्तरक)
2. श्री गुलामअली कादरभाई नून और अन्य (अन्तरिती)
3. किराएदार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षा:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथा होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वह तमाम भागहिन 1/3 शेर, हक दुलूदा और लन जमीन का वह दुकड़ा या भाग जिसके प्रीन्सेस स्ट्रीट इस्टेट के प्लाट नं० 116 और 126 है जो अब बारोआ मेन्शन से जात है जो माप से 871 वर्गमीटर 728.24 वर्गमीटर या उसके समानक्षम है जो भूराजस्व संग्रहक के पुस्तकों में नं० सर्वे नं० 1926 और 1964 और बज्जी बचा हुआ जमीन का एक अंश जिसका सर्वे नं० 1936 और केंडेस्ट्रेला सर्वेक्षण क्र० 1 मांडवी डिवीजन वहां पर बनी गृहबाटिका निवास गृहों सहित करनिर्धारित महानगरपालिका बृहन्मुंबई के 3(बी०) बाई० 1 से 5 और स्ट्रीट नं० 343 से 353, 130 से 146, 160 से 166 और वह इमारत जो अब्दुल रहमान स्ट्रीट पर और कर्नाक रोड पर स्थित है रजिस्ट्रेशन जिला और उप-जिला बम्बई में है और निम्न प्रकार से विरा हुआ है अर्थात् पूर्व की ओर से बालू सारंग स्ट्रीट, पश्चिम की ओर से अब्दुल रहमान और उत्तर की ओर से पिंजरा स्ट्रीट और दक्षिण की ओर से कर्नाक रोड द्वारा।

एन० के० शास्त्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 29-8-75

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, तारीख 29 अगस्त 1975

निर्देश सं० आई०-1/1067-11/जनवरी-75—यतः मुझे,
एन० के० शास्त्री,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और
जिसकी सं० सी०एस० नं० 1 मांडवी डिवीजन है, जो
प्लाट नं० 116 और 126 प्रीन्सेस स्ट्रीट में स्थित है (अब्रै
इससे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार, बम्बई
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 31-1-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर्ता अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उधपधारा (1).
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती फालेमाबाई फ़कूर्दीन फैदाहुसेन कागालवाली
(अन्तरक)
2. श्री गुलामश्री कादरमाई नून और अन्य (अन्तरिती)
3. किराएदार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित द्वारा, अधीक्षित के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वह तमाम भागहिन 1/3 थेर, हक्क हुद्दा और लन जमीन
का वह दुकड़ा या भाग जिसके प्रीन्सेस स्ट्रीट इस्टेट के प्लाट
नं० 116 और 126 है जो अब बारोआ मेन्शन से
जात है जो माप से 871 वर्गगज 728.24 वर्गमीटर या
उसके समकक्ष है जो भूराजस्व संग्रहक के पुस्तकों में नया
सर्वे नं० 1926 और आकी बचा हुआ जमीन
का एक अंश।

जिसका सर्वे नं० 1936 और केडेस्ट्रेला सर्वेक्षण क्र० 1 मांडवी
डिवीजन वहाँ पर बनी गृहवाटिका निवास गृहों सहित कर-
निर्धारित महानगरपालिका बूहन्मुबई के 3(बी०) धार्ड नं०
1 से 5 और स्ट्रीट नं० 343 से 353, 130 से 146,
160 से 166 और वह इमारत जो अब्दुल रहमान स्ट्रीट
पर और कनाकि रोड पर स्थित है, रजिस्ट्रेशन जिला और
उप-जिला बम्बई में है और निम्न प्रकार से घिरा हुआ है
अर्थात् पूर्व की ओर से बालू सारंग स्ट्रीट पश्चिम की ओर
से अब्दुल रहमान स्ट्रीट और उत्तर की ओर से पिंजरा
स्ट्रीट और दक्षिण की ओर से कनाकि रोड द्वारा।

एन० के० शास्त्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 29-8-75

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, तारीख 29 अगस्त 1975

निर्देश सं० आई०-1/1055-24/जनवरी-75—अतः मुझे
एन० के० शास्त्री,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और
जिसकी सं० सर्वे नं० 261 प्लाट नं० 1 है, जो एस०
वी० रोड, बान्द्रा में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सब रजिस्ट्रार बम्बई में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-1-75 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 26) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उधपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री श्रीपाद आत्माराम मानकर, मनोरमा श्रीपाद
मानकर (अन्तरक)
2. न्यू जागृति को० आप० हार्किंसिह सोसायटी (अन्तरिती)
3. किराएदार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि या जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो बान्द्रा थोड़-
बंदर रोड पे है जो रजिस्ट्रेशन जिला बृहत्तर बम्बई और
उपजिला बान्द्रा में है जो माप से 892 वर्गगज याने 445.7
वर्गमीटर या उसके समकक्ष है अकूपी सर्वे नं० 404
सर्वे नं० 261 प्लाट नं० 1 वहां पर बनी इमारत सहित
है जो अब न्यू जागृति एच० वार्ड नं० 6205 हिस्सा नं०
227 धारण किया हुआ स्वामी विवेकानन्द रोड और
निम्न प्रकार से विरा हुआ है अर्थात् पश्चिम की ओर से
एस० वी० रोड पूर्व की ओर से गोपाल मेन्शन उत्तर की
ओर से टाटा ब्लाक्स दक्षिण की ओर से मृत श्री मुगटलाल
जै० भट की जायदाद।

एन० के० शास्त्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 29-8-75

मोहर:

प्रस्तुति आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43') की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, तारीख 29 अगस्त 1975

नेंद्रेश सं० आई०-1/1056-25/जनवरी-75—अतः, मुझे एन० के० शासी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 261 प्लाट नं० 1 है, जो एस० वी० रोड, बान्द्रा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-1-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण, में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री श्रीवल्लभ श्रावणाराम मानकर और अन्य (अन्तरक)
2. न्यू जागृती को०ओप० हाउसिंग सोसायटी (अन्तरिती)
3. किराएदार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिं-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि या जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो बान्द्रा पोड-बन्दर रोड पे है जो रजिस्ट्रेशन जिला बृहत्तर बम्बई और उपजिला बान्द्रा में है जो माप से 892 वर्गमीटर याने 745.7 वर्गमीटर या उसके समकक्ष है अक्षि सर्वे नं० 404 सर्वे नं० 261 प्लाट नं० 1 वहां पर बनी इमारत सहित है जो अब न्यू जागृती अपार्टमेंट से ज्ञात है और बम्बई महानगर पालिका एच० वार्ड नं० 6205 हिस्सा नं० 227 धारण किया हुआ स्वामी विवेकानन्द रोड और निम्न प्रकार से विश्रा हुआ है अर्थात् पश्चिम की ओर से एस० वी० रोड, पूर्व की ओर से गोपाल मेन्जन उत्तर की ओर से टाटा ब्लाक्स विक्षिण की ओर से मृत श्री मुगटलाल जे० भट की जायदाद।

एन० के० शासी,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई।

तारीख: 29-8-75

मोहर:

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

1. मैसर्स मिनर्वा डिलर्स प्रा० लिमि० (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. अगरवाल फैमिली ट्रस्ट (अन्तरिती)

269-घ(1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, तारीख 23 अगस्त 1975

निर्देश सं० अ०ई०-5/232/74-75-5—अतः, मुझे, जे० एम० मेहरा, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट नं० 44 और 45 सर्वे नं० 127 और 116 (अंश) हिस्सा नं० 1 (अंश) सर्वे नं० 12 है, जो नाहर मुलुण्ड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में अथवा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई उप नगर जिले के बान्द्रा पंजीकरण उपजिले में नाहर मुलुण्ड के निकट स्थित एवं अवस्थित 6293 वर्ग-गज (5260.52 वर्गमीटर के समकक्ष) वे दोनों समुचित भूभाग अथवा भूखण्ड या भूस्थल जिनका प्लाट नं० 44 और 45 और सर्वेक्षण नं० 127 और 116 (अंश), हिस्सा नं० 1 (अंश) तथा जिसकी सीमाएं इस प्रकार घिरी हुई हैं :—

उत्तर में अथवा उत्तर की ओर 56' ओड़ी सड़क से, दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर प्लाट नं० 42 और अंशतः प्लाट नं० 47, अंशतः 56' ओड़ी सड़क से पूर्व में अथवा पूर्वों की ओर प्लाट नं० 05 से तथा पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर प्लाट नं० 48 और प्लाट नं० 42 से।

जे० एम० मेहरा,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-5, बम्बई

तारीख: 23-8-1975

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, तारीख 29 अगस्त, 1975

निर्देश सं० आई०-१/१०६९-१३/जनवरी-७५—अतः मुझे, एन० के० शासी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० नं० 44 माहिम डिविजन है, जो केंद्र रोड प्रभावेवी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जब रजिस्ट्रार बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-१-७५ को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ह्रृद आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स चिमनलाल सी० शेट एम०एम० कोटवा
(अन्तरक)

2. नव-भावना को० ओप० हाऊसिंग सोसायटी लिमि०
(अन्तरिती)

3. सोसायटी के मैंबर्स (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पटा जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो माप से 2220 वर्गगज या 1864.81 वर्गमीटर है जिसका एफ० पी० नं० 1224 बी०टी०पी०एस० नं० 4 माहिम के अंतर्गत पंजीकृत है। जमीन का बड़ा प्लाट जो माप से 2661 वर्गगज या 2235.24 वर्गमीटर वहां पर बनी इमारत सहित जो प्रभावेवी माहिम में स्थित मौजूद है, रजिस्ट्रेशन जिला और उप-जिला बम्बई और बड़ा प्लाट भूराजस्व संग्रहक की पुस्तक में नया नं० 3512 और 3513 और लाफटन्स सर्वे नं० 1656 और केंद्रस्ट्रैल सर्वेक्षण नं० 44 माहिम डिविजन के अंतर्गत पंजीकृत है, करनिधारी एवं महानगरपालिका बम्बई के द्वारा जो वार्ड नं० 2607, 2608(1), 2609-10 (1), 2610(8) और 2610(10) और स्ट्रीट नं० 75, 422, 434, 434 ई० केंद्रल रोड पर स्थित है और रजिस्ट्रेशन जिला उपजिला बम्बई और जमीन के फायनल प्लाट का टुकड़ा जो पी०एस० 4 माहिम के अंतर्गत पंजीकृत है माप से 2220 वर्गगज या 1864.80 वर्गमीटर है और निम्न प्रकार से विवर हुआ है अर्थात् पूर्व की ओर से केंद्रल रोड पश्चिम की ओर से बोम्बे डायिंग की जायदाद उत्तर की ओर दक्षिण की ओर से जोन लुइस और एब्बवर्ड लुइस की जायदाद द्वारा।

एन० के० शासी
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई!

तारीख: 29-8-1975

मोहर:

प्राप्ति शाई०टी०एन०एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कायालिय,
भर्जन रेंज, 1-बम्बई
बम्बई, तारीख 29 अगस्त 1975

निर्देश सं० आई०-१/१०७२-१६/जनवरी-७५—अतः, मुझे,
एन० के० शास्त्री, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सी०एस० नं० 503 कुलाबा डिवीजन है,
जो प्लाट नं० 9 कुलाबा कण्ड और मिल्स कम्पनीज लैण्ड
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालिय, सब रजिस्ट्रार
बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, 31-1-1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिया अर्थात्:—

1. श्री जाफेर अली जी पदमसी (अन्तरक)
2. कैण्डी केस्टल को० आप० हार्डिंग सोसायटी लिमि० (अन्तरिती)
3. सोसायटी के मैम्बर्स (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हू०

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्रोप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त पद्धों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि या जमीन का वह तमाम दुकड़ा जिसका कुलाबा
जमीन और मिल्स के प्लाट नं० 9 स्कीम नं० 'सी०' आ००
य०० बंदर कोलाबा में असंभव किया है जो माप से 1194
वर्गगज (याने 908 वर्गमीटर) या उसके समकक्ष वहां पर
बनी इमारत सहित जो टापू शहर में स्थित है जो
रजिस्ट्रेशन उपजिला बम्बई और जिसका कैडेस्ट्रॉल सर्वेक्षण
नं० 503 कुलाबा डिवीजन धारण किया है तथा म्युनिसिपल
भावों एवं करों के करनिधरीत एवं संग्रहक के द्वारा 'ए०'
बांड नं० 367(6)स्ट्रीट नं० 11 ए० और निम्न प्रकार से विरा
दुआ है अर्थात् उत्तर की ओर से उक्त स्कीम का प्लाट नं० 4
पूर्व की ओर से उक्त स्कीम का प्लाट नं० 10

एन० के० शास्त्री,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक अधिकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई।

तारीख: 29-8-1975

मोहर:

प्ररूप आई०टी०एन०एस०

1. श्री अब्दुलतायेब शेख सराफ अली और अन्य (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, तारीख 29 अगस्त 1975

निर्देश सं० आई०-1/1058-2/जनवरी-75—अतः मुझे, एन० न० के० शास्ती, आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी०एस० नं० 1963 भायला डिवीजन है, जो प्लाट नं० 3 आग्रोपाडा पूर्व में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-1-1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के दायति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. वी एंटर मुनायटेड इंडस्ट्रीयल को० श्री० इस्टेट लिमि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, व्हारा, अधोहस्तीकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

3 पूर्वप्राग्रोपाडा का प्लाट नं० 3(एन०) 22-ए० पे स्ट्रीट भायला बम्बई-11 केडेस्ट्रेला सर्केशन क्र० 1963 भायला डिवीजन मापसे 5436.52 वर्गमीटर।

एन० के० शास्ती,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई।

तारीख: 29-8-75

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, तारीख 16 अगस्त 1975

निर्देश सं० आई०-1/1071-15/जनवरी-75—अतः मुझे एन० के० शास्त्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी०एस० नं० 481 भूलेश्वर डिवीजन है, जो जग्नाथ शंकरशेट रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 31-1-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पव्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बजाए में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विनायकाराव रावजी शंकरशेट और अन्य (अन्तरक)

2. द० अमृतेश्वर को० आप० हार्डिंग सोसायटी लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम टुकड़ा जो गिरगांव रोड पर स्थित है जो जग्नाथ शंकरशेट रोड से जात जो रजिस्ट्रेशन जिला और उपजिला बम्बई में है जो भाप से 1854 वर्गगज (1550.18 वर्गमीटर) या उसके समकक्ष है वह संपूर्ण जगह में से लगभग 6400 वर्गगज अर्थात् 5351.23 वर्गमीटर या उसके समकक्ष है और भूराजस्व संग्रहक के पुस्तकों में पुराना नं० 664 (अंश) नया नं० 8135 अंश और केडेस्ट्रोम सर्वेक्षण नं० 481 भूलेश्वर डिवीजन के अंतर्गत पंजीकृत है और निम्न प्रकार से घिरा हुआ है अर्थात् पूर्व की ओर से उक्त केडेस्ट्रोम सर्वेक्षण नं० 481 का कुछ अंश बम्बई महानगर पालिका के द्वारा अगाव से आरक्षक रखा हुआ है जो बाहर आनेवाला गिरगांव रोड को पोले बनाने उपयोग के लिए रखा गया है पश्चिम की ओर से उक्त केडेस्ट्रोम सर्वेक्षण क्र० 481 का भाग, उत्तर की ओर से केडेस्ट्रोम क्र० 20692 और 4394 और दक्षिण की ओर से केडेस्ट्रोम सर्वेक्षण क्र० 2091 द्वारा।

एन० के० शास्त्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई।

तारीख : 16-8-75

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, तारीख 29 अगस्त 1975

निर्देश सं० आई०-1/1068-12/जनवरी-75—अतः मुझे,
एन० के० शास्त्री,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० सी०एस० नं० 1 माडवी डिवीजन है, जो प्लाट
नं० 116 और 126 प्रीन्सेस स्ट्रीट में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार, बम्बई में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
31-1-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उधापधारा (1).
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती खतिजाशाई-इस्माईल अब्दुल कादर राजा की
पत्नी (अन्तरक)
2. श्री गुलामअली कादर भाई नूत और अन्य (अन्तरिती)
3. किराएदार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों कर, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वह तमाम भागहिन 1/3 शेर, हक हुदादा और लन जमीन
का वह टुकड़ा या भाग जिसके प्रीन्सेस स्ट्रीट इस्टेट के प्लाट नं०
116 और 126 है जो अब बारोआ मेन्यान से जात है जो माप
से 871 वर्गगज 728:24 वर्गमीटर या उसके समकक्ष है जो
भूराजस्व संग्रहक के पुस्तकों में नया सर्वे नं० 1926 और
1964 और बाकी बचा हुआ जमीन का अंग

जिसका सर्वे नं० 1936 और केडेस्ट्रेला सर्वेक्षण क्र० 1
मांडवी डिवीजन वहां पर बनी गृह वाटिका तिवास गृहों सहित कर-
निर्धारित महानगरपालिका बृहन्मुंबई के 3(बी०) वार्ड नं०
1 से 5 और स्ट्रीट नं० 343 से 353, 130 से 146, 160
से 166 और वह इमारत जो अब्दुल रहमान स्ट्रीट पर और
श्रीर कर्नाक रोड पर स्थित है रजिस्ट्रेशन जिला और उप-जिला
बम्बई में है और निम्न प्रकार से घिरा हुआ है अर्थात् पूर्व की ओर
से बालू सारंग स्ट्रीट पश्चिम की ओर से अब्दुल रहमान और उत्तर
की ओर से पिंजरा स्ट्रीट और दक्षिण की ओर से कर्नाक रोड द्वारा।

एन० के० शास्त्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई।

तारीख: 29-8-1975

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

1. श्री राम चन्द्र और अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 अगस्त 75

निर्देश स० 59-एम०/अर्जन—अतः मुझे विश्वभर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या मकान 196-डी०-7 है तथा जो किशरोल मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-2-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य; उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप में कथित महीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के धार्यात्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना आदिर था, छिपाने में सुविधा के लिए:—

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधित:—

2. श्री मुहम्मद उमेर और अन्य (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दो मंजिला मकान न० 196-डी० 7 जो कि 781 वर्ग गजं जो कि मुहल्ला किशरोल में स्थित है।

विश्वभर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 19-8-75

मोहर:

प्रलेप शाई०टी०एन०एस०

1. श्री राधा वल्लभ जोशी (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा-269प (1) के अधीन सूचना

2. ममर्स सरस्वती बूलीन मिल प्र० लि० (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 अगस्त 1975

निर्देश स० 75-एस०/अर्जन—अतः मुझे विश्वास नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० मकान है तथा जो ग्राम ज़िलोरी जि० अलमोरा में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलमोरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-2-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों), और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आकितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

विश्वास नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जो सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का जो 'उक्त अधिनियम' के प्रधान 20-क में परिचायित है, वही अर्थ होता, जो उस प्रधान में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान, जो कि $12 \times 18'$ और डिग्री $6 \times 4'$ फुट है जो कि ग्राम ज़िलोरी जि० अलमोरा में स्थित है।

तारीख: 19-8-75

मोहर:

इत्यर्थ आई० टी० एव० एस०————

1. श्रीमती हनीफा खानम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत बाजार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 अगस्त 1975

निर्देश सं 10-टी०/अर्जन—प्रत: मुझे विश्वास्थर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विषयात् करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- वा ऐसे विषय है और जिसकी सं मकान है तथा जो अवेशान में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बृजा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 24-2-75

को पूर्णतः उपलिखित करने के उपरान्त प्रतिक्रिया के बिंदु अस्तित्व की वर्ती है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पन्थ अविवरण से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पावा वाला प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है:—

(अ) प्रतिक्रिया से ही किसी धार्य की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायिक्ति में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी धार्य की धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धार्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्ष विवरण प्रक्रिया में सुविधा के बिंदु;

प्रत: जब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित अस्तियों, वर्णता:—

13—256GI/75

2. श्रीमती लिलत मुलताना खानम (प्रत्यक्षिती)

जो यह सूचना आरी करके पूर्णतः सम्पत्ति के अंजन के लिए कायंवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी अस्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में स्थाप्त होती हो, के भीतर पूर्णतः अस्तियों में से किसी अवित द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य अस्तियत द्वारा, प्रभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

उपलिखित:—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-का में परिभाषित हैं, वही पर्यंत होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुसूची

एक किता मकान जो कि मुहल्ला अवेशान जिला बुलन्दशहर में स्थित है।

विश्वास्थर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मर्जन रेज, लखनऊ

तारीख: 14-8-75

मोहर:

प्रस्तुत आईटी०एन०एस०

1. शंकर इन्टप्राइज

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

2. श्री हिम्मत सिंह

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 अगस्त 1975

निर्देश सं० १४-एच०/अर्जन—अतः मझे, विश्वभर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है), की विधा न० 269-व्ही के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी न० 16 है तथा जो ग्राम मोदनपुर में स्थित है
और इससे उपावल अनुसूची में और पर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के पार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-7-5
को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि प्रथापर्वत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में ही किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन 'कर देने' के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें
न्यून में सुविधा के लिए; और/या

(व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को न्यूने भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
वा अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगजार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या पा किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सविधा के लिए।

अतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम,
की विधा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित
व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिनों की अवधि यां तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पर्याकृत व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदेह किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अदोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 2-क में परिभ्राप्त
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्राराजी 5 बीघा 3 बिस्ता 14 विसानसीमय इमारत
कोल्डस्टोर्जो कि 500 स्क्रेवर यार्ड में है; यह ग्राम
मोदनपुर बरेली में स्थित है।

विश्वभर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख: 19-8-75

द्वे:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती कर्मलम, आरीयगौन्डमपट्टी (अन्तर्गत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

प्राप्त भवकार

(2) श्री तिष्प नविकर, सेलम (अन्तर्गत)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नियोक्ता)

अर्जन रेज-1 मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता है।

मद्रास, दिनांक 8 सितम्बर, 1975

निर्देश नं. XV/11/22/74-75—यतः मुझे, जी
रामनाथन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स. 347/1 आरीयगौन्डमपट्टी है, जो आरीयगौन्डमपट्टी में अर्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नामगिरिपट्टे में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16 जनवरी 1975 को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति द्वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर भूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर नूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कियी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात्र लिखित रूप से किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में वरिचावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचा।

सेलम, जिला आरीयगौन्डमपट्टी गांव एस० सं० 347/1 में 7.28 एकड़ खेती का भूमि में 1/3 भाग।

जा० ३१वनाशन
सक्षम आदिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (नियोक्ता),
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख: 8-9-75

मोदूर:

प्रकाश आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 1, मद्रास
मद्रास, दिनांक 8 सितम्बर, 1975

निर्देश सं. XVI/11/21/74-75—यतः मुझे, ची० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक।

और जिसकी सं. 347, आरीयगोन्डमपट्टी है, जो आरीयगोन्डमपट्टी में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित नहै), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, नामगिरिपट्टै में भारतीय रजिस्ट्री अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जनवरी, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय पा किसी बन या अन्य वास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती कमलम, सेलम जिला (अन्तरक)
(2) श्री भूम्म नायकर, आरीयगोन्डमपट्टी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के पर्यावर के लिए उत्पादार कार्यवाहियाँ तुल करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रौद्यतावाही के पास सिद्धि में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यात्रा-परिभाषित है, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिला, नामगिरिपट्टै, आरीयगोन्डमपट्टी भाव एस० सं. 347 में 7.28 एकड़ बत्ती का भूमि में 1/3 भाग।

जी० रामनाथन
सभम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1 मद्रास।

दिनांक 8-9-1975
मोहर:

प्रकाश पाई० टी० एव० एप०—

प्रावक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
बास 269-व (1) के पर्वीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, बहावल प्रावक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रधन रेज, I मद्रास

बास, विपाक 8 सितम्बर 1975

निर्देश नं. /11/20/74-75—यस: मुझे, जी०
रामनातन

प्रावक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विधि इवमें इपके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की बारा 269-व के पर्वीन संकलन प्राविकारी को, वह विश्वास करने का कारब है कि उक्त अधिनियम, विधित बाजार मूल्य 25,000/- ए० वे अधिक है और जिसकी सं० 347/1, प्रारीयगौन्डमनपट्टी है, जो प्रारीय-गौन्डमनपट्टी में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पर्याप्त से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नामगिरिपट्टे में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 10 वर्षावी, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की जाई है और मुझे वह विश्वास करने का कारब है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यक्ष प्रतिक्रियता से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरक के लिए तथा पाया जाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त प्रन्तरक लिखित में घासतविक रूप से वर्णित वही किया जाया है:—

(क) प्रन्तरक से ही किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम, के पर्वीन वर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बाब वा दृश्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रावक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया जाया था या किया जाना चाहिए था, किसाने में सुविधा के लिए;

यस: यह उक्त अधिनियम, की बारा 269-व के प्रन्तरक में, मैं, उक्त अधिनियम, की बारा 269-व की उपधारा (1) कार्यालय, निम्नलिखित अधिकारी, प्रवात:—

(1) भीमती कमलम, प्रारीयगौन्डमनपट्टी (प्रन्तरक)

(2) भी प्रसन्निसामी, प्रारीयगौन्डमनपट्टी (प्रन्तरिती)

जो वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधन के लिए बाबेंद्राहिया बुद्ध बरता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रधन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाब में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्यय अविक्त द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एप्पलीकेशन ——इसमें प्रयुक्त प्रब्लों और प्रब्लों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में प्रथा-परिभाषित हैं, वही धर्य होगा जो उस प्रधायाय में विया गया है।

मनुसूची

सेम्म जिला, नामगिरिपट्टे, प्रारीयगौन्डमनपट्टी, गांव एस० सं० 347/1 में 72-8 एकड़ खेती का भग्नि में 1/3 भाग।

जी० रामनातन
सक्रम प्राविकारी,
सहायक प्रावक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेज 1, मद्रास।

तारीख: 8-9-75

मोहर:

प्रकाश प्राईंट टी० एन० एस० —

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार.

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायकर (निरीक्षण)
ग्रन्जन रंज- , मद्रास

मद्रास, दिनोंके 8 सितम्बर, 1975 .

निर्देश सं० 11/1.9/74-75—यत्, मुझे, जी०
रामनालन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43),
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ग के अधीन संश्लेषणार्थी को यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थानकर्ता सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० तीप्पट्टी गांव, सेलम-जिल्ला है, जो सेलम जिल्ला
में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण
क्षुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाम-
गिरिपेट्टे में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 16 जनवरी, 1975

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं कियो गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

मत: अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग की उपघारा

(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कैलासनालन, मूलकुरिची (अन्तरक)

(2) श्रीमती कर्मलम, तोप्पटी, सेलम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां प्रारूप करता है ।

उक्त सम्पादन के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिनों की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
ताभील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिनों के भीतर उक्त स्वायत्र सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जाएं सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के प्रध्याय 20-क में यथाप्रिभवित
हैं, वही प्रथा होगा, जो उस प्रध्याय में
देया गया है ।

अनुसूची

सेलम जिल्ला, नामगिरिपेट्टे, तीप्पटी गांव में 2.23
एकड़ खेती का भूमि (एस० सं० 35/1-1.89 एकड़ + एस०
नं० 36/2-0.05 + एस० नं० 36/2-0.19 + एस०
नं० 36/2-0.10) ।

जी०-रामनालन
संश्लेषणार्थी
सहायक प्रायकर प्रायकर (निरीक्षण)
ग्रन्जन रंज-1, मद्रास ।

तारीख : 8-9-75 :

मोहर :

प्रकृष्ट आई०टी० एन०८ एस०८

(1) श्री कैलासनारायण, मेल्लकुरिच्ची

(अन्तर्कं)

बायकर, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आगे 269-व (1) के अधीन सचिव

(२) श्रीमती कमलम. तोष्पटटी गांव (ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कायालिंग, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण) अर्जन रंज-1, मद्रास

मध्यसंस्कृत दिनांक ४ सितम्बर १९७५

निर्देश सं. XVI / 11/18/74-75—यतः, मुझे, जी०
रामनाथम्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन संक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसको उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० तोप्टी गांव, सेलम जिल्ला है, जो सेलम जिल्ला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पर्याप्त रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नामिगिरिपेटटै में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जनवरी, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरको) और अन्तरिदी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरश्लेषण लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कियो करमें या उससे बचने में सुविधा के लिये: और/या

(ब) ऐसी किसी आव्याय-किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आद्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सेविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह मूल्यना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अज्ञन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आँखें :-

(क) इस सूचना के रॉजपैट में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तात्पुरी से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्याहस्ताक्षरी के पास लिखित प्रैं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 का में यथाप्रिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अंतस्त्री

सेलम जिल्ला, नामगिरिपेटटै, तोप्पटी गाव में 2.09
एकड़ खेती का भूमि (एस० स० 37/5—2.04 एकड़
+ एस० स० 36/2—0.05)।

जी० रामनातन
सक्षम प्राधिकारी

तारीख : 8-9-1975

मोहरः

प्रस्तुत प्राई. टी. एन. एस. —

आवकार प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के प्रधीन सूचना

वार्ता बाजार

कार्यालय, बाबाबद आवकार प्रामुक्त (निरीक्षण).

मर्जन रेंज, ग्रमताल

ग्रमताल, दिनांक 4 सितम्बर, 1975

निर्देश सं. ए० ए०स०ग्राम०/१३७/७५-७६—यतः मुझे
बी० ग्राम० सगर

आवकार प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-प के प्रधीन सूचना प्राधिकारी को मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य रु. 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं. प्लाट नं. 11 है जो शिवाला भाईयां ग्रमताल में स्थित है (और इससे उपावद ग्रन्तियां में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, ग्रमताल में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी, 1975 को

प्रूवोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि वशाप्रूवोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थह प्रतिशत अधिक है और ग्रन्तक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया जया है:—

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त प्रधिनियम', के प्रधीन कर देने के अन्तरके द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आवकार प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः इस उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के ग्रन्तरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अवधारित:—

1. बलजीत सिंह पुरुष श्री कुलबीर सिंह श्रीमती सुनिता और पुत्री मेजर बीर सिंह, 21, कैन्ट, ग्रमताल, मार्फत श्री रणबीर सिंह (ग्रन्तरक)

2. कवर बलकार सिंह पुरुष श्री बड़क सिंह श्रीमती सुरिन्दर और पत्नी कंवर बलकार सिंह, 330 तिलक नगर, ग्रमताल (ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं. 2 पर है (वह अवित्त जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई अवित्त यो सम्पत्ति में इच्छा रखता हो (वह अवित्त, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में छिटबद्ध है)

जो वह सूचना जारी करके प्रूवोक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए में कोई भी अवित्त:—

(क) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि वा तत्संबंधी अवित्तियों पर ग्रन्त द्वारा की ताम्रील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रूवोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिटबद्ध किसी ग्रन्त अवित्त द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रधीकरण:—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

ग्रन्तसूची

प्लाट नं. 11 शिवाला भाईयां, ग्रमताल जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 3563 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, ग्रमताल में लिखा है।

बी० ग्राम० सगर
सभम प्राधिकारी,
ग्रहामक आवकार प्रामुक्त (निरीक्षण)
मर्जन रेंज, ग्रमताल

दिनांक: 4 सितम्बर, 1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 सितम्बर 1975

निदेश सं० ए०एस०आर०/138/75-76—यतः मुझे, वी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 10 है, जो शिवाला भाईयां, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

14—256GI/75

(1) श्री बलजीत सिंह पुत्र श्री कुलवीर सिंह श्रीमती सुजित कौर पुत्री मेजर वीर सिंह 21, केट अमृतसर माफ़त श्री रणवीर सिंह (अन्तरक)

2. श्री विजय मोहन अग्रवाल पुत्र श्री वशी राम अग्रवाल, 105 लारस रोड, अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 10 शिवला भाईयां, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3567 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में लिखा है।

वी० आर० सगर,
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 4-9-75

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रृष्ठा आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 सितम्बर, 1975

निवेश सं० ए०ए०स०आर०/139/75-76—यतः, मुझे, वी० आर० सर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 44 है, जो आर० वी० प्रकाश चन्द्र रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में और पृष्ठ रूप से अंगित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरके दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए आ छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मोहिन्द्र चन्द्र मेहरा पुत्र श्री आर० वी० लाल चन्द्र मेहरा, माल रोड, अमृतसर (अन्तरक)
2. श्री नारायण दास पुत्र श्री विश्वन दास 32, आर० वी० प्रकाश चन्द्र रोड, अमृतसर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में गच्छ रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताभारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 44, आर० वी० प्रकाश चन्द्र रोड, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीक्युल विलेख नं० 3272 जनवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में लिखा है।

श्री० आर० सर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 4-9-75

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 सितम्बर, 1975

निदेश सं० जी०डी०बी०/140/75-76—यतः मुझे, बी०
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० धरती जो गिदड़वाहा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गिदड़वाहा में रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगीर सिंह नसीब सिंह और गरदेव सिंह पुत्र श्री जंग सिंह, नछतर सिंह पुत्र श्री मुखित्यार सिंह, विकट सिंह पुत्र श्री बलबीर सिंह, गज सिंह पुत्र कोइंड सिंह बासी गिदड़वाहा जिला फरीदकोट (अन्तरिक्त)

2. श्री नन्द लाल या हरनन्द लाल, टेक चन्द पुत्र खेम चन्द मार्केत मैसर्स मुंशी लाल रमेश चन्द, कमीशन एजेंट्स गिदड़वाहा मंडी, गिदड़वाहा (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती खसरा नं० 548 गिदड़वाहा जैसा कि रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 831 जनवरी 1975 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गिदड़वाहा में लिखा है।

बी० आर० सगर,
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 4-9-75

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 सितम्बर 1975

निदेश सं० A S R/141/75-76— यतः मुझे,
बी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 1/2 कोठी नं० बी०-XIII -16-S-15,
हुक्म सिह रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, जनवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
कायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना
चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः:—

1. श्रीमती मेला देवी विधवा श्री हंस राज कालरा वासी
हुक्म सिह रोड, अमृतसर। (अन्तरक)
2. श्री किशन सिह पुत्र श्री देवा सिह वासी गांव कुटीवाला
त० पट्टी (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के
यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्राधी कोठी नं० बी० XIII-16-S-15 हुक्म सिह रोड,
पतमूसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3559 जनवरी, 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में लिखा है।

बी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 4 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 सितम्बर 1975

निदेश सं० ASR/142/75-76—यतः मुझे बी० आर०

सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 कोठी जो नं० बी० XIII - 16-5-15 हुक्म सिंह रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 190 (1908 का 16) के आधीन जनवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा, 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथाः—

1. श्रीमती मेला देवी विधवा श्री हंस राज कालरा वासी हुक्म सिंह रोड, अमृतसर (अन्तरक)

2. श्रीमती सतवंत कौर पत्नी श्री गुरमुख सिंह वासी गांव कलेर त० पट्टी। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

प्रष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 कोठी नं० बी-XII-116-S-15 हुक्म सिंह रोड, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3560 जनवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में लिखा है।

बी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 4 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 सितम्बर 1975

निदेश सं० ASR/143/75-76—यतः मुझे वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति है जो जी० टी० रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यहां पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्ज यूनाईटेड मैकैनिकल वर्क्स जी० टी० रोड, मार्फेत श्री हरी सिंह पुत्र श्री नानक सिंह वासी बहादुर नगर और परमजीत सिंह पुत्र श्री प्रियपाल सिंह बाजार चौल मंडी और श्री अमर सिंह पुत्र श्री ठाकुर सिंह वासी पुतली घर, अजादनगर, अमृतसर ।
(अन्तरक)

2. श्री निर्मल सिंह और मनमोहन सिंह पुत्र श्री प्रियपाल सिंह चौल मंडी पी० ओ० ओसाहन रटील इण्डस्ट्रीज, अमृतसर ।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोइस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजैन के लिए कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अजैन के सम्बन्ध में कोई भी आंशिक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3534 जनवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में लिखा है ।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर ।

तारीख : 4 सितम्बर, 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269(च) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, अमृतसर
 अमृतसर, दिनांक 4 सितम्बर 1975

निर्देश सं० PHG/144/75-75—यतः मुझे बी० आर०
 सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 25-ए है तथा जो माडल टाउन, फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति:—

1. श्री बलवहादर सिंह पुत्र श्री परदुमन सिंह बासी फगवाड़ा (अन्तरक)
2. श्री बंसी लाल पुत्र श्री चोद्धा राम पुत्र श्री दौलत राम मार्फत मैसर्ज, युफटीयर कलाश हाउस, फगवाड़ा।
3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति, जिसके अब्दधभोग में सम्पत्ति है)।
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति से रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाट में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची
 धरती का टुकड़ा न० 25-ए० माडल टाउन फगवाड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1746, 1747, 1748 जनवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा में लिखा है।

बी० आर० सगर
 सक्षम प्राधिकार
 सहायक आयकर आयुक्त (निक्षीरण)
 अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 4 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 सितम्बर, 1975

निदेश सं० MLT/145/75-76—यतः मुझे वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पष्ट से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति है जो मंडी रोबू मलोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मलोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था; छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चरणजीत लाल पुत्र श्री गणेश मल, श्री सोहन लाल पुत्र श्री गणेश मल वासी मलोट मंडी अब वासी हनूमान गढ़ जिला श्री गंगानगर। श्री मदन लाल मार्फत मोहन लाल पुत्र श्री गणेश राम पुत्र श्री मीदा मल वासी मलोट मण्डी, अब हनूमान गढ़ (अन्तरिती)

2. श्री मिता लाल खूराना पुत्र श्री शगन लाल, राजकुमार पुत्र श्री शगन लाल, श्री देस राज पुत्र श्री शंकर दास वासी मलोट मण्डी।

3. जैसा कि नं० 2 पर है

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2138, 2139 2140 जनवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मलोट में लिखा है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 4 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 सितम्बर 1975

निदेश सं० PHG /146-75-76—यतः मुझे वी० प्रार०
सगर

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है और जिसकी सं० धरती का टुकड़ा है तथा जो जी० टी० रोड़, फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख, जनवरी, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रेक्षण नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः यदि 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

15-256 GI/75

1. श्री गुरवियाल सिंह, दस्तियाल सिंह पुत्र श्री सावू सिंह श्रीमती हरबंस कौर विधवा श्री साधु सिंह वासी फगवाड़ा।

2. श्रीमती प्रीमत कौर पत्नी श्री ऐर सिंह पुत्र श्री हरी सिंह गांव जोहल जिला जालंधर (अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि नं० 2 पर है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारेमें अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वास्थ्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1884 जनवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा में लिखा है।

वी० प्रार० सगर
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 4 सितम्बर, 1975

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 सितम्बर 1975

मिदेश सं० पी० एच० डी०/147/75-76—यतः मुझे वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती का टुकड़ा है तथा जो जी० टी० रोड, फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती हरवंस कीर विधवा थी माधू मिह वासी फगवाड़ा (अन्तरक)

2. श्री शेर सिंह पुन श्री हरी सिंह पुन श्री उत्तम सिंह वासी गांव जोहल जिला जालंधर। (अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि न 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में इच्छा रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1886 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा में निखा है।

(वी० आर० सगर)

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 4 सितम्बर 1975

मोहर :

प्रूप श्राई०टी०एन०एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 सितम्बर 1975

निदेश सं० पी० एच० डॉ०/148/75-76—यतः मुझे
वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा, 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती का टुकड़ा है तथा जो जी० टी० रोड, फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राहीतः—

1. श्री हरशियाल सिंह पुत्र श्री साधू वासी फगवाड़ा (अन्तरक)
2. श्रीमती जोगिन्द्र कौर पुत्र श्री हरी सिंह पुत्र श्री उत्तम सिंह गांव जोहल जिला जालंधर। (अन्तरिती)
3. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि कि न० 2 पर हैं (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
4. श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'आयकर अधिनियम', 1961 (1961 का 43) के 'अध्याय' 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख न० 1885 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा में लिखा है।

(वी० आर० सगर)
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 4 अक्टूबर 1975

मोहर:

प्रख्युप आई० दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269- घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 सितम्बर 1975

निदेश न० एफ०डी०के० / 150/75-76—यतः मझे श्री० आर० सगर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० धरती है तथा जो खुण्डेहलाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से में वर्णित है), रजिस्ट्री-वर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर आधानियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपद्धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

1. श्रीमती प्रीतम कौर पत्नी श्री शमिदेर पाल सिंह पुत्र भाई जभरजांग सिंह वासी मुक्तसर (अन्तरक)

2. श्री जी० सी० हरप्रित सिंह पुत्र श्री बरिन्द्र पाल सिंह वासी खुण्डेहलाल ता० मुक्तसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है

4. श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हच्छ रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

इकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 2642 जनवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मुक्तसर में लिखा है।

(बी० आर० सगर)
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 4 सितम्बर 1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मुक्तसर

मुक्तसर, दिनांक 4 सितम्बर 1975

निदेश सं० न० एफ०डी०के० / 151/75-76—यतः मुझे
बी० आर० सगर आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त
अधिनियम कहा गया है), की धारा

269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० धरती है तथा जो गांव खुंडे हालाल में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी,
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
यत पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

यतः यब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों का शर्ताति :-

1. श्रीमती प्रीतम कौर पत्नी श्री गमिन्दर पाल सिंह पुत्र
भाई जमरजंग सिंह वासी, मुक्तसर
(अन्तरक)

2. श्री जी० सी० हरप्रित सिंह पुत्र स० वरिंद्र सिंह पुत्र भाई
जमरजंग सिंह वासी खुंडे हालाल त० मुक्तसर
(अन्तरकी)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि न० 2 पर है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में स्वच-
रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख न० 2626 जनवरी
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मुक्तसर में लिखा है।

(बी० आर० सगर)
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमतसर।

तारीख : 4 सितम्बर 1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269- घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 6 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 20-75-76/ IAC(A/R)BBSR—

यतः मुझे, जि० वि० चान्द आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० न० धाना न० 214, है, जो बाहार किशिनबर, (कटक टायून) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जिला सब-रजिस्ट्रार कटक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14 मई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के काय के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन य अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों यथार्थतः—

1. (1) श्री भावग्राहि सिंह
(2) गोव्हेर्णि देओ और 22 आदमी (अन्तरक)

2. (1) नन्द किशोर अग्रवाल
(2) विनोद कुमार अग्रवाल
(3) कमल कुमार अग्रवाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई भी हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिकृताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन श्रीर मकान कटक टायून का बाजार किशिनबर में स्थित है। वह जमीन 14-5-1975 तारीख में कटक जिला-सब-रजिस्ट्रार अजिस में रजिस्ट्रारहुशा, जिसकी डाकुमेंट न० 2824 है।

जि० वि० चान्द,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भुवनेश्वर

तारीख : 6 सितम्बर, 1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जयपुर

जयपुर, दिनांक 9-9-75

निर्देश सं० राज०/सहा० आय० अर्जन/273—यतः, मुझे,
सी० एस० जैन, आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को अ यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो राजेन्द्र मार्ग, भीलवाड़ा में स्थित है,
(और इससे उपावद्ध अनुभूति में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय भीलवाड़ा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 जनवरी, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
यतः पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन य अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर आयानियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
सुविधा के लिए।

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती शांता देवी पत्नी प्रकाशचन्द जी
कोठारी

(2) (i) श्री जय कुमार पुत्र श्री शानमल जी कोठारी
एव (ii) श्रीमती पृष्ठलता कोठारी पत्नी श्री भागचन्द
जी ठोठारी सान्नेदारी मैसर्स विजय आइल मिल्स, भीलवाड़ा
(अन्तरक)

2. (1) मैसर्स महावीर आइल मिल्स भीलवाड़ा,

2. श्री शातिकूमार सान्नेदार मैसर्स महावीर आइल
मिल्स, भीलवाड़ा (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन, भवन, प्लाट एण्ड मशीनरी जो पूर्व में मैसर्स विजय
आइल मिल्स, भीलवाड़ा के स्वामित्व/अधिभोग में थी एवं राजेन्द्र
मार्ग भीलवाड़ा पर स्थित है।

सी० एस० जैन,
सक्षम प्राधिकारी,
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण))
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 9 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्राप्त आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 सितम्बर 1975

निदेश सं० ए० सी० क्य०-२३-१-५०२(२२०)/१-१/७४-७५-
यतः, मुझे, जे० कथूरिया,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० एफ० पी० न० १३७/१, बी०, न्य० संसास नं०
२१०४ और २१०४/१, टी० पी० एस० न० ३, है, जो एलिसब्रिज
अहमदाबाद में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अन्सूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन, 6 जनवरी, 1975को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह से प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

16—256GI/75

(1) श्री हुसेन मोहमद नजीर शेख ए/2, इलाईट अपार्टमेंट्स, डफनाला के पास, शाहीबाग, अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) मैसर्स रोहित प्रस्टेट एजेंट्स (पर्स) [जिसके हैं ओफीस का पता:—

अलंकार सिनेमा के पास, ६६५, कपास्या बाजार, अहमदाबाद है]
की ओर से भागीदार है:श्री चन्द्रकांत धनसुखभाई संघवी १, शांदी नगर सोसाइटी
उसमानपुरा, अहमदाबाद-१३ (अन्तरिती)की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय २०-क में यथा
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वह समस्त भूमि का भाग अथवा खण्ड (बांधकाम सहित)
जिसका एम० सी० न० २१०४, तथा २१०४/१, नवरंगपुरा
अहमदाबाद है और जिसका कुल क्षेत्रफल ५८९ बगैं गज है और
जो बांधकाम के साथ है, तथा जिसका फायनल प्लाट न० १३७/
१/बी, टी० पी० स्कीम न० २ है जो एलिसब्रिज, अहमदाबाद में
में स्थित है।जे० कथूरिया,
सभम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद।

तारीख: 4 सितम्बर, 1975

मोहूर:

प्रस्तुप आईडी०एन०एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 सितम्बर, 1975

निर्देश सं० ए० पी०-1189—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार, सहायक अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है [और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3006, दिसम्बर 1974 में लिखा है तथा जो हरदोधाला में स्थित है (और इससे उपाबबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, दसूहा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बात उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (I) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती तेज कौर विधवा बसन्त सिंह सुपुत्र बधावा सिंह हनिवासी हरदोधाल, तहसील दसूहा। (अन्तरक)

2. श्री जागीर सिंह सुपुत्र श्री सौदागर सिंह, गांव बाहुगर डाकखाना मकेरियां, तहसील दसूहा। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जातता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3006 दिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी दसूहा में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 5 सितम्बर, 1975
मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 23rd August 1975

No. P/1859-Admn.I.—Shri V. N. Vaidyanathan, Asstt. Planning officer in the Directorate General, A.I.R. assumed charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 7th August, 1975, until further orders.

P. N. MUKHERJEE
Under Secretary
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 28th August 1975

No. A.32014/1/75-Admn.III.—In partial modification of this office notification of even number dated 12th June 1975, the President is pleased to appoint Shri S. P. Mathur, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the Service for a period from 2nd June 1975 to 29th August 1975 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE
Under Secretary
(Incharge of Administration)
Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT
(DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE
REFORMS)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 26th August 1975

No. PF/S-243/73-Ad.I.—Shri S. K. Choudhury, an officer of West Bengal State Police on deputation to CBI as Inspector of Police, has been relieved of his duties in the CBI Calcutta on the afternoon of 30th June, 1975 on attaining the age of superannuation. He will avail of the refused leave for 100 days with effect from 1st July, 1975.

The 1st September 1975

No. K-11/71-AD-V.—Consequence on his repatriation to Delhi Police, Shri B. R. Ahuja, Dy. S.P., C.B.I. relinquished the charge of the office of the Dy. S.P. in the C.B.I. on the forenoon of 13th August 1975.

G. L. AGARWAL
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation

CENTRAL FORENSIC SCIENCE LABORATORY

New Delhi-110022, the 21st August 1975

No. 1-9/70/CFSI/5717.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri G. D. Gupta, Senior Scientific Assistant, Central Forensic Science Laboratory, C.B.I., New Delhi as Junior Scientific Officer (Biology), in the Central Forensic Science Laboratory, Central Bureau of Investigation, New Delhi with effect from 1st August, 1975 (forenoon) on *ad-hoc* basis until further orders.

G. L. AGARWAL
Administrative Officer (E)/CBI
for Director/C.B.I.

New Delhi-110022, the 21st August 1975

No. 1-9/70-CFSI/5718.—Consequent on his appointment as Assistant Director (Biology), State Forensic Science Laboratory, Haryana, Rohtak, Shri M. B. Rao, has been relieved

of the office of Junior Scientific Officer (Biology), Central Forensic Science Laboratory, C.B.I., on the afternoon on 31st July 1975.

G. L. AGARWAL
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 25th August 1975

No. E-38013(3)/3/75-Ad.I.—On transfer to Bhilai, Shri A. S. Shekhawat, relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Durgapur Steel Plant, Durgapur with effect from the afternoon of 2nd July 1975.

No. E-38013(3)/3/75-Ad.I.—On transfer from Bhilai, Shri Z. S. Sagar, assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Bokaro Steel Limited, Bokaro Steel City with effect from the Forenoon of 6th August 1975.

The 28th August 1975

No. E-31013(2)/5/74-Ad.I.—The President is pleased to appoint Inspector P. N. Deo, to officiate as Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Bharat Coking Coal Ltd, Jharia with effect from the Forenoon of 8th August 1975, until further order, who assumed the charge of the post with effect from the same date.

No. E-38013(3)/8/75-Ad.I.—On transfer to Calcutta, Shri K. P. Nayak, Assistant Commandant, Central Industrial Security Force, Durgapur Steel Plant, Durgapur relinquished the charge of the post with effect from the afternoon of 16th August 1975.

No. E-31013(2)/5/74-Ad.I.—The President is pleased to appoint Inspector K. S. Minhas to officiate as Assistant Commandant, Central Industrial Security Force, Unit, National Fertilizer Limited, Bhatinda with effect from the Forenoon of 8th August 1975, until further order, who assumed the charge of the post with effect from the same date.

L. S. BISHT
Inspector General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 26th August 1975

No. 10/6/75-Ad.I.—In continuation of this Office Notification No. 10/6/75-Ad.I dated the 14th February 1975, the President is pleased to continue the *ad-hoc* appointment of Shri S. N. Chaturvedi as Deputy Director (Data Processing) in the office of the Registrar General, India with effect from the 17th August 1975 upto 16th November 1975.

BADRI NATH
Deputy Registrar General, India &
ex-officio Deputy Secretary

SARDAR VALLABHBHAI PATEL NATIONAL POLICE
ACADEMY

Hyderabad-500252, the 25th August 1975

No. 41/8/75-Estt.—On transfer from the I.P.S. Cadre of Andhra Pradesh, Shri Janak Raj, I.P.S. (1966—A.P.), assumed charge of the post of Assistant Director in the Sardar Vallabhbhai Patel National Police Academy, Hyderabad, with effect from 20th August 1975 A.N.

S. M. DIAZ
Director

MINISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)
INDIA SECURITY PRESS
Nasik Road, the 28th August 1975

No. 736/(A).—In continuation of notification No. 3495/(A) dated 28th February 1975 the *ad-hoc* appointment of Shri Ranganath Laxman Gokhale as Stores Officer is further extended up to 30th September 1975 on the same terms and conditions or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

V. J. JOSHI
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, WEST
BENGAL.

Calcutta-1, the 18th March 1975

No. Admn.I/1038-XII/4968.—The Accountant General, West Bengal has been pleased to appoint the following permanent Section Officers to officiate as Accounts Officers in temporary capacity with effect from the date/dates on which they actually take over charge as Accounts Officers hereafter in this office/Office of the Accountant General, Central, Calcutta until further orders:—

S/Shri

1. Bhutnath Das
2. Subodh Kumar Chakravorty
3. Himangshu Kumar Roychoudhury
4. Nikhil Ranjan Sengupta.

The *inter-se* seniority of the Officers will be intimated in due course.

The 3th April 1975

No. Admn.I/1038-XIII/140.—The Accountant General, West Bengal has been pleased to appoint Shri Rabindra Nath Dutta, permanent Section Officer to officiate as Accounts Officer in temporary capacity with effect from 8th April, 1975 or any date thereafter on which he actually takes over charge as Accounts Officer in this office until further orders.

The *inter-se* seniority of the officer in the Accounts Officers' cadre will be intimated in due course.

The 4th July 1975

No. Admn.I/1038-XIII/1284.—The Accountant General, West Bengal has been pleased to appoint the following permanent Section Officers to officiate as Accounts Officers in temporary and officiating capacity with effect from the date/dates they actually take over charge as Accounts Officer in the Office of the Accountant General, Central, Calcutta until further orders:—

S/Shri

1. Nepal Das Roy
2. Amalendu Bhattacharya

S/Shri Nepal Das Roy and Amalendu Bhattacharya on being released of their present charges may report to Dy. Accountant General (Admn.), Office of the Accountant General, Central for taking over charge as Accounts Officer against the existing vacancies in his office.

The *inter-se*-seniority of the officers will be indicated in due course.

The 1st August 1975

No. Admn.I/1038-XIII/1719.—The Accountant General, West Bengal has been pleased to appoint the following permanent Section Officers to officiate as Accounts Officers in temporary and officiating capacity with effect from 1st August 1975 or the date/dates they actually

take over charge as Accounts Officer in the Accountant General, West Bengal/Accountant General, Central, Calcutta as per indication against the officers concerned, and until further orders:—

Name of the promotee officers & Office in which they are to take over as Accounts Officer

1. Shri P. K. Ghosh Dastidar—Office of the Accountant General, West Bengal.
2. Shri A. K. Bhatta—Office of the Accountant General, Central.

S/Shri P. K. Khosh Dastidar and A. K. Bhatta on being released of their present charges may report to Sr. Dy. Accountant General (Admn.), Office of the Accountant General, West Bengal/Dy. Accountant General (Admn.), Office of the Accountant General, Central for taking over charge as Accounts Officer against the existing vacancy in the office of the Accountant General, West Bengal/vacancy arising in the Office of the Accountant General, Central from the transfer of U. Saha, Accounts Officer from that office to the Office of the Accountant General, West Bengal.

GHANSHIAM DAS
Sr. Dy. Accountant General (Admn.),
West Bengal

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR, SOUTHERN RAILWAY

Madras-3, the 27th August 1975

No. A/PC/MS/10968.—Shri M. Subramanian, a Permanent Member of the Subordinate Railway Audit Service in the Office of the Chief Auditor, Southern Railway is promoted to officiate as Audit Officer with effect from 19th July 1975 (Forenoon) until further orders.

Promotion made in this case is purely on *ad hoc* basis and shall be subject to the final orders of the Supreme Court.

K. P. JOSEPH
Chief Auditor

MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE
FACTORIES

Calcutta, the 21st August 1975

No. 30/75/G.—The President is pleased to delete the following provision from this Directorate Gazette Notification No. 15/72/G dated 17th April 1972 effecting confirmation in the grade of DADGOF/Dy. Manager.

"The confirmations ordered above are provisional and will be subject to the decision in the relevant cases pending with the Courts of Law."

No. 31/75/G.—The President is pleased to delete the following provision from this Directorate Gazette Notification No. 43/72/G dated 14th August 1972 effecting confirmation in the grade of Sr. DADGOF/Manager.

"The confirmations ordered above are provisional and will be subject to the decision in the relevant cases pending with the Courts of Law."

No. 32/75/G.—The President is pleased to delete the following provision from this Directorate Gazette Notification No. 41/73/G dated 28th August 1973 effecting confirmation in the grade of DADGOF/Dy. Manager.

"The confirmations ordered above are provisional and will be subject to the decision in the relevant cases pending with the Court of Law/Government on seniority."

No. 33/75/G.—The President is pleased to delete the following provision from this Directorate Gazette Notification No. 6/74/G dated 8th February 1974 effecting confirmation in the grade of Sr. DADGOF/Manager.

"The confirmations ordered above are provisional and will be subject to the decision in the relevant cases pending with the Courts of Law/Government on seniority."

M. P. R. PILLAI
Asstt. Director General
Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF
IMPORTS & EXPORTS

New Delhi, the 26th August 1975

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

ESTABLISHMENT

No. 6/258/54-Admn.(G)/9721.—On attaining the age of superannuation, Shri Y. G. Parthasarathy relinquished charge of the post of Dy. Chief Controller of Imports & Exports in the office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports, Madras on the afternoon of the 31st July, 1975.

B. D. KUMAR
Chief Controller of Imports and Exports

New Delhi, the 26th August 1975

No. 6/1038/74-Admn(G)/9694.—The Chief Controller of Imports and Exports hereby appoints Shri Baburao Kulkarni, Education Officer in the Central Board for Worker's Education (sponsored by the Ministry of Labour) as Controller of Imports and Exports Class-II in the Office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports, Bombay in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1st August, 1975, until further orders.

2. As Controller of Imports and Exports, Shri Baburao Kulkarni will draw pay according to rules in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

No. 6/1059/74-Admn(G)/9688.—The Chief Controller of Imports and Exports hereby appoints Shri S. Srivastava, Assistant Editor in the Ministry of Information and Broadcasting, New Delhi, as Controller of Imports and Exports Class-II in the Office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports, Bombay in an officiating capacity with effect from the forenoon of 6th August, 1975, until further orders.

2. As Controller of Imports and Exports, Shri S. Srivastava will draw pay according to rules in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

A. T. MUKHERJEE
Dy. Chief Controller of Imports & Exports
for Chief Controller of Imports & Exports

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400020, the 26th August 1975

No. Est.-I-2(452).—Shri M. Madurai Nayagam, Adviser (Cotton) in the office of the Textile Commissioner, Bombay, has been relieved of his duties in the forenoon of the 1st August, 1975 to take up on deputation, the appointment of Secretary, in the Handloom Export Promotion Council, Madras.

R. P. KAPOOR
Textile Commissioner

DEPARTMENT OF SUPPLY
DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND
DISPOSALS

New Delhi-110001, the 22nd August 1975

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

No. A-1/1(1014).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri K. S. Menon, Superintendent in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay to officiate on *ad hoc* basis as Assistant Director (Grade II) in the same office at Bombay with effect from the forenoon of 1st August, 1975 and until further orders.

2. The appointment of Shri K. S. Menon as Assistant Director (Grade II) is purely temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi.

No. A-1/1(1027).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri Jagdish Singh, Junior Field Officer in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate on *ad hoc* basis as Assistant Director (Grade II) in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 7th August, 1975 and until further orders.

2. The appointment of Shri Jagdish Singh as Assistant Director (Grade II) is purely temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi.

The 27th August 1975

No. A-1/1(949).—On his transfer from the office of the Director of Supplies and Disposals, Calcutta Shri H.S. Bhasin relinquished charge of the post of Assistant Director (Information Retrieval) (Grade I) at Calcutta on the afternoon of the 25th July, 1975 and assumed charge of the post of Assistant Director (Statistics) (Grade I) in the Directorate General of Supplies and Disposals, on the 26th July, 1975 (forenoon).

K. L. KOHLI
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

New Delhi-110001, the 22nd August 1975

No. A-1/1(1028).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri A. N. Mitra, Superintendent in the office of Director of Supplies and Disposals, Calcutta to officiate on *ad hoc* basis as Assistant Director (Grade II) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 12th August, 1975 and until further orders.

2. The appointment of Shri A. N. Mitra as Assistant Director (Grade II) is purely temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi.

The 28th August 1975

No. A-1/1(386).—The President is pleased to permit Shri M. S. Krishnamurthy, permanent Deputy Director (Grade II of Indian Supply Service, Class I) and officiating Director (Grade I of Indian Supply Service, Class I) in the Directorate General of Supplies and Disposals to retire from service with effect from the forenoon of 21st August, 1975 under FR. 56(k) on the expiry of three months notice given by him.

K. L. KOHLI,
Deputy Director (Administration)

MINISTRY OF STEEL AND MINES
(DEPARTMENT OF MINES)
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700013, the 22nd August 1975

No. 40/59/C/19A.—Shri S. P. Mallick, Superintendent Geological Survey of India, is appointed on promotion as Assistant Administrative Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 14th July, 1975, until further orders.

No. 40/59/C/19A.—Shri J. J. Chakraborty, Superintendent Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Administrative Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 30th July 1975, until further orders.

The 23rd August 1975

No 2222(HG)/19A.—Shri Harsh Gupta is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650 per month in the scale of pay of Rs 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 17th May 1975, until further orders.

No. 2222(KS)/19A.—Shri Karri Sivaji is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650 per month in the scale of pay of Rs 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 21st May, 1975, until further orders.

No 2222(MI)/19A.—Shri Md. Iqbal received charge of the post of Assistant Geologist in the Geological Survey of India on reversion from the Government of Nagaland, Geology & Mining Department, in the same capacity with effect from the forenoon of the 23rd October, 1974.

No. 2222(UPG)/19A.—Shri Uday Prakash Gupta is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650 per month in the scale of pay of Rs 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 26th May, 1975, until further orders.

No. 2222(VSM)/19A.—Shri V. Srinivasa Murthy, Sr. Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geologist in the same department on pay according to rules in the

scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in a temporary capacity with effect from the afternoon of the 16th May, 1975, until further orders.

V. K. S. VARADAN,
Director General

DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 27th August 1975

No. 4(50)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri S. Ravidas as Programme Executive, All India Radio, Kurseong in a temporary capacity with effect from the 15th July, 1975 and until further orders.

No. 5(102)/70-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Balaram Rai as Programme Executive, All India Radio, Kurseong in a temporary capacity with effect from the 15th July, 1975 and until further orders.

No. 4(105)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri H. T. Karande as Programme Executive, All India Radio, Bombay in a temporary capacity with effect from the 11th August, 1975 and until further orders.

The 28th August 1975

No. 5/31/67-SI.—Shri S. K. Mitra, *ad-hoc* Programme Executive, All India Radio, Kurseong relinquished charge of his post on the afternoon of 30th June, 1975 on his reversion to the non-Gazetted post of Transmission Executive at the same Station.

No. 5(35)/67-SI.—Shri A. N. Chattopadhyay, *ad-hoc* Programme Executive, All India Radio, Kurseong relinquished charge of his post on the forenoon of 30th June, 1975 on his reversion to the non-Gazetted post of Transmission Executive at the same Station.

No. 5(67)/67-SI.—Shri A. C. Mahajan, *ad hoc* Programme Executive Radio Kashmir, Srinagar relinquished charge of his post on the forenoon of 1st July, 1975 on his reversion to the non-Gazetted post of Transmission Executive at the same Station.

No. 5(92)/67-SI.—Shri Motea Ahmed, *ad hoc* Programme Executive, All India Radio, Patna relinquished charge of his post on the forenoon of 1st July 1975 on his reversion to the non-Gazetted post of Transmission Executive in the Commercial Broadcasting Service, All India Radio, Patna.

No. 6(8)/62-SI.—Shri C. Pancholi, *ad hoc* Programme Executive All India Radio, Ahmedabad relinquished charge of his post on the afternoon of 30th June, 1975 on his reversion to the non-Gazetted post of Transmission Executive at the same Station.

No. 6/64/63-SI.—Shri P. L. Sarin, *ad-hoc* Programme Executive, Radio Kashmir, Jammu relinquished charge of his post on the afternoon of 30th June, 1975 on his reversion to the non-Gazetted post of Transmission Executive at the same Station.

No. 6(80)/63-SI.—Shri D. Guruswami, *ad hoc* Programme Executive, Television Centre, All India Radio, New Delhi relinquished charge of his post on the forenoon of 1st July, 1975 on his reversion to the non-Gazetted post of Transmission Executive in the same office.

No. 6/83/63-SI.—Shri M. V. Seshachala, *ad hoc* Programme Executive, All India Radio, Bangalore relinquished charge of his post on the forenoon of 1st July, 1975 on his reversion to the non-Gazetted post of Transmission Executive at the same Station.

No. 6(85)/63-SI.—Shri R. S. Iyer, *ad hoc* Programme Executive, All India Radio, Trichur relinquished charge of his post on the forenoon of 1st July, 1975 on his reversion to the non-Gazetted post of Transmission Executive and transferred to All India Radio, Calicut.

No. 4/101/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Manbir Singh as Programme Executive, All India Radio, Gauhati in a temporary capacity with effect from the 23rd July, 1975 and until further orders.

No. 6/108/63-SI.—Shri K. R. Dalvi, *ad hoc* Programme Executive, All India Radio, Ahmedabad relinquished charge of his post on the 1st July, 1975 on his reversion to the non-Gazetted post of Transmission Executive at the same Station.

No. 6(111)/63-SI.—Shri S. V. Iyer, *ad hoc* Programme Executive, All India Radio, Pondicherry relinquished charge of his post on the afternoon of the 30th June, 1975 on his reversion to the non-Gazetted post of Transmission Executive at All India Radio Coimbatore.

No. 6/112/63-SI.—Shri V. R. Mhaske, *ad hoc* Programme Executive, All India Radio, Bombay relinquished charge of his post on the forenoon of 1st July, 1975 on his reversion to the non-Gazetted post of Transmission Executive at the same Station.

No. 6(120)/63-SI.—Shri S. B. Kar, *ad hoc* Programme Executive All India Radio, Gauhati relinquished charge of his post on the forenoon of the 1st July, 1975 on his reversion to the non-Gazetted post of Transmission Executive at the same Station.

The 1st September 1975

No. 5(65)/67-SI.—Shri J. K. Joshi, *ad hoc* Programme Executive, All India Radio, New Delhi relinquished charge of his post on the forenoon of the 1st July, 1975 on his reversion to the non-Gazetted post of Transmission Executive at the same Station.

No. 6(61)/63-SI.—Shri R. D. Bhatia, *ad hoc* Programme Executive All India Radio, Udaipur relinquished charge of his post on the afternoon of the 30th June, 1975 on his reversion to the non-Gazetted post of Transmission Executive at the same Station.

SHANTI LAL
Dy. Director of Administration
for Director General

New Delhi-110001, the 29th August 1975

No. 2/71/60-SII.—Director General, All India Radio hereby appoints Shri G. Ramalingam, Accountant, Commercial Broadcasting Service, All India Radio, Madras to officiate as Administrative Officer at Television Centre, All India Radio, Madras on a purely temporary and *ad hoc* capacity with effect from 18th August 1975 (F.N.), till further orders.

R. K. KHATTAR, Dy. Director of Admn.,
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 18th August 1975

No. 36-3/75-CHS.I.—Consequent on his transfer Dr. S. P. Agarwal, an Officer of G.D.O. Grade I of the C.H.S. assumed charge of the post of Deputy Medical Superintendent, Willingdon Hospital, New Delhi on the afternoon of the 28th February, 1975 and relinquished charge of the same post on the afternoon of the 27th June, 1975.

The 18th/29th August 1975

No. 36-3/75-CHS.I.—Consequent on the retirement of Dr. R. S. Nayyar, an Officer of G.D.O. Grade I of the C.H.S. Dr. S. P. Agarwal, an Officer of G.D.O. Grade I of the C.H.S. working as Medical Officer in the Willingdon Hospital, New Delhi has assumed the charge of the post of Deputy Medical Superintendent, Willingdon Hospital, New Delhi with effect from the 1st July, 1975 (Forenoon).

The 28th August 1975

No. 48-13/75-CHS.I.—The Director General of Health Services hereby appoints Dr. M. Narasimha Murthy as Junior Medical Officer (Urban Health Centre) in Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education and Research, Pondicherry with effect from the forenoon of the 18th July, 1975 on an *ad-hoc* basis.

The 3rd September 1975

No. 34-18/75-CHS.I.—Consequent on his transfer Dr. Amrit Lal Goyal relinquished charge of the post of Junior Medical Officer, on *ad-hoc* basis, under the Central Government Health Scheme, Delhi on the afternoon of the 10th July, 1975 and assumed charge in the same capacity and on existing terms and conditions, in the Willingdon Hospital, New Delhi on the forenoon of the 11th July, 1975, until further orders.

R. N. TEWARI,
Dy. Director Administration (CHS).

New Delhi, the 29th August 1975

No. 26-18/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri N. L. Kalra in a substantive capacity to the permanent post of Entomologist at the National Institute of Communicable Diseases, Delhi, with effect from the 21st February, 1972.

No. 15-5/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. D. P. Sen Mazumdar to the post of Associate Professor of Psychology at the Hospital for Mental Diseases, Ranchi, in a substantive capacity with effect from the 23rd June, 1973.

No. 15-7/73-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri P. K. Chakrabarty in the post of Clinical Psychologist in the Hospital for Mental Diseases, Ranchi, with effect from the forenoon of the 1st January, 1975 on an *ad-hoc* basis, and until further orders.

No. 13-1/75-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Miss) Urmil Kapoor to the post of Dental Surgeon, under the Central Government Health Scheme with effect from the afternoon of 16th August, 1975, on an *ad-hoc* basis, and until further orders.

No. 16-13/75-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri K. K. Misra in a substantive capacity to the permanent post of Health Education Officer (Sanitation) in the Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services, with effect from the 22nd August, 1972.

No. 19-4/75-Adm.1.—The President is pleased to appoint Dr. (Miss) Vimla Sud to the post of Professor of Dentistry at the Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education and Research, Pondicherry in a substantive capacity with effect from the 14th September, 1973.

S. P. JINDAL,
Dy. Director Administration (O&M)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION
(BRANCH HEAD OFFICE)

Nagpur, the 1st September 1975

No. F.2/8/75-DN.II.—For the purpose of Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue), Ministry of Foreign Trade, Ministry of Finance (Central Revenue), Ministry of Commerce, Notifications No. 125, 126, 127 dated 15-9-62, No. 1131, 1132 dated 7-8-65, No. 2907, dated 5-3-71, No. 3601-A, 3601-B, 3601-C, dated 1-10-71, No. 12, dated 9-6-45, No. 1 Camp. dated 5-1-46, No. 6 dated 5-2-49, No. 64 dated 17-6-61, No. 1133, 1134, 1135 dated 7.8.65, No. 3099 dated 3.11.73, No. 1127 dated 21.4.1973, No. 1130 dated 7.8.65, No. 448 dated 14.3.64, published in the Gazette of India, I hereby authorise Shri A. G. Deshpande, Assistant Marketing Officer, to issue Certificate of Grading from the date of issue of this notification in respect of Black Pepper, Chillies, Cardamom, Ginger, Turmeric, Coriander, Fenugreek Seed, Celery Seed, Tobacco, Onion Garlic, Pulses, Cumin Seed, Curry Powder, Tendu Leave and Table Potatoes, which have been graded in accordance with the provisions of the Grading and Marking Rules of the respective commodities and formulated under Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937).

N. K. MURALIDHARA RAO,
Agricultural Marketing Adviser.

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400085, the 24th July 1975

No. PA/79(9)/75-R-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Waman Gangan-dhar Tilak, a permanent Upper Division Clerk and a temporary Assistant in the Bhabha Atomic Research Centre to officiate as Assistant Personnel Officer on an *ad-hoc* basis in the same Research Centre with effect from the forenoon of July 7, 1975, until further orders.

P. UNNIKRISHNAN,
Dy. Establishment Officer (R).

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500040, the 7th August 1975

No. NFC/Adm/22/13(1)/1052.—The Officer-on-Special Duty, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri Ch. V. S. S. N. Sarma, Stenographer (Sr.) to officiate as Assistant Personnel Officer in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad for a period from 29th July 1975 to 31st October 1975 or until further orders, whichever is earlier.

S. P. MHATRE,
Senior Administrative Officer.

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 1st September 1975

No. E(1)06949.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri M. Krishnamurthy, Professional Assistant, Meteorological Office, Visakhapatnam under the Director, Regional Meteorological Centre, Madras as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of sixtyfive days with effect from the forenoon of 1st August, 1975 to 4th October, 1975.

Shri M. Krishnamurthy, Offg. Assistant Meteorologist remains posted at Meteorological Office, Visakhapatnam under the Director, Regional Meteorological Centre, Madras.

No. E(I)06950.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. Sthanu Subramania Iyer, Professional Assistant, Port Meteorological Office, Port, Visakhapatnam under the Director, Regional Meteorological Centre, Madras as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of sixtyone days with effect from the forenoon of 1st August, 1975 to 30th September, 1975.

Shri S. S. Iyer, Offg. Assistant Meteorologist remains posted in the Port Meteorological Office, Visakhapatnam under the Director, Regional Meteorological Centre, Madras.

M. R. N. MANIAN
Meteorologist
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF
CIVIL AVIATION

New Delhi, the 29th August 1975

No. A.32013/8/74-ES.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Kapoor, Assistant Director Air Safety as Deputy Director of Aeronautical Inspection in the Office of the Director General of Civil Aviation New Delhi w.e.f. 28th July, 1975 (Forenoon) on regular basis and until further orders.

No. A.32013/8/74-ES.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Marya, Senior Aircraft Inspector to officiate as Controller of Aeronautical Inspection, New Delhi w.e.f. the 28th July, 1975(FN) on a regular basis and until further orders

H. L. KOHLI
Dy. Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 27th August 1975

No. 1/370/75-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri B. K. Suri, permanent Supervisor, New Delhi Branch, as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 10th June, 1975 to 23rd June, 1975 (both days inclusive) against a short-term vacancy

M. S. KRISHNASWAMY
Administrative Officer
for Director General

CENTRAL REVENUES CONTROL LABORATORY

New Delhi-12, the 25th August 1975

CHEMICAL ESTABLISHMENT

No. 9/1975.—On transfer Shri N. Kamaluddin, Assistant Chemical Examiner, Custom House, Calcutta assumed charge in the same capacity in the Custom House Laboratory, Cochin with effect from the forenoon of 11th August, 1975

V. S. RAMANATHAN
Chief Chemist, Central Revenues

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 26th August 1975

No. A-19012/471/74-Adm.V.—In continuation of this Commission's Notification No. A-19012/4/71/74 Adm.V, dated the 12th June, 1975 the Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri S. L. Ahluwalia, to officiate in the post of Special Officer Documentation) in the Central Water & Power Research Station, Poona, on a purely temporary and *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 for a further period upto 30-11-1975, or till the post is filled, on a regular basis, whichever is earlier.

K. P. B. MENON
Under Secretary
for Chairman, C.W. Commission

CENTRAL RAILWAY

Bombay V.T., the 28th August 1975

No. HPB/220/G/L/II.—The following Officiating Assistant Electrical Engineers (Class II) are confirmed in that appointment with effect from the dates shown against each :—

S. No., Names & Date of confirmation in Class II Service

1. Shri P. E. Ferrao—7-11-1972.
2. Shri S. N. Kasarekar—28-3-1974.
3. Shri R. V. Tipnis—28-3-1974.
4. Shri R. N. Joshi—1-1-1975.

B. D. MEHRA
General Manager

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Jahagiradar Estate Private Ltd.*

Bangalore, the 4th August 1975

No. 2128/560/75.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Jahagiradar Estate Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Kawy Allah Exports Private Ltd.*

Bangalore, the 4th August 1975

No. 2146/560/75.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Kawy Allah Exports Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

PROBODH
Registrar of Companies
Karnataka, Bangalore

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Tripura Steel Re-Rolling Mill & Foundry Private Limited*

Shillong, the 11th August 1975

No. 1284/560/1936.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Tripura Steel Re-Rolling Mill & Foundry Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Amalgamated Traders Private Limited*

Shillong, the 27th August 1975

No. 919/560/2184.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Amalgamated Traders Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Nirmala Tea Company Limited*

Shillong, the 28th August 1975

No. 293/560/2208.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Nirmala Tea Company Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Goswami Neinong Coal & Transport Company Private
Limited*

Shillong, the 30th August 1975

No. 1016/560/2254.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Goswami Neinong Coal & Transport Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. P. VASHISHTHA
Registrar of Companies
Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura,
Nagaland, Arunachal Pradesh & Mizoram,
Shillong

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
B. P. Engineering Works Private Limited*

Bombay-2, the 26th August 1975

No. 15642/560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. B. P. Engineering Works Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Computer Aid Systems Limited*

Bombay-2, the 26th August 1975

No. 15780/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Computer Aid Systems Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. NARAYANAN
Addl. Registrar of Companies,
Maharashtra

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Kashmir Films Limited, Srinagar, Talab Tilla*

Jammu Tawi (J&K)

Srinagar, the 28th August 1975

No. PC/255/1525.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Kashmir Films Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

J. N. KAUL
Registrar of Companies
Jammu & Kashmir

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Amritsar Radha Soawmi Bank Ltd. (In Liqn.)*

Kanpur, the 29th August 1975

No. 8632/2017/L.C.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Amritsar Radha Soawmi Bank Ltd (In Liqn.) unless cause is known to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Dayalbagh Hosiery Mills Ltd. (In Liqn.)*

No. 8635/1830/LC.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date

hereof the name of the M/s. Dayalbagh Hosiery Mills Ltd. (In Liquidation) unless cause is known to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Dayalbagh Tanneries Private Ltd. (In Liquidation)*

Kanpur, the 29th August 1975

No. 8638/1953/LC.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Dayalbagh Tanneries Private Ltd. (In Liqn.) unless cause is known to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Banda Electric Supply Company Ltd. (In Liqn.)*

Kanpur, the 29th August 1975

No. 8640/1456/LC.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Banda Electric Supply Co. Ltd. (In Liqn) unless cause is known to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. C. BASU
Registrar of Companies
U.P.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Tyzack Metal Pressing Company Limited*

Calcutta, the 30th August 1975

No. 25890/560(5).—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Tyzack Metal Pressing Company Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Bharat Iron & Steel Co. Limited*

Calcutta, the 30th August 1975

No. 8869/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bharat Iron & Steel Co. Limited unless cause is known to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. C. NATH
Registrar of Companies
West Bengal

Cuttack, the 25th August, 1975

DESTRUCTION OF RECORDS

No. JRQ. 11/75-1425—Notice is hereby given that the Records and correspondences of the undenoted Companies which were struck off the Register of Companies on the date specified against each pursuant to the provisions and rules of the Companies Act, then in force, will be destroyed after 3 (three) months from the date of publication of this Notification in the Gazette of India.

Sl. No.	Name of the Company	Act under which regd.	Date of Registration	Date of struck off.	No. of the Company
1	2	3	4	5	6
1.	M/s Orissa Industrial Development Co. Ltd	1913	10-1-47	3-4-54	90
2.	M/s Orissa Traders Syndicate Ltd.	"	26-4-47	3-4-54	98
3.	M/s Chilka Steam & Navigation Co. Ltd.	"	14-11-47	18-5-54	114
4.	Sea Men Co. Ltd.	"	14-11-47	17-2-54	115
5.	Indian Leaf Tobacco Development Co. Ltd.	"	3-2-48	30-4-54	128
6.	Kishore Transport & Electrical Ltd.	"	1-5-49	13-7-54	178
7.	Indian Food & Fertilizers Ltd.	"	25-8-49	22-1-54	182
8.	Russelkinda Electric Supply Co. Ltd.	"	11-10-49	7-9-54	184
9.	Puri Trading Co. Ltd.	"	13-10-50	25-6-54	212
10.	Koshal Jain Weaving Factory Ltd.	"	19-12-44	5-7-54	251
			30-10-51		
11.	Utkal Traders Ltd.	"	24-4-51	30-4-54	252
12.	Gruha Nirman Co. Ltd.	"	10-6-51	18-1-54	153
13.	East India Match Co. Ltd.	"	1-4-41	3-4-54	277
			4-5-53		
14.	Mayurbhanj Bus Services Ltd.	"	18-1-47	10-6-54	278
			5-5-53		

S. N. GUHA
Registrar of Companies
Orissa.

DIRECTORATE OF ORGANISATION & MANAGEMENT SERVICES (INCOME-TAX)

New Delhi, the 6th August 1975

F. No. 9/7/74-DOMS/2494.—On his transfer from the Charge of the Commissioner of Income-tax, Delhi-I, New Delhi, Shri K. N. Dhar, Income-tax Officer (Class-II) assumed the charge of the office of the Additional Assistant Director in the Directorate of Organisation and Management Services (Income-tax), New Delhi on the fore-noon of 1st August, 1975.

H. D. BAHL
Director

nation, 1975, as published in the Institute of Secretariat Training and Management notice No. 13/11/74-ARRNG, dated the 29th March, 1975, in Part III, Section 1 of the Gazette of India, the following shall be added to para 2 of the Notice :—

“Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes in respect of the vacancies, as may be fixed by the Government of India.”

INSTITUTE OF SECRETARIAT TRAINING
AND MANAGEMENT
(EXAMINATIONS WING)
ADDENDUM

New Delhi-110022, the 4th October 1975

No. 13/11/74-ARRNG.—In the notice for Grade II Stenographers' Limited Departmental Competitive Exam-

MADAN LAL,
Director (Exams)
Institute of Secretariat Training
and Management.

FORM ITNS

(1) Shrimati Tej Kaur Wd/o Basant Singh s/o Badhawa Singh, R.O. Hardothala, Tch. Dasuaya.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th September 1975

Ref. No. AP.1189.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Hardothala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Dasuaya in Dec. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Jagir Singh s/o Saudagar Singh, Vill. Bhagran, P.S. Mukerian, Tch. Dasuaya.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 3006 of Dec. 1974 of Registering Authority, Dasuaya.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 5-9-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th September 1975

Ref. No. AP.1190.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Rahon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nwanshahr in Dec. 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Gian Mitter s/o Harpakash Agent to (i) Harpakash, (2) Urmal Kumari (3) Veena Kumari r/o Rahon.

(Transferor)

(2) Shri Pritam Singh s/o Basant Singh r/o Rahon.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 3761 of December 1974 of Registering Authority, Nwanshahr.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority,

Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 5-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jaswinder Singh s/o Hukam Singh, Vill. Mianwal, Teh. Nakodar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th September 1975

Ref. No. AP.1191.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Khanpur Rajputan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shahkot in December 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Shri Sawaran Singh s/o Inder Singh, Vill. Mianwal Aranjan, Teh. Nakodar.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 1487 of December, 1974 of Registering Authority, Shahkot.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.
Date: 5-9-1975
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Gurcharan Singh s/o Hukam Singh Vill. Innowal, Teh. Nakodar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ajit Singh s/o Inder Singh s/o Tehal Singh, Vill. Mianwal, Teh. Nakodar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

Jullundur, the 5th September 1975

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

Ref. No. AP.1192.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Khanpur Rajputan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shahkot in December 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration, and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 1504 of December, 1974 of Registering Authority, Shahkot.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons namely :—

Date : 5-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ram Singh s/o Ishar Singh, Vill. Malsian, Teh. Nakodar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dilbag Singh s/o S. Bulkar Singh, Bakshish Singh s/o Dasonda Singh, Vill. Malsian.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(4) Any other person interested in the land.

(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Jullundur, the 5th September 1975

Ref. No. AP.1193.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Malsian, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Shahkot in December 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 1601 of December, 1974 of Registering Authority, Shahkot.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 5-9-1975

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

FORM ITNS

(1) Shri Harbhajan Singh s/o Hukam Singh s/o Kesar Singh, Vill. Mianwal Malsian, Teh. Nakodar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th September 1975

Ref. No. AP.1194.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Khanpur Rajputan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shahkot in December 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

18—256GI/75 .

(2) Shri Sadhu Singh s/o Inder Singh s/o Tehal Singh, Mianwal Raian, Teh. Nakodar.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 1555 of December, 1974 of Registering Authority, Shahkot.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 5-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chanan Singh s/o Dalip Singh, Vill. Bolina, Teh. Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th September 1975

Ref. No. AP.1196.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Bolina, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in December 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Karnail Singh s/o Naranjan Singh, Vill. Bolina, Teh. Jullundur (Through Harcharan Singh c/o Skylark Hotel, Jullundur,

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 8279 of December, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 5-9-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th September 1975

Ref. No. AP.1197.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Mohalla Kishanpur, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in December 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Mohinder Singh s/o Prabhu Diyal, Krishan Nagar at Delhi G.A. to Shri Kewal Singh, Hira Singh, 18-Akbar Road, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Satish Kumar, of Manak Chand, Kishan Gopal s/o Shri Badri Nath, Mohalla Kishanpur, Jullundur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 8096 of December, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 5-9-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Chanan Singh s/o S. Dalip Singh of Vill. Bolina.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 19th August 1975

Ref. No. AP.1198.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Bolina, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in December 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act', I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(2) Shri Iqbal Singh s/o Naranjan Singh, Vill. Bolina through Shri Harcharn Singh c/o Sky Lark Hotel, Jullundur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 8146 of December, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 5-9-1975
Seal:

FORM ITNS

(2) Shri Iqwal Singh s/o Narinjan Singh, Vill. Bolina
c/o Shri Harcharan Singh, c/o Skylark Hotel,
Jullundur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th September 1975

Ref. No. AP.1199.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Bolina, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer, at Jullundur in December 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Chanan Singh s/o Dalip Singh, Vill. Bolina, Teh. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 8210 of December, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 5-9-1975
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th September 1975

Ref. No. AP-1200.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Bazar Sheikhan, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in December 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Nirmila Rani w/o Ramesh Chand, Pushpa Rani w/o Kul Bhushan Rai ss/o Pheru Ram, Bazar Charat Singh, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Kishan Chand s/o Shri Ram Ditta Mall, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the shop.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop as mentioned in Regd. deed No. 8399 of December, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 5-9-1975
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Banta Singh s/o Karm Singh, Vill. Pattar Kalan, Teh. Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th September 1975

Ref. No. AP-1201.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Pattar Kalan, Teh. Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in December 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(2) Shri Harjit Singh s/o Chanan Singh, Vill. Pattar Kalan, Teh. Jullundur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7969 of December, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 5-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chanan Singh s/o Dalip Singh, Bolina.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(2) Shri Iqbal Singh s/o Narinjan Singh Through Shri Harcharan Singh c/o Skylark Hotel, Jullundur.
(Transferee)(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Jullundur, the 5th September 1975

Ref. No. AP-1202.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Bolina, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in December 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, of the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 8013 of December, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 5-9-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th September 1975

Ref. No. AP-1203.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Basti Bawa Khel, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in December 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

19—256GI/75

(1) Shri Harvinder Singh Layalpuri s/o Harbinder Singh Layalpuri, Gajinder Pal Singh alias Gajinder Singh s/o Karam Singh, 307/329 Central Town, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Joginder Paul Jain s/o Desh Raj Jain 387 Adarsh Nagar, Jullundur.

(Transferee)

*(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the land.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 8319 of December, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 5-9-1975

Seal :

*(Strike off where not applicable).

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Harvinder Singh Layalpuri s/o Harbinder Singh Layalpuri, Gajinder Pal Singh alias Gajinder Singh s/o Karam Singh, 307/329 Central Town, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Joginder Pal Jain s/o Desh Raj Jain 387 Adarsh Nagar, Jullundur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

*(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the land.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Jullundur, the 5th September 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AP-1204.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Basti Bawa Khel, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Jullundur in April 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 940 of April, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-9-1975

Seal :

*(Strike off where not applicable).

FORM ITNS

(1) Shrimati Jagir Kaur W/o Sohan Singh of Vill.
Chaklinda Teh. Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th September 1975

Ref. No. AP-1205.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Vill Maksoodpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in January 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) M/s Aggarwal, Kakkar Pvt. Ltd, S-147 Industrial Area, Jullundur.
(Transferee)

*(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Registration Deed No. 8608 of January, 1975 of Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 5-9-1975

Seal :

*(Strike off where not applicable).

FORM ITNS

(1) Shri Teja Singh S/o Ram Singh S/o Bhan Singh
99 Vijay Nagar, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Satwinder Kaur W/o Thakar Singh 145 WB
Jullundur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

*(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in shop a Jullundur.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Jullundur, the 5th September 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AP-1206.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per Schedule situated at Jullundur,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jullundur on 3-1-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Shop as mentioned in Registration deed No. 8555 of January 1975 of Registering authority Jullundur.

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-9-1975

Seal :

*(Strike off where not applicable).

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th September 1975

Ref. No. AP-1166.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule, situated at Talwan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in December 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Mahnra Ram-Das Ram S/o Rakha Ram, Vill. Talwan, Teh. Phillaur.
(Transferor)

(2) Smt. Pana Wd/o Lachhman Singh & Smt. Gian Kaur wd/o Sucha Singh r/o Vill. Talwan, Teh. Phillaur.
(Transferee)

*(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 3458 of December, 1974 of Registering Authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 5-9-1975

Seal :

*(Strike off where not applicable).

FORM JTNS

(1) Shri B Battan Singh s/o Attar Singh r/o Uppal Khalsa. (Phillaur).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th September 1975

(2) S/Shri Harjit Singh, Harbans Singh S/o Kishan Singh & Sodi Singh s/o Bakhshish Singh s/o Kishan Singh r/o Uppal Khalsa, Tch. Phillaur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 3428 of December, 1974 of Registering Authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 5-9-1975

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th September 1975

Ref. No. AP-1168.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As per Schedule situated at Singh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in December 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bachan Singh, Balkar Singh, Darshan Singh Sons & Smt. Kapur Kaur, Smt. Mohinder Kaur wd/o S. Labh Singh of V. Singh Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Chanan Singh s/o S. Harnam Singh of Vill. Singh, Teh. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 8167 of December, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 5-9-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 5th September 1975

Ref. No. AP-1169.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Dada Colony Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in December 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dharam Pal, Sat Pal, Piare Lal S/o Diwan Chand Dadda r/o Jullundur.
(Transferor)

(2) M/s. Basant Industries, Industrial Area Jullundur (through Shadi Lal Jain).
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the registration deed No. 8032 of December 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 5-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri E. L. Sondhi wd/o G. D. Sondhi of 37 Wazir Hasan Road, Lucknow.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Des Raj s/o Kishan Chand of N. K. 214, Ajit Pura, Jullundur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) M/s Hari Singh & Co. Travel Agent, (2) M/s Janki Sons Television Co., (3) M/s New Star Dealers in Ready Made, (4) M/s D. S. Sharma C.A.
(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

(4) Any other person interested in the building.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Jullundur, the 3rd September, 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

Ref. No. A. P. 1139.—Whereas, I Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule

situated at G. T. Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in December 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Building as mentioned in Regd. deed No. 8136 to 8140 of Dec. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

20—256GI/75

Date : 3rd Sep. 1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri E. L. Sondhi wd/o G. D. Sondhi of 37 Wazir Hasan Road, Lucknow.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 3rd September 1975

Ref. No. A. P. 1140.—Whereas, I Ravinder Kumar being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at G. T. Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in December 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

(2) Shri Des Raj s/o Kishan Chand of N. K. 214, Ajit Pura, Jullundur.
(Transferee)

(3) (i) M/s Hari Singh & Co. Travel Agent, (ii) M/s Janki Sons Television Co. (iii) M/s New Star Dealers in Ready Made. (iv) M/s D. S. Sharma, C.A. G.T. Road, Jullundur.
(Person in occupation of the property.)

(4) Any other person interested in the building.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; ;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building as mentioned in Regd. deed No. 8136 of Dec. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Date : 3rd Sep. 1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Des Raj s/o Kishan Chand of N. K. 214, Ajit Pura Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 3rd September, 1975

(3) (i) M/s Hari Singh & Co. Travel Agent. (ii) M/s Janki Sons Television Co. (iii) M/s New Star Dealers in Ready Made. (iv) M/s D. S. Sharma, C.A., G.T. Road, Jullundur.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the building.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. A. P. 1141.—Whereas, I Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at G. T. Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in December 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Piara Lal Sondhi s/o Raizada Bhagat Ram Sondhi, 37 Wazir Hasan Road, Lucknow.
(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building as mentioned in Regd. deed No. 8136 to 8140 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range Jullundur.

Date : 3rd Sep. 1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rehal Sondhi s/o Sh. Gautam Sondhi r/o Majafar Nagar U.P. Through G.A. Sh. Piara Lal Sondhi s/o Sh. Bhagat Ram Sondhi, 37-Wazir Hasan Road, Lucknow.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur the 3rd September, 1975

Ref. No. A. P. 1142.—Whereas, I Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at G. T. Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in December 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Des Raj s/o Kishan Chand of N. K. 214, Ajit Pura, Jullundur.

(Transferee)

(3) (i) M/s Hari Singh & Co. Travel Agent, (ii) M/s Janki Sons Television Co., (3) M/s New Star Dealers in Ready Made, (4) M/s D. S. Sharma, C.A. G.T. Road, Jullundur.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the building.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons (whichever period expires later).

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building as mentioned in Regd. deed No. 8138 of Dec. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range Jullundur.

Date : 3rd Sep. 1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Sh. Mohan Lal s/o Des Raj of Ranjipura, Jullundur.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 3rd September, 1975

Ref. No. A. P. 1143.—Whereas, I Ravinder Kumar being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at G. T. Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in December 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely :—

- (1) Shri Piara Lal Sondhi s/o Raizada Bhagat Ram Sondhi 37-Wazir Hasan Road, Lucknow. Self & C.A. to Lt. Col. Partap Chand Sondhi s/o Balraj Sondhi r/o Sapta Simla & Smt. Anjana Sondhi wd/o Sh. Ravi Sondhi etc.

(Transferor)

(3) (i) M/s Hari Singh & Co. Travel Agent, (ii) M/s Janki Sons Television Co. (iii) M/s New Star Dealers in Ready Made (iv) M/s D. S. Sharma, C.A. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the building.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building as mentioned in Regd. deed No. 8139 of Dec. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Jullundur.

Date : 3rd Sep. 1975.
Seal.

FORM ITNS

(1) Smt. Satish Bala Sondhi wd/o Sh. Ranjit Sondhi & Kabir Sondhi s/o Ranjit Sondhi & Miss Miran Sondhi d/o Ranjit Sondhi, 33 Jar Bag New Delhi through Sh. Piara Lal Sondhi, Hasan Road, Lucknow. (Transferor)

(2) Sh. Des Raj s/o Kishan Chand of Jullundur. (Transferee)

*(3) (1) M/s Hari Singh & Co. Travel Agent, (2) M/s Janki Sons Television Co. (3) M/s New Star Dealers in Ready Made. (4) M/s D. S. Sharma, C.A. 214 Ajit Pura, G.T. Road, Jullundur. (Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the building. (Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd September, 1975

Ref. No. A.P. 1144.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at G. T. Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in December 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building as mentioned in Regd. deed No. 8140 of Dec. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 3-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Dhanu s/o Anant Ram r/o Chakguru,
P.O. Samundra, Teh. Garshankar,NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) S/Sh. Jagir Singh, (2) Kashmir Singh, (3) Jagtar
Singh S/o Sher Singh, r/o Jainpur (Teh. Bolachaur)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.(4) Any other person interested in the land.
[Person whom the undersigned knows to be interested
in the property]

Jullundur, the 3rd July 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. A. P. 1153.—Whereas, I Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Jainpur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Balachor in March 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land as mentioned in Regd. deed No. 1465 of March, 1975 of Registering Authority, Balachor.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 3rd Sep. 1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 3rd September 1975

Ref. No. A.P. 1154.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Sujon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nwanshahr in Dec. 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Moti Karam Kaur w/o Dalip Singh s/o Vir Singh r/o Sujon (Nwanshahr). (Transferor)

(2) Shri Sohan Singh s/o Dalip Singh r/o Rurki, Teh. Garshankar. (Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. [Person in occupation of the property].

(4) Any other person interested in the land. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 3813 of Dec. 1974 of Registering Authority, Nwanshahr.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 3-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ujagar Singh s/o Rama r/o Bhara Majara
P.O. Khurd Teh. Nawanshahr.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nirmal Singh, Avtar Singh Teja Singh s/o
Bishan Singh, Vill. Bharo Majra P.O. Khurd Teh.
Nawanshahr.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 3rd September 1975

Ref. No. A.P. 1155.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Bhago Majara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nawanshahr, in Dec. 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

21—256 GI/75

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property].

(4) Any other person interested in the land.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 3767 of December, 1974 of Registering Authority, Nawanshahr.

RAVINDER KUMAR,
COMPETENT AUTHORITY,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 3-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Dhan Kaur w/o Phuman Singh s/o Bura,
R.O. Bika, P.O. Banga.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 3rd September 1975

Ref. No. A.P. 4156.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Bikar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nwanshahr in Dec. 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Resham, Tat, Sohan, Nirman &/o Swarna alias Sarna r/o Bika.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property].

(4) Any other person interested in the land.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 3831 of Dec. 1974 of Registering Authority, Nwanshahr.

RAVINDER KUMAR,
COMPETENT AUTHORITY,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 3-9-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Govinder Singh s/o Nand Lal r/o 83 /WB Bazar
Pir Baotla, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd September 1975

Ref. No. A.P. 1157.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Jullundur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Dec. 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Amrik Singh, Paul Singh, Harbans Singh, Mohinder Singh, Harjot Singh, Inderjit Singh S/o Gulbir Singh, Vill. Mudh, Teh. Nakodar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property].

(4) Any other person interested in the house.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in Regd. deed No. 3835 of December, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
COMPETENT AUTHORITY,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 3-9-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mohan Singh s/o Ralla Singh, Plot No. 262
New Vijay Nagar, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.(2) Shri Mohinder Singh s/o Hari Singh, House No. 487,
Gali No. 3, Mohalla Kamalpur near Govt. College,
Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property].

(4) Any other person interested in the house.

[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires, later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined to Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

House as mentioned in Regd. deed No. 7868 of Dec. 74 of Regd. authority, Jullundur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

RAVINDER KUMAR,
COMPETENT AUTHORITY,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely:—

Date : 5-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Nanak Singh s/o Loda Singh of Lammey, Dist.
Kapurthala.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Manjit Singh, Harsukhdev Singh S/o Mohan
Singh of Basti Nau, Jullundur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property].
(4) Any other person interested in the land.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property.]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Jullundur, the 3rd September 1975

Ref. No. A.P. 1159.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Basti Danishmada, Jull. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jullundur, in Dec. 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any person other interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7867 of Dec. 74 of Registering Authority, Jullundur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 3-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Amar Chand s/o Dheru Ram r/o Patara, Teh. Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 3rd September 1975

Ref. No. A.P. 1160.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Ladowal Road, Jull. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur, in Dec. 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Chanan Ram s/o Rakah Ram r/o Sherpur—Shekhan, Teh. Jullundur.
(Transferee)

(3) As per Sl. No. 2 above.
[Person in occupation of the property].

(4) Any other person interested in the land.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7847 of Dec. 74 of Registering Authority, Jullundur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 3-9-1975

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Amrit Chand s/o Dhru Ram r/o Patara, Teh. Jullundur.
(Transferor)(2) Shri Chaman Lal s/o Rakha Ram r/o Sherpur Sheikh.
(Transferee)(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property].(4) Any other person interested in the land.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7846 of Dec. 74 of Regd. authority.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 3-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Banta Singh s/o Karan Singh V. Patar Kalan,
Teh. Jullundur.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

(2) Shri Harjot Singh s/o Chanan Singh, Vill. Patar
Kalan, Teh. Jullundur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property.]

(4) Any other person interested in the land.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Jullundur, the 3rd September 1975

Ref. No. A.P. 1162.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Patar Kalan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Dec. 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7802 of Dec. 74 of Registering Authority, Jullundur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 3-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chet Singh s/o Khushi Singh, Kazi Mandi, Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 3rd September 1975

Ref. No. A.P. 1163.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Basti Sheikh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Jan. 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

22-256G1/75

(2) M/s Rama Metal Works, Nakodar Road, Neri Niketan, Jullundur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property].

(4) Any other person interested in the land.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 8613 of Jan. 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 3-9-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kartar Singh s/o Ram Singh of Village Lamey, Teh. Kapurthala.

(Transferor)

(2) Shri Ajit Singh s/o Puran Singh, Balwant Singh s/o Amar Singh, 3/4 share, Kartar Singh s/o Inder Singh 1/4 share of Basti Sheikh Distt. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above,
[Person in occupation of the property].(4) Any other person interested in the land.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX (C.A.) ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Jullundur, the 3rd September 1975

Ref. No. A.P. 1164.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Basti Sheikh, Jull. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Jan. 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 8661 of Jan. 1975 of Registering Authority, Jullundur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 3-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kartar Singh s/o Ramn Singh, Vill. Lamey,
Distt. Kapurthala.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 3rd September 1975

Ref. No. A.P. 1165.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Basti Sheikh, Jull. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Dec. 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Ajit Singh s/o Puran Singh & Balwant Singh etc. Ss/o Amar Singh, Basti Sheikh, Jullundur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property].

(4) Any other person interested in the land.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 8315 of Dec. 71 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 3-9-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Narinder Kumar Puri s/o Kharaiti Lal, Jullundur (W.L. 98 Basti Gujan, Jullundur).
(Transferor)

(2) Shri Jagdish Lal s/o Amar Ditta E.R. 178, Pacca Bagh, Jullundur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property].

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 3rd September 1975

Ref. No. A.P. 1170.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Dadanagar Building Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Dec. 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 8387 of Dec. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 3-9-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Parkash Vanti w/o Kishan Chand, Old Railway Road, Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

(2) Shri Thal Singh s/o Jevan Singh, Inside Mai Hiran Gate, Jullundur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property].

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Jullundur, the 3rd September 1975

Ref. No. A.P. 1171.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Old Railway Road, Jullundur, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in Dec. 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7885 of Dec. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 3-9-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 3rd September 1975

Ref. No. A.P. 1172.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Model Town, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Dec. 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Bansi Lal s/o Ram Lal, H. No. W.F. 145, Ali Mohalla, Jullundur.
(Transferor)

(2) M/s Bhatia Cooperative House Building Society, 222-Adarsh Nagar, Jullundur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property].

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in Regd. deed No. 7977 of 12/74 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 3-9-1975

Scal :

FORM ITNS

(1) Shri Dalip Singh s/o Suran Singh, Basti Mithoo, Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kesri Das s/o Lal Behari, 275 Adarsh Nagar, Jullundur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 3rd September 1975

Ref. No. A.P. 1173.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Basti Mithoo, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Dec. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property.]

(4) Any other person interested in the land.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7918 of Dec. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

Date : 3-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dalip Singh s/o Suran Singh Vill. Basti Mithoo, Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Vinod Jain w/o Vinod Kumar, Bimla Devi Jain w/o Kapur Chand Jain, Kamla Jain w/o Sudershan Jain c/o Gugranwala Jewellers, Bazar, Kaan, Jullundur.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd September 1975

Ref. No. A.P. 1174.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Basti Mithoo, Jullundur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Dec. 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act to the following person, namely :

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property.]

(4) Any other person interested in the land.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7920 of Dec. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 3-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dalip Singh s/o Suran Singh, Basti Mitho, Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Som Nath s/o Kesri Das Jullundur.
Jullundur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property.]

(4) Any other person interested in the land.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property.]

Jullundur, the 3rd September 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the Said Act in respect of any income arising from
the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
Said Act or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7916 of Dec. 1974
Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 3-9-1975

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

23—256GI/75

FORM ITNS

(1) Shri Dalip Singh s/o Suran Singh, Boota Mandi,
Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Som Nath s/o Kesri Das Jullundur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property.]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(4) Any other person interested in the land.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property.]

Jullundur, the 3rd September 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. A.P. 1176.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Ravinder Kumar situated at Basti Nau, Jullundur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jullundur in December 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No 7917 of Dec. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 3-9-1975

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Inder Kumar Puri s/o Shri Kharaiti Lal, W.L. 88, Basti Guzan, Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sudeshi Lal s/o Amar Dita, E.B. 178, Pacca Bagh, Jullundur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property.]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

(4) Any other person interested in the land.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Jullundur, the 3rd September 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. A.P. 1177.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Dada Nagar, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in December 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 8386 of Dec. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 3-9-1975

Seal :

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Dilbag Singh s/o Ondm Singh of Jullundur,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 3rd September 1975

Ref. No. A.P. 1178.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Basti Sheikh, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Dec. 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(2) M/s Works & Builders P. Ltd. near Deepak Cinema, Ludhiana.
(Transferee)(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property.](4) Any other person interested in the land.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Reg. deed No. 7941 of Dec. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 3-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dalip Singh s/o Surain Singh, Boota Mandi, Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Des Raj Jain s/o Khushi Ram Jain c/o Defence Engg. Works, Industrial Area, Jullundur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property.]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

(4) Any other person interested in the land.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Jullundur, the 3rd September 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. A.P. 1179.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Industrial Area, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Dec. 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7919 of Dec. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 3-9-1975

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shrimati Raj Kumari w/o Har Kishan Lal,
Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jasmair Singh s/o Sarbjit Singh of Jullundur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Jullundur, the 3rd September 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. A.P. 1180.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Central Town, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in Dec. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in Regd. deed No. 8460 of Dec. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 3-9-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Raj Kumari w/o Sh. Har Krishan Lal of Jullundur.
(Transferor)

(2) Shri Sarbjit Singh s/o Balwant Singh of Jullundur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property.]

(4) Any other person interested in the land.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd September 1975

Ref. No. A.P. 1195.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Central Town, Jullundur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Jan. 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in Regd. deed No. 8530 of January 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 3-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Pritam Kaur wd/o Shri Kartar Singh, r/ Phoolpur, Teh. Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(2) Shri Rameshwar Singh s/o Capt. Dr. Karam Singh r/o Jullundur, 4-Model Town, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property.]

(4) Any other person interested in the property (land).
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Jullundur, the 3rd September 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 8204 of Dec. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 3-9-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1), OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd September 1975

Ref. No. A.P. 1182.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Rojri (Distt. Jull.), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Dec. 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent. of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

24—256GI/75

(1) Shri Indra Golak Nath, Bimla Golak Nath & Nilam Golak Nath & Nirmal Golak Nath D/o IC Golak Nath Through Subash Chand Bhattacharia s/o N. G. Bhattacharia, Mission Compound, Jullundur. (Transferor)

(2) Shri Piara Singh s/o Lachhman Singh of Raipur Rasulpur. (Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property.]

(4) Any other person interested in the land.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 8341 of Dec. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 3-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ajit Singh s/o Harnam Singh Bopa Rai Kaln.
(Transferor)

(2) Shri Ram Lal s/o Gurcharan Singh, Ladhran.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property.]

(4) Any other person interested in the land.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property.]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd September 1975

Ref. No. A.P. 1183.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Bal Hakmi, Nakodar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar in Dec. 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 2111 of December, 1974 of Registering Authority, Nakodar.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 3-9-1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Joginder s/o Gurbachan Singh, Ladhran.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property.]

GOVERNMENT OF INDIA

(4) Any other person interested in the land.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd September 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. A.P. 1184.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Hukmi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nakodar in Dec. 1974, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 2131 of Dec. 1974 of Registering Authority, Nakodar.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri Ajit Singh s/o Sarnam Singh, Bopa Rai Kalan.
(Transferor)

Date : 3-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mohan Singh s/o Sarain Singh alias Suraina s/o Dalu r/o Chak Kaln, Teh. Nakodar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mehar Singh, Dalbir Singh S/o Gurmukh Singh
s/o Chanda Singh, Village Aderman, Teh. Nakodar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Jullundur, the 3rd September 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. A.P. 1185.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Aderman (Nakodar), (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar in Dec. 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 2115 of Dec. 1974 of Registering Authority, Nakodar.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(2) S/Shri Baldev Singh, Gurmej Singh, Ajmer Singh
ss/o Darshan Singh s/o Assa Singh, Baloki.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Jullundur, the 3rd September 1975

Ref. No. A.P. 1186.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Bir Baloki, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nakodar in Dec. 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 2099 of Dec. 1974 of Registering Authority, Nakodar.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Satwant Singh s/o Nonihal Singh s/o Teja Singh r/o Bir Baloki.
(Transferor)

Date: 3-9-1975

Seal:

FORM ITNS—

(1) Smt. Pritam Kaur w/o late Hakam Singh, Vill. Rauli, Teh. Nakodar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd September 1975

Ref. No. A.P. 1187.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Rauli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar in Dec. 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) S/Sh. Amar Singh, Jagir Singh Ss/o Hakam Singh, Swaran Kaur w/o Gurdit Singh, Mohinder Kaur w/o Amir Singh of Bandala, Teh. Amritsar.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 2140 of Dec. 1974 of Registering Authority, Nakodar.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 3-9-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd September 1975

Ref. No. A.P. 1188.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Bhagran, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mukerian in Dec. 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Joginder Singh s/o Khazan Singh, Vill. Bhagran, Teh. Dasuya,

(Transferor)

(2) Shri Joginder Singh, Bhupinder Singh, Amrik Singh, Gurmit Singh, Satwinderjit Singh S/o Kartar Singh s/o Budha Singh, r.o. Bassi Jaid, Teh. Bhulath, Distt. Kapurthala.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 1640 of December, 1974 of Registering Authority, Mukerian.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 3-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Kalidasi Bhowmick
W/o Ratan Chandra Bhowmick
8, Sil Lane, Calcutta-15.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Anisur Rahman,
9A, Balai Dutt St., Cal-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER ACQUISITION
RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 1st September 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring 5.94 acres more or less situated at Dag Nos. 800, 804, 606 & 755 of Kh. Nos. 155 & 156 in Mouza-Tangra, P.S. Jadavpur, 24-Parganas as per deed No. I-7662 of 1974 registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 1-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(2) Smt. Kundanjeet Azad W/o Sh. K. S. Azad,
r/o S-314, Panchsheel Park, New Delhi,
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1975

Objection, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri J. C. Bhogi s/o Sh. Amin Chand
r/o T.B. Clinic, Alwar (Rajasthan).
(Transferor)

THE SCHEDULE

A plot of free-hold land measuring 400 sq. yds situated at M-297, in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi, Village Bahapur in the Union Territory of Delhi & bounded as under :

East : Road
West : Road
North : Plot No. M-295
South : Plot No. M-299

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 6-9-75

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1975

No. IAC/Acq.I/SRIII/635(28)/74-75.—

Whereas, I, C. V. Gupte,
being the competent authority under section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. M-168 situated at Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at
New Delhi on 27-2-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Amrit Kaur Grewal,
W/o Sh. H. B. S. Grewal,
R/o 7/5, Punjab Agricultural University,
Ludhiana (Punjab).

(Transferor)

(2) Shri Harish Agarwal, S/o L. Shambhu Dayal
Agarwal, R/o B-14, Green Park, New Delhi.
Now resident of: M-191, Greater Kailash-II,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

A free hold plot of land bearing No. 168, in Block 'M'
measuring 300 sq. yds. situated in D.L.F.'s. residential
colony known as Greater Kailash-II, New Delhi, within the
limits of Delhi Municipal Corporation on Chiragh Delhi
Road, New Delhi in Revenue Estate of Village Bahapur in
the Union Territory of Delhi & Bounded as under :

East : Road
North : Plot No. 166
West : Service Lane
South : Plot No. M-170

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 6-9-75

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1975

No. IAC/Acq.I/SRIII/Feb. II/633(16)/74-75.—

Whereas, I, C. V. Gupte,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. S-474, situated at Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
New Delhi on 22nd Feb., 1975
for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefore by more than fifteen per cent of such apparent consider-
ation and that the consideration for such transfer as agreed
to between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the
said Act in respect of any income arising from the
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or and
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Sushan Pal Soni S/o Sh. Satyal Pal Soni
through his lawful attorney & mother Smt. Santosh
S. Soni W/o Sh. Satya Pal Soni
R/o 9/6 South Patel Nagar, N. Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Dayal Motwani, Sh. Raj Motwani
S/o Late Veromal,
R/o 9/6, South Patel Nagar, N. Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free hold plot of land bearing No. 472 in Block 'S'
measuring 550 sq. yds situated in residential colony known
as Greater Kailash-II, New Delhi Village Bahapur, Union
Territory of Delhi bounded as under :—

East : Plot No. 474
West : Plot No. 470
North : Service Lane
South : Road.

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 6-9-75

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Tejinder Kaur W/o Dr. Dalip Shah Singh, R/o D-93, Panchsheel Enclave, New Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Neelam Sarna W/o Sh. Kuldip Sarna R/o 6, Wazir Bagh, Sri Nagar, Kashmir. (Transferee)

(3) Smt. Ravi Swarup Tenant of first floor and M/s American Refrigeration Co., tenant of garage and one servant quarter. [Person(s) in occupation of the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1975

Ref. No. IAC/Acq. I/SRIII/23 Jan-II/74-75.—

Whereas, I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-431, situated at Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 24-1-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A 2½ storied building bearing No. C-431, Defence Colony New Delhi with lease-hold rights of the land measuring 325 sq. yds. under the said building with electric, water, flush fittings & with the other fittings & fixtures of the said building bounded as under:

North : Service Lane
South : Road & Lawn
East : H. No. C-432
West : Road

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 9-9-75

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sushan Pal Soni S/o Sh. Satyal Pal Soni through his lawful attorney & mother Smt. Santosh S. Soni W/o Sh. Satyal Pal Soni R/o N-99, Connaught Circus, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Dyal Motwani, Sh. Raj Motwani s/o Late Veromal, r/o 9/6, South Patel Nagar, N. Delhi. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1975

No. IAC/Acq.I/SRIII/Feb-II/633(16)/74-75.—
Whereas, I, C. V. Gupte, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-472 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 22-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

A free hold plot of land bearing No. 472 in Block 'S' measuring 550 sq yds. situated in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi Village Bahapur, Union Territory of Delhi bounded as under :—

East : Plot No. 474
West : Plot 470
North : Service Lane
South : Road.

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 6th Sept. 1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shamji Khimji Chheda & Ravji Khimji Chheda

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Twin Garden Co-op. Housing Society Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE V,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-400020.

Bombay-400020, the 27th August 1975

Ref. No. AR-V/238/1/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 7, Sec. No. 6, Chhedenagar situated at Chhedenagar, Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 12-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situated at Chembur in Greater Bombay in the Registration Sub-District of Bandra, District Bombay, Suburban, admeasuring 770.07 sq. metres (921 s. yds.) and being Plot No. 7 in Sector No. VI and being a portion of the land admeasuring 140 acres and 12½ Gunthas or thereabouts (less 7 Acres and 36 Gunthas covered by Eastern Express Highway) bearing Survey No. 320 and bounded as follows : that is to say on or towards the North by proposed thirty feet internal road in sector No. 6, on or towards the West by plot No. 8 in Sector No. 6, on or towards the East by proposed 30 feet road in sector No. 6 and on or towards the South by proposed garden in sector No. 6 and 22 feet internal road in sector No. 6.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range V,
Bombay.

Date : 27-8-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II,
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, 3rd FLOOR,
NEW DELHI.

New Delhi, the 29th August 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/861/75-76.—Whereas, I, S.N.L. AGARWALA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-60, situated at Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 7/5/1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :

(1) Shri Bhisham Chandra Kapur
S/o Major C. G. Kapur, O.B.E.
R/o M-60, Kirti Nagar, New Delhi-15.

(Transferors)

(2) Shri D. K. Arya s/o
Shri Sukhdev Raj Arya r/o
A-3/27, Moti Nagar, New Delhi-15.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storeyed house built on a piece of free-hold plot of land bearing plot No. 60 in Block 'M' measuring 200 sq. yds. situated in the colony known as Kirti Nagar, area of Village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi and bounded as under :—

North : 15' wide road and park
East : Plot No. M-59
South : 30' wide road
West : Plot No. M-61.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi.

Date : 29-8-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II,
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, 3rd FLOOR,
NEW DELHI.

New Delhi, the 29th August 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/860/75-76/3239.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. WZ-54, Plot No. 175, situated at Raja Garden, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 1/2/1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Surjit Kaur w/o S. Bal Singh, r/o WZ-54, (plot No. 175) Raja Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Dewan Singh s/o S. Sant Singh, 2. Ram Singh s/o Sh. Kesar Singh, r/o 346, Rani Bagh, Shakur Basti, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house bearing No. WZ-54, consisting of two temporary rooms, one latrine, one bath, built on plot No. 175, measuring 180 sq. yds. situated in the colony known as Raja Garden, area of Village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi within the limits of Delhi Municipal Corporation and bounded as under :—

North : Service Lane

East : Plot No. 176

South : Road

West : Plot No. 174.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi.

Date : 29-8-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE II,
4-A/14, ASA FALI ROAD 3rd FLOOR,
NEW DELHI.

New Delhi, the 5th September 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/863/75-76.—Whereas, I, S.N.L. AGARWALA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 84 (1/2 share) situated at East Avenue Road, Punjabi Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 11/2/1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

26---256GI/75

(1) Smt. Parduman Kaur w/o
Shri Ram Singh,
R/o Shahbad-Markanda,
Distt. Ambala.

(Transferor)

(2) 1. Miss Namrita Bhatia
2. Miss Poonam Bhatia,
daughters of Shri Som Nath Bhatia,
residents of 48-A, Jor Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

(3) M/s. Lahore Montessori School,
84, East Avenue Road,
Punjabi Bagh, New Delhi.
[Person in occupation of the property].

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1½ storeyed built on a free-hold plot of land bearing No. 84 East Avenue Road, Punjabi Bagh, New Delhi measuring 271.33 sq. yds. (1/2 share) and bounded as under:—

North : Road
South : Service Lane
East : Built House
West : House on plot No. 86.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi.

Date : 5-9-1975.

Seal :

FORM IFNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD 3RD FLOOR,
NEW DELHI.

New Delhi, the 5th September 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/862/75-76.—Whereas, I, S.N.L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 84 (1/2 share) situated at East Avenue Road, Punjabi Bagh, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on 11/2/1975,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Parduman Kaur w/o Shri Ram Singh, R/o Shahbad-Markanda, Distt. Ambala.

(Transferor)

(2) 1. Miss Namrata Bhatia
2. Miss Poonam Bhatia,
daughters of Shri Som Nath Bhatia, residents of 48-A, Jor Bagh, New Delhi

(Transferee)

(3) M/s. Lahore Montessori School,
84, East Avenue Road,
Punjabi Bagh, New Delhi,
[Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

13 storeyed building built on free-hold plot of land bearing No. 84 East Avenue Road, Punjabi Bagh, New Delhi measuring 271.33 sq. yds. (1/2 share) and bounded as under:—

North: Road
South: Service Lane
East: Built House
West: House on plot No. 86.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi.

Date: 5-9-1975.

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER, OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-400 020.

Bombay-400 020, the 29th August 1975

Ref. No. ARI/1054-23/Jan 75.—Whereas, I, N. K. SHASTRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. 261, Plot No. 1, situated at S. V. Road, Bandra, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registry, Bombay on 10-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) New Jagruti Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferee)

- (3) Tenants.
[Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land at Bandra, Ghodbunder Road, in the Registration District, Bombay Suburban and Sub-District 'Bandra' admeasuring 892 sq. yds. i.e. 745.7 sq. mts. or thereabouts bearing non-agricultural survey No. 404 Survey No. 261 Plot No. 1 together with the building or structures standing thereon now known as 'New Jagruti Apartments' bearing Bombay Municipal 'H' Ward No. 6205 Hissa No. 227 Swami Vivekanand Road and bounded as follows :— that is to say on the WEST by S.V. Road, on the EAST by Gopal Mansion, on the NORTH by Tata Blocks, on the SOUTH by the property of late Mr. Mugatil J. Bhatt.

N. K. SHASTRI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range I,
Bombay.

Date : 29-8-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Kanji Mavji Shethia Estate.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-400020.

Bombay-400020, the 29th August 1975

Ref. No. AR-J/1044-13/Jan 75.—Whereas, I, N. K. SHASTRI, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C. S. No. 1980 of Bhuleshwar Division, situated at Naviwadi land appurtenant thereto Vijaya Nagar, situated at Hissar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub Register Bombay on 13-1-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Ismail Hasan Mayat
C/o. Ahmed Fakir Maniar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground of the pension and Tax tenure situate at Naviwadi Street outside the Fort of Bombay and within the City of Bombay described as containing by admeasurement 5.7 square metres of thereabouts together with the messuage, tenements, or dwelling house and out-house standing thereon known as Shri Sudan at premises No. 12, Naviwadi, Dasi-seth Agiori Lane, Bombay and bearing C.S. No. 1980 of Bhuleshwar Division and bounded as follows : that is to say on or towards the East by the property formerly of Rao Bahadur Janardhan Vasudeoji and now of Jadhavji Jethabai and partly by the property lately belonging to the late Govindrao Ramshanker, on or towards the North by the property of Saraswatibai W/o. Vasudeo Atmaram and on or towards the South by the property lately belonging to Vinayak Shamrao and afterwards to Damodar Ramchand's which premises are registered in the Books of Collector under Collector's New No. 658, New Survey No. 285 and Cadastral Survey No. 1980 of Bhuleshwar Division and assessed by the Municipality of Bombay under 7 (c) ward Nos. 4896 and 98 and Street No. 12.

N. K. SHASTRI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range I,
Bombay.

Date : 29-8-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sharifabai w/o Salebhai Mahomedali.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Gulamali Kaderbhai Noon & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Tenants.

[Person in occupation of the property]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-400020

Bombay-400020, the 29th August 1975

Ref. No. ARI/ARI/1066-10/Jan. 75.—Whereas, N. K. Shastri, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. 1 of Mandvi Division situated at Plot No. 116 & 126 of Princess Street Estate (and more fully described in the Schedule annexed here-to), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sub-Registry, Bombay on 31-1-1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT the undivided One-Third share, right, title and interest in all that the piece or parcel of land or ground, being Plots Nos. 116 and 126 of the Princess Street Estate and known as 'Baria Mansion', containing by ad-measurement 871 sq. yds, equivalent to 728.24 sq. mtrs or thereabouts and registered in the Books of the Collector of Land Revenue under Collector's New Survey Nos. 1926 and 1964 and as to the reminder forms portion of land bearing Survey No. 1936 and Cadastral Survey No. 1 of Mandvi Division, together with the messuage, tenement or dwelling house standing thereon, —assessed by the Municipal Corporation of Greater Bombay under 3(b) Ward Nos. 1 to 5 and Street Nos. 343 to 353, 130 to 146, 160 to 166 and which said premises are situate at Abdul Rehman Street and Carnac Road, in the Registration District and Sub-District of Bombay and bounded as follows, that is to say, on or towards the EAST by Baloo Sarang Street; on or towards the WEST by Abdul Rehman Street, on or towards the NORTH by Pinjara Street and on or towards the SOUTH by Carnac Road.

N. K. SHASTRI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 29-8-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Fatemabai w/o Fakhruddin Faidahusein Kagalwala.
(Transferor)

(2) Shri Gulamali Kaderbhai Noon & Ors.
(Transferee)

(3) Tenants,
[Person in occupation of the property]

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-400020

Bombay-400020, the 29th August 1975

Ref. No. ARI/1067-11/Jan.75.—Whereas, I, N. K. Shastri, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. I of Mandvi Division situated at Plot No. 116 & 126 of Princess Street Estate (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Bombay, on 31-1-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT the undivided One-Third share, right, title and interest in all that the piece or parcel of land or ground, being Plots Nos. 116 and 126 of the Princess Street Estate and known as 'Baria Mansion' containing by admeasurement 871 sq. yds, equivalent to 728.24 sq. mtrs or thereabouts and registered in the Books of the Collector of Land Revenue under Collector's New Survey Nos. 1926 and 1964 and as to the remainder forms portion of land bearing Survey No. 1936, and Cadastral Survey No. 1 of Mandvi Division, together with the messuage, tenement or dwelling house standing thereon, —assessed by the Municipal Corporation of Greater Bombay under 3(b) Ward Nos. 1 to 5 and Street Nos. 343 to 353, 130 to 146, 160 to 166 and which said premises are situate at Abdul Rehman Street and Carnac Road, in the Registration District and Sub-District of Bombay and bounded as follows, that is to say, on or towards the EAST by Baloo Sarang Street; on or towards the WEST by Abdul Rehman Street; on or towards the NORTH by Pinjara Street and on or towards the SOUTH by Carnac Road.

N. K. SHASTRI,
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 29-8-1975
Seal.

FORM ITNS—

(1) Shripad Atmaram Mankar & Manorama Shripad Mankar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-400020

Bombay-400020, the 29th August 1975

Ref. No. AR-I/1055-24/Jan.75.—Whereas, I, N. K. Shastri, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 261 Plot No. 1 situated at S. V. Road, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar Bombay on 10-1-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (2) Newjaguti Co-Op. Hsg. Soc. Ltd.
(Transferee)
- (3) Tenants.
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land at Bandra, Ghod-bunder Road, in the Registration District, Bombay Suburban and Sub-District Bandra admeasuring 892 sq. yds. i.e. 745.7 sq. mts. or thereabouts bearing non-agricultural survey No. 404 Survey No. 261, Plot No. 1 together with the building or structures standing thereon now known as 'New Jagrati Apartments' bearing Bombay Municipal 'H' Ward No. 6205 Hissa No. 227 Swami Vivekanand Road and bounded as follows :— that is to say on the WEST by S. V. Road, on the EAST by Gopal Mansion, on the NORTH by Tata Blocks, on the SOUTH by the property of late Mr. Mugatnal J. Bhatt.

N. K. SHASTRI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 29-8-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Shrivallabh Atmaram Mankar & Ors.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) New Jagruti Co-op. Hsg. Soc. Ltd.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Tenants.
[Person(s) in occupation of the property]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-400020

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bombay-400020, the 29th August 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. ARJ/1056-25/Jan.75.—Whereas, I, Shri N. K. Shastri, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 26 I, Plot No. 1, situated at S. V. Road, Bandra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sub-Registrar, Bombay on 10-1-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Piece or parcel of land admeasuring 892 sq.yds. or 745.70 sq. mtrs. situated at 227, Swami Vivekanand Road, Bandra, Bombay, 400050 bearing N.A. Survey No. 404, Survey No. 26I, Plot No. I, Municipal H Ward No. 6205.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

N. K. SHASTRI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-8-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Minerva Dealers Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Agarwal Family Trust.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V.
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-400020

Bombay-400020, the 23rd August 1975

Ref. No. AR.(V/232)/3-74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-V, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 127 & 116 (pt.) H. No. I (pt.) situated at Nahur, Mulund

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Bombay on 10-1-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

27-256GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All these two pieces or, parcels of land or ground situate lying and being at Nahur, near Mulund, in the Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban being plots Nos. 44 and 45 containing by admeasurement 6293 sq. yds. (equivalent to 5260.52 sq. metres) or thereabouts and being survey No. 127 and No. 116 (part) Hissa No. I (part) and bounded as follows :—

On or towards the North by 56 wide road, on or towards the south by part plot No. 42 and plot No. 47 and partly by 56 wide Road, on or towards the East by Plot No. 05 and on or towards West by Plot No. 48 and plot No. 42.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V, Bombay

Date : 23-8-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Chimnalal C. Sheth,
M. M. Kotecha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nav Bhavna Co-op Hog Soc. Ltd.

(Transferee)

(3) Members of the Society.

[Person in occupation of the property]

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-400020Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

Bombay-400020, the 29th August 1975

Ref. No. AR-I/1069-13/Jan.75.—Whereas, I, N. K. Shastri, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act. 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 44 of Mahim Division, situated at Cadell Road Prabhadevi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Sub Registrar, Bombay on 30-1-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

ALL that piece or parcel of land or ground of the pension and tax tenure containing by admeasurement 2220 square yards or 1864.80 square metres bearing F.P. No. 1224-B in T.P.S. No. IV, Mahim Area, Bombay, or thereabouts out of a larger plot of land admeasuring about 2661 sq. yards or 2235.24 sq. metres together with the buildings and/or structures now standing thereon, situate lying and being in Prabhadevi Mahim, in the registration District and sub-district of Bombay and which larger plot is registered in the Books of the Collector of Land Revenue under Collector's New Nos. 3512 and 3513 and Laughton's Survey No. 1656 and Cadastral Survey No. 44 of Mahim Division and assessed by the Municipality of Bombay under 'G' Ward Nos. 2607 2608(1), 2609-10(1), 2610(8) and 2610(10) and Street Nos. 75, 422, 434, 434E situate at Cadell Road, Prabhadevi in the Registration District and sub-district of Bombay and which piece of final plot of land in TPS No. IV, Mahim admeasuring about 2220 square yards or 1864.80 sq. metres is bounded as follows that is to say on or towards the East by Cadell Road on or towards the West by the Property belonging to Bombay Dyeing on or towards the North and South by the property of John Luis and Edward Luis.

N. K. SHASTRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 29-8-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jafferally G. Padamjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-400020

Bombay-400020, the 29th August 1975

Ref. No. AR-I/1072-16/Jan.75.—Whereas, I, N. K. Shastri, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 503 of Colaba Division Land & Mills Companies land situated at Plot No. 9 of Colaba (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Bombay on 31-1-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(2) Candy Castle Co-Op Hsg. Soc. Ltd.

(Transferee)

(3) Members of the Society.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that plot piece or parcel of land or ground being plot No. 9 of Colaba Land and Mills Company's lands comprised in Scheme "C" of Arthur Bunder, Colaba and containing by admeasurement one thousand one hundred and ninety four square yards (i.e. 998 square metres) or thereabouts to ghester with the building and structure standing thereon situate lying in the City and Island and registration Sub-District of Bombay and bearing Cadstral Survey No. 503 of Colaba Division and assessed by the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under "A" Ward No. 367 (6) Street No. 11 A and bounded as follows : that is to say, on or towards the North by Plot No. 10 of the said Scheme, on or towards the East by a 40 feet Road, on or towards the South by Plot No. 8, of the said Scheme and on or towards the West by plot No. 4 of the said Scheme.

N. K. SHASTRI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 29-8-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Abdul Tayed Saikh Sarafali & Ors.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Greater United Industrial Co-op. Estate Ltd.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY-400020

Bombay-400020, the 29th August 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. ARI/1058-2/Jan.75.—Whereas, J. N. K. Shastri, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 1963 of Byculla Division situated at Plot 3, East Agripada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sub-Registrar, Bombay on 21-1-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3, East Agripada, (N), 22-A, Pai's Street, Byculla, Bombay 400011, C.S. No. 1963 of Byculla Division, Area : 5436.52 sq. meters.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

N. K. SHASTRI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the 'Said Act', to the following persons namely :—

Date : 29-8-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Vinayekrao Raoji Sunkersett & Ors.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY-400020!

Bombay-400020, the 16th August 1975

Ref. No. ARI/1071-15/Jan.75.—Whereas, I. N. K. Shastri, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. 481 of Bhuleshwar Division
situated at Jagannath Shanker-sett Road

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sub-Registry, Bombay on 31-1-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) The Amruteshwar Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece of parcel of land or ground situate at Girgaum Road now known as Jagannath Sunkersett Road in the Registration District and Sub-District of Bombay containing by admeasurment 1854 sq. yds i.e. 1550.18 sq. mtrs or thereabouts, out of the total area of about 6400 sq. yds i.e. 5351.23 sq. mtrs. or thereabouts, and registered in the books of the Collector of Land Revenue under Old No. 664 part, New No. 8135 part and Cadastral Survey No. 481 of Bhuleshwar Division, and bounded as follows : that is to say, on or towards the East by portion of the said Cadastral Survey No. 481 proposed to be reserved by the Bombay Municipal Corporation for widening of the existing Girgaum Road, on or towards the West by a portion of the said C.S. No. 481, on or towards the North by C.S. No. 20692 and 4394, and on or towards the South by C.S. No. 2091.

N. K. SHASTRI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 16-8-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Khatizabai w/o Esmailji Abdul Kader Raja.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gulamali Kaderbhai Noon & Ors.
(Transferee)

(3) Tenants.
[Person in occupation of the property]

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY-400020

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Bombay-400020, the 29th August 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the 'Said Act', shall have the same meaning
as given in that Chapter.

Ref. No. ARI/1068-12/Jan. 75.—Whereas, I. N. K. Shastri, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. 1 of Mandvi Division situated at Plots No. 116 & 126 of Princess Street Estate (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registry, Bombay on 31-1-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

ALL THAT the undivided One-Third share, right, title and interest in all that the piece or parcel of land or ground, being Plots Nos. 116 and 126 of the Princess Street Estate and known as 'Baria Mansion', containing by admeasurement 871 sq. yds, equivalent to 728.24 sq. mtrs. or thereabouts and registered in the Books of the Collector of Land Revenue under Collector's New Survey Nos. 1926 and 1964 and as to the remainder forms portion of land bearing Survey No. 1936 and Cadastral Survey No. 1 of Mandvi Division, together with the messuage, tenement or dwelling house standing thereon, assessed by the Municipal Corporation of Greater Bombay under 3(b) Ward Nos. 1 to 5 and Street Nos. 343 to 353, 130 to 146, 160 to 166 and which said premises are situate at Abdul Rehman Street and Carnac Road, in the Registration District and Sub District of Bombay and bounded as follows, that is to say, on or towards the EAST by Baloo Sarang Street; on or towards the WEST by Abdul Rehman Street; on or towards the NORTH by Pinjara Street and on or towards the South by Carnac Road.

N. K. SHASTRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 29-8-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ramchander & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohd Umer & others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION
RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 19th August 1975

Ref. No. 59M/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 196, D-7 situated at Keshrol Moradabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 23-2-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

A double storeyed house No. 196-D.7 measuring 191 sq. yds. is situated at Mohalla Keshrol Moradabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 19-8-75.

Seal :

FORM ITNS

(1) Radhaballabh Joshi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Saraswati Woollen Mills. P. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 19th August 1975

Ref. No. 75—S/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Vill. Jhalori Distt. Almora, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Almora on 7-2-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One storeyed house measuring 12 x 18 Ft. with diggia measuring 6 x 4 ft. is situated at Vill. Jhalori Distt. Almora.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 19-8-75

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Hanifa Khanam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Tilat Sultana Khanam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 14th August 1975

Ref. No. 10-T/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Khavash Gyan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Khurja on 24-2-75,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

28—256GI/75

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house measuring 2294 sq. ft. is situated at Mohalla Khavash Gyan Bulandshahr.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 14-8-75

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shankar Enterprise.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Himmat Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 19th August 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 14-H/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 16 situated at Vill. Moharpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Barailly on 2-8-75,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land measuring 5 Bigha 3 Biswas 14 Biswansis with cold-storage house measuring 500 sq. yds. is situated at Vill. Mahor Pur, Distt. Barailly.

BESHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

Date : 19-8-75.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-1
 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 8th September 1975

Ref. No. F. XVI/11/22/74-75.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 347/1, situated at Ariyagoundampatti, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Namagiripettai, on January, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kamalam,
 W/o. A. S. Ramaswamy Gounder,
 Aerikadu,
 Ariyagoundampatti, Salem Dt.

(Transferor)

(2) Shri Thippa Naicker,
 S/o. Melapatti Periamuthu Naicker,
 Ariyagoundampatti, Salem Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in agricultural lands measuring about 7-28 acres in S. No. 347/1, Ariyagoundampatti, Salem District.

G. RAMANATHAN,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of
 Income-Tax, Acquisition Range-1,
 Madras-6.

Date : 8-9-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-1
 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 8th September 1975

Ref. No. F.XVI/11/21/74-75.—Whereas, I, G. RAMA.

NATHAN,

being the competent authority under section 269E of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 347, situated at Ariyagoundampatti, Namagiripettai, Salem Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Namagiripettai, on January, 1975 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kamalam,
 W/o. A. S. Ramaswamy Gounder,
 Aerikadu,
 Ariyagoundampatti, Salem Dt.

(Transferor)

(2) Shri Bomma Naicker,
 S/o. Melapatti Periamuthu Naicker,
 Ariyagoundampatti, Salem Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd of agricultural lands measuring about 7.28 acres in Survey No. 347, Ariyagoundampatti, Namagiripattai, Salem District.

G. RAMANATHAN,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of
 Income-Tax, Acquisition Range-1,
 Madras-6.

Date : 8-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Kamalam,
W/o A. S. Ramaswamy Gounder,
Aerikadu, Ariyagoundampatti,
Rasipuram, Salem Dt.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Palaniswamy,
S/o. Melapatti Periamuthu Naicker,
Ariyagoundampatti, Salem Dt.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-1
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 8th September 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. F.XVI/11/20/74-75.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 347/1, situated at Ariyagoundampatti, Village, Namagiripettai, Salem Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Namagiripettai, on January, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

1/3rd share in agricultural lands measuring about 7.28 acres at S. No. 347/1, Ariyagoundampatti, Namagiripettai, Salem District.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-1,
Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-1
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 8th September 1975

Ref. No. F.XVI/11/19/74-75.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — situated at Thoppatti village, Salem Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Namagiripettai, on January, 1975 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Kailasanathan,
S/o. Mauleeswaran,
Mullukurichi P.O.
Salem Dt.

(Transferor)

(2) Smt. Kamalam,
W/o R. Ramasamy Gounder,
Thoppatti P.O. Salem Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2.23 acres (S. No. 35/1 — 1.89 acres + S. No. 36/2 — 0.05 + S. No. 36/2 — 0.19 + S. No. 36/2 — 0.10) at Thoppatti village, Namagiripettai, Salem District.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1,
Madras-6.

Date : 8-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kailasanathan,
S/o. Maulieswaran,
Mullukurichi P.O.
Rasipuram Tq., Salem Dt.

(Transferor)

(2) Smt. Kamalam,
W/o. R. Ramaswamy Gounder,
Thoppatti P. O.
Salem Dt.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6

Madras-6, the 8th September 1975

Ref. No. F.XVI/11/18/74-75.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — situated at Thoppatti village, Salem Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Namagiripettai, on January, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2.09 acres (S. No. 37/5 — 2-04 + S. No. 36/2 — 0.05) at Thoppatti Village, Namagiripettai, Salem District.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-1,
Madras-6.

Date : 8-9-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Baljit Singh s/o Shri Kulbir Singh, Smt. Sunit Kaur d/o Major Vir Singh, 21 Canit, Amritsar through Shri Ranbir Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th September 1975

Ref. No. ASR/137/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 11 situated at Shivala Bhaian, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in January 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Kanwar Balkar Singh s/o Shri Kherk Singh, Smt. Surinder Kaur w/o Kanwar Balkar Singh r/o 330 Tilak Nagar, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 11 Shivala Bhaian, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3563 of January, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 4-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Vijay Mohan Aggarwal s/o Shri Bakshi Ram Aggarwal, 105 Lawrence Road, Amritsar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Amritsar, the 4th September 1975

Ref. No. ASR/138/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 10 situated at Shivala Bhaian, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in January 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Baljit Singh s/o Shri Kulbir Singh, Smt. Sunit Kaur d/o Major Vir Singh, 21 Cantt, Amritsar through Shri Ranbir Singh.

(Transferor)

Date : 4-9-1975

Seal :

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 10 Shivala Bhaian, Amritsar as mentioned in the registered Deed No. 3567 of January, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th September 1975

Ref. No. ASR/139/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 44 situated at R. B. Parkash Chand Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in January 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Mohinder Chand Mehra s/o Shri R. B. Labh Chand Mehra, Mall Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Narain Dass s/o Shri Bishan Dass, 32 R.B. Parkash Chand Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 44 R.B. Parkash Chand Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3272 of January, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 4-9-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th September 1975

Ref. No. GDB/140/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Gidderbaba (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gidderbaba in January 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Jagir Singh, Nasib Singh and Gurdev Singh ss/o Shri Jang Singh, Nachatar Singh s/o Mukhtiar Singh, Bikar Singh s/o Shri Balbir Singh, Raj Singh s/o Koid Singh r/o Gidderbaba District Faridkot.

(Transferor)

(2) S/Shri Nand Lal or Harnand Lal, Tek Chand ss/o Khem Chand and Krishan Kumar s/o Partap Chand c/o M/s Munshi Lal Khem Chand, Commission Agents, Gidderbaba Mandi, Gidderbaba.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Khasra No. 548 at Gidderbaba as mentioned in the Registered Deed No. 831 of January 1975 of the Registering Authority, Gidderbaba.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 4-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mela Devi Wd/o Shri Hans Raj Kalra r/o Hukam Singh Road, Amritsar.
(Transferor)

(2) Shri Bishan Singh s/o Shri Deva Singh r/o V. Kutiwala Teh. Patti.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th September 1975

Ref. No. ASR/141/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 Kothi situated at No. B-XIII-16-5-15, Hukam Singh Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in January 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half Kothi No. B-XIII-16-5-15 Hukam Singh Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3559 of January 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 4-9-1975
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Mela Devi wd/o Shri Hans Raj Kalra r/o Hukam Singh Road, Amritsar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th September 1975

Ref. No. ASR/142/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 Kothi situated at No. B-XIII-16-5-15 Hukam Singh Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in January 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt. Satwant Kaur w/o Shri Gurmukh Singh r/o V. Baler Tch. Patti through Shri Ram Rakhamal.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 Kothi No. B-XIII-16-5-15 Hukam Singh Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3560 of January, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 4-9-1975

Seal :

FORM TTNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th September 1975

Ref. No. ASR/143/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property situated at G.T. Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Amritsar in January 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s United Mechanical Works G.T. Road through Shri Hari Singh s/o Shri Nanak Singh r/o Bahadur Nagar and Paramjit Singh s/o Shri Prithipal Singh Br. Cheel Mandi & Shri Amarjit Singh s/o Shri Thakar Singh r/o Putlighar, Azad Nagar, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Nirmal Singh and Manmohan Singh ss/o Shri Prithipal Singh Cheel Mandi, P.O. Steel Industries, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 3534 of January 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 4-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Balbahadar Singh s/o Shri Parduman Singh
r/o Phagwara.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th September 1975

Ref. No. PHQ/144/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 25-A, situated at Model Town, Phagwara, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Phagwara in January 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Bansi Lal s/o Shri Jodha Ram s/o Shri Daulat Ram c/o M/s New Frontier Cloth House Phagwara.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land No. 25-A Model Town, Phagwara as mentioned in the Registered Deeds No. 1746, 1747 and 1748 of January 1975 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 4-9-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Charanji Lal s/o Shri Ganesh Mal, Shri Sohan Lal s/o Shri Ganesh Mal r/o Malout Mandi now r/o Hanumangarh, District Sriganganagar Shri Madan Lal alias Mohan Lal s/o Shri Ganesha Ram s/o Shri Miha Mal r/o Malout Mandi now Hanumangarh.

(Transferor)

(2) Shri Mittan Lal Khurana s/o Shri Shagan Lal Raj Kumar s/o Shri Shagan Lal Shri Das Raj s/o Shri Shanker Dass r/o Malout Mandi.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th September 1975

Ref. No. MLT/145/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property situated at Mandi Sheikhu Malout, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malout in January 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deeds Nos. 2138, 2139 and 2140 of January 1975 of the Registering Authority, Malout.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Date : 4-9-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th September 1975

Ref. No. PHG/146/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Plot of land situated at G.T. Road, Phagwara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in January 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

—256GI/75

(1) Shri Gurdial Singh Hardial Singh s/o Shri Sadhu Singh, Smt. Harbans Kaur Wd/o Shri Sadhu Singh r/o Phagwara.

(Transferor)

(2) Smt. Pritam Kaur w/o Shri Sher Singh s/o Shri Hari Singh V. Johal, District Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 1884 of January 1975 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 4-9-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Harbans Kaur Wd/o Shri Sadhu Singh r/o Phagwara.
(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

(2) Shri Sher Singh s/o Shri Hari Singh s/o Shri Uttan
Singh r/o V. Johal District Jullundur.
(Transferee)

Amritsar, the 4th September 1975

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to
be interested in the property)

Ref. No. Phg/147/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land situated at G.T. Road, Phagwara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Phagwara in January 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 1886 of January 1975 of the Registering Authority, Phagwara.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act, to the following persons, namely :—

Date : 4-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Hardial Singh s/o Shri Sadhu Singh r/o Phagwara.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th September 1975

Ref. No. PHG/148/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 'o. Plot of land situated at G.T. Road, Phagwara, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Phagwara in January 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Smt. Joginder Kaur s/o Shri Hari Singh s/o Shri Uttam Singh V. Johal District Jullundur.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 1885 of January 1975 of the Registering Authority, Phagwara.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Pritam Kaur w/o Shri Shaminder Pal Singh
s/o Bhai Jabharjang Singh r/o Muktsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri G.C. Harprit Singh s/o Shri Barinder Pal Singh r/o Khunde Halal Teh, Muktsar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Amritsar, the 4th September 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. FDK/150/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Khunde Halal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar in January 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2642 January 1975 of the Registering Authority, Muktsar.

V. R. SAGA,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Pritam Kaur w/o Shri Shaminder Pal Singh s/o Bhai Jabharjang Singh r/o Muktsar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

(2) G.C. Harprit Singh s/o S. Barinder Pal Singh
s/o Bhai Jabharjang Singh r/o Khunde Halal Teh.
Muktsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Amritsar, the 4th September 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. FDK/151/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at V. Khunde Halal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar in January 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said, immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2626 of January, 1975 of the Registering Authority, Muktsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 4-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) (1) Shri Bhabagrihi Singh, (2) Galehi Dei & 11 others.

(Transferor) 

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 9, FOREST PARK,
BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 6th September 1975

Ref. No. 20/75-76/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I, G. B. Chand, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Thana

No. 214 situated at Bahar Bisinabar (Cuttack town), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Distt. Sub-Registrar, Cuttack, on 14-5-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) (1) Shri Nanda Kishore Agarwalla, (2) Binod Kumar Agarwalla, (3) Kamal Kumar Agarwalla.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land with building situated at Bahar Bisinabar (Cuttack town) bearing Thana No. 214 and registered on 14-5-75 in the office of the Dist. Sub-Registrar, Cuttack vide sale deed No. 2824.

G. B. CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhubaneswar.

Date : 6-9-75.

Seal :

FORM ITNS

CE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 9th September 1975

Ref. No. Raj/IAC/(Acq.)/273.—Whereas, I, C. S. Jain, the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nil, situated at Rajendra Marg, Bhilwara, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhilwara on 16-1-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Smt. Shanta Devi w/o Prakashchandji Kothari (2) (i) Sh. Jai Kumar s/o Sh. Gyanmalji Kothari (ii) Smt. Pushpalata w/o Bhagchandji Kothari, partners of M/s Vijay Oil Mills, Bhilwara.

(Transferor)

(2) (i) M/s Mahavir Oil Mills, Bhilwara. (ii) Sh. Shanti Kumar s/o Shri Fatehlal Ajmera, Partner of M/s Mahavir Oil Mills, Bhilwara.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, building plant & machinery previously owned/occupied by M/s Vijay Oil Mills, situated at Rajendra Marg, Bhilwara.

C. S. JAIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 9-9-75.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Abmedabad-380009, the 4th September 1975

Ref. No. Acq. 23-I-653(219)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria, being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing Survey No. 170/1, 170/2, Final Plot No. 490, S.P. No. B/1 & B/2 of TPS.21, situated at Paldi, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 16-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D to the following persons, namely.—

- (1) As per sheet attached.
- 1. Shri Kishan Chand Ferumal Tulsani,
- 2. Shri Relumal Ferumal Tulsani,
- 3. Shri Uddhavandas Ferumal Tulsani,
- 4. Maganlal Hindraj,

- 5. Shri Nathumal Asandas,
- 6. Smt. Vasanben Hindraj,
- 7. Smt. Buliben Motumal, Vasudev Colony, Nr. Bhullabhai Park, Ahmedabad-22.
- 8. Shri Rajnikant Hakmichand, 36, Highland Park Society, Ahmedabad-15. (Transferor)

(2) As per sheet attached.

Transferee :—

For & on behalf of M/s. H. Patel & Co.

Partners :—

- (1) Shri Hakmichand Kurjibhai Patel,
- (2) Shri Rajnikant Hakmichand Patel,
- (3) Shri Kishorekumar Hakmichand Patel,
- (4) Shri Nareshkumar Hakmichand Patel, 3—Highland Park Society, Behind Sachivalaya, Ahmedabad.
- (5) Shri Ukabhai Kalyanbai Patel, No. 1, Chandra Baug Society, Nikol Road, Ahmedabad.
- (6) Shri Naradalal Valjibhai Patel, Meghalaya Avenue, Nr. Sardar Patel Colony, Ahmedabad. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used in this notice as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The right to construct on a construction of 800 sq. yards already made on a plot of land admeasuring 2400 sq. yards, bearing Survey No. 170/- Palki, 170/2 Palki, F.P. 490, S.P. No. B/1 and B/2 of T.P.S. No. 21, situated at Paldi, Ahmedabad with the right to use stair-case.

J. KATHURIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dated : 4-9-75.

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Shri Husain Mohammed Nazir Shaikh, A/2, Elite Apartments, Nr. Dusinala, Shahibaugh, Ahmedabad-4.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 4th September 1975

Ref. No. Acq. 23-I-502(220)/1-1/74-75.—Whereas, I, J. Kathuria, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. F.P. No. 137/1/B, Muni. Census No. 2104 and 2104/1 of T.P.S. No. 3 situated at Ellisbridge, Ahmedabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 6-1-1975. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) M/s Rohit Estate Agency, firm with Head Office Near Alankar Cinema, 665, Kapasia Bazar, Ahmedabad, through its partner:—
Shri Chandrakant Dhansekhhai Sanghvi, of 1, Shanti Nagar Society, Usmanpura, Ahmedabad-13.

(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece of parcel of land with the super-structure thereon bearing Muni. Census No. 2104 and 2104/1 of Navrangpura, Ahmedabad, admeasuring 589 sq. yards with super-structure thereon, bearing Final Plot No. 137/1/B of Ellisbridge, T.P.S. No. 3, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range-I, Ahmedabad.
Date of issue of notice: 27-9-1975.

20D-1472

